नई दिल्ली
रविवार 18 अक्टूबर 2026
अश्विन मास शुक्ल पक्ष,
अष्टमी वर्ष : 30, अंक : 181
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 33.7°C
न्यून. 15.2°C

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



11 फोकिना ने किया बड़ा उलटफेर, विश्व के नंबर 2 ज्वेरेव को हराकर फाइनल में एंट्री

haribhoomi.com

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

अष्टमी-मां महागौरी



श्वेते वृषे समरूढा श्वेताम्बराधरा शुचिः।
महागौरी शुभं दद्यान्महादेवप्रमोददा।।

खबर संक्षेप

अस्पताल में भर्ती एलके आडवाणी से मिले नड्डा

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी (98) को सीने में संक्रमण के चलते अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी हालत स्थिर है। उन्हें आईसीयू में रखा गया है।



न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. विनीत सूरी सहित डॉक्टरों की टीम उनकी देखरेख कर रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा नेता जेपी नड्डा अस्पताल पहुंचे और आडवाणी से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। अधिकारियों के अनुसार, उन्हें शुक्रवार शाम करीब 7:30

अमेरिका से आई बड़ी खुशखबरी

ट्रंप ने दी रूस पर लगाए तेल प्रतिबंधों में छूट भारत को 100% टैरिफ से मिलेगी राहत

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कार्यकारी आदेश से लिए फैसले में बोले राष्ट्रपति, अमेरिका के राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर अभी के लिए लिया फैसला

अमेरिका से भारत के लिए राहत की एक बड़ी खबर आई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से बड़े पैमाने पर तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर लगाए जाने वाले भारी-भरकम प्रतिबंधों और शुल्कों जैसे 100% टैरिफ को फिलहाल हटा दिया है। बीते शुक्रवार देर रात एक कार्यकारी आदेश के जरिए यह निर्णय लेने के बाद उन्होंने बताया कि मैंने यह छूट 'लिंडसे ओ ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' कानून के जरिए दी है और इसे लेकर कांग्रेस (अमेरिकी संसद) को एक प्रमाणपत्र सौंप दिया है। जिसमें यह स्पष्ट किया कि मेरा यह फैसला सिर्फ अभी के लिए देश के राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

ऐसे में यहां ये उल्लेख करना भी जरूरी हो जाता है कि भविष्य में ट्रंप जब चाहें रूस से जुड़े प्रतिबंधों को फिर से लगा सकते हैं। वहीं, विदेश मंत्री मार्को रुबियो 17 से 22 अक्टूबर तक भारत की यात्रा पर रहेंगे। उनके स्वदेश पहुंचने से पहले ट्रंप प्रशासन द्वारा यह अहम जानकारी सार्वजनिक की गई है।

यह छूट 'लिंडसे ओ ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' कानून के जरिए दी



ठीक 24 घंटे पहले लिया यू टर्न

गौरतलब है कि पिछले सितंबर महीने में अमेरिका के राष्ट्रपति ने इस कानून पर हस्ताक्षर किए थे। जिसका एकमात्र उद्देश्य रूस के पेट्रोलियम उत्पादों (तेल, गैस) के दुनिया में टॉप टेन खरीदार देशों (भारत, चीन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), तुर्किये, सिंगापुर, हंगरी, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, अजरबैजान और स्लोवाकिया) से अमेरिका को होने वाले सभी तरह के सामान के निर्यात पर सख्त पाबंदियां लगाना था। रूस की अर्थव्यवस्था पर इससे दुष्प्रभाव पड़ेगा और आखिरकार वह यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध को आगे बढ़ाने में सफल नहीं होगा। कानून के मुताबिक अपने इस फैसले को अमलीजामा पहनाने के लिए राष्ट्रपति के पास 30 दिन यानी एक महीने की समयसीमा थी। जिसकी मियाद 18 अक्टूबर 2026 को समाप्त हो रही थी। लेकिन उससे ठीक एक दिन पहले उक्त फैसले की घोषणा कर दी गई है।

सीनेटर ग्राहम के नाम पर रखा नाम

इस कानून का नामकरण राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका के एक पूर्व सांसद लिंडसे ग्राहम के नाम पर रखा था। जो वाशिंगटन डीसी में यूक्रेन के सबसे बड़े समर्थक थे। उनका इसी साल जुलाई महीने में कीव की यात्रा से लौटने के बाद निधन हो गया था। कानून में ऊपर बताए गए देशों से अमेरिका जाने वाले सामान पर भारी भरकम टैरिफ लगाने के अलावा कई रूसी संस्थानों पर प्रतिबंध लगाने, मॉस्को से वाशिंगटन डीसी जाने वाले ऊर्जा उत्पादों पर 500% तक टैरिफ लगाने का बेहद कड़ा प्रावधान किया गया है। पूरी कवायद में अमेरिकी प्रशासन ने रूस की वित्तीय व्यवस्था को डांवाडोल करने की मंशा के साथ रूस के अधिकारियों, बैंकों, ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी संस्थाओं तथा सैन्य अभियानों का समर्थन करने वाली विदेशी इकाइयों को निशाना बनाने की तैयार को पुख्ता किया है।

भारत ने नहीं दी कोई प्रतिक्रिया

भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति की टैरिफ प्रतिबंधों को हटाने की घोषणा पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। भविष्य में इसकी उम्मीद की जा सकती है। लेकिन टैरिफ के मामले को लेकर विदेश मंत्रालय ने बीते समय में कई मौकों पर देश का रुख साफ किया है। जिसमें ये कहा था कि भारत अपने ऊर्जा उत्पादों का दुनिया के विभिन्न देशों से आयात करता है। हमारे इस निर्णय में 140 करोड़ आमजनता की घरेलू जरूरतों को हर हाल में पूरा करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। जहां तक कच्चे तेल, डीजल के विश्व से होने वाले विविधतापूर्ण आयात का मामला है। तो उसे लेकर हम अपनी जरूरतों की पूर्ति के अलावा वैश्विक बाजारों में बने हुए हालात के आकलन के आधार पर फैसला करते हैं। उधर, ट्रंप पर जब इस कानून पर हस्ताक्षर किए थे। तब भी भारत ने मामले पर अपनी सभी चिंताओं से अमेरिकी प्रशासन को अवगत करा दिया था।

कोलकाता के दुर्गा पंडाल में भगदड़

18 लोगों की मौत, 45 से ज्यादा श्रद्धालु घायल

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने अस्पताल पहुंचकर हालात की समीक्षा की, अमित शाह ने दौरा रद्द किया

टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 18003455678 जारी किया गया, प्रभावित परिवार इस नंबर पर संपर्क कर सकते हैं

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के चोरबागान सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल में शनिवार शाम भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई, जबकि 45 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। मृतकों में चार पुरुष, 13 महिलाएं और सात साल का एक बच्चा शामिल है। हालांकि, कोलकाता मेडिकल

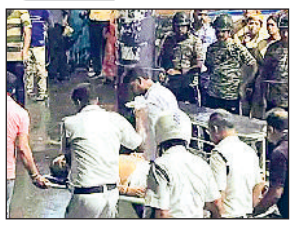

कॉलेज अस्पताल से जुड़े सूत्रों ने मृतकों की संख्या 20 होने का दावा किया है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया ▶▶ शेष पेज 5 पर

नितिन नवीन ने राहुल गांधी पर साधा निशाना

विदेशी टूलकिट गैंग का मोहरा बनकर देशहित के खिलाफ काम कर रहे राहुल

'कुम्हरार सेवा सहायता पोर्टल-आपका विधायक आपके साथ' एप का किया लोकार्पण

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह विदेशी टूलकिट गैंग का मोहरा बनकर देशहित के खिलाफ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विकास यात्रा को कुछ देशविरोधी ताकतें पचा नहीं पा रही हैं। चुनावी हार का



ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ना लोकतंत्र और जनमत का अपमान है। नितिन नवीन शनिवार को पटना के कुम्हरार विधानसभा क्षेत्र में जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए बनाए गए 'कुम्हरार सेवा सहायता पोर्टल-आपका विधायक आपके साथ' एप के लोकार्पण समारोह ▶▶ शेष पेज 5 पर

देश के संविधान से प्रत्येक नागरिक को मिले हैं सभी जरूरी अधिकार

सीजेपी के प्रदर्शनों पर संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट को भारत ने किया सिरे से खारिज

बोले अनुज स्वरूप, तथ्यों से परे सिर्फ सुनी-सुनाई बातों के आधार पर लगाए जा रहे बेबुनियाद आरोप बर्दाश्त नहीं करेगा भारत।

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शनों में मामले की गूंज अमेरिका के बाद अब संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में भी सुनाई पड़ी है। जिसमें दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र के रूप में भारत की सराहना करने के बजाय उस पर उलजुलूल आरोप लगाए गए हैं। मामला बेहद गंभीर होने के साथ ही देश की वैश्विक मंच पर गढ़ी जा रही छवि से जुड़ा था।



इसलिए बिना किसी देरी के यूएन में भारत के प्रथम सचिव अनुज स्वरूप ने कमान संभाली और जोरदार अंदाज सभी आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि बिना किसी आधिकारिक पुष्टि वाले अनाम बयानों यानी सिर्फ और सिर्फ सुनी सुनाई बातों के आधार पर हम पर लांछन ▶▶ शेष पेज 5 पर

भारतीय संविधान को ध्यान से पढ़ें

स्वरूप ने रोमेरो को दो टूक अंदाज में कहा कि भारत के संविधान की धारा-19 देश के प्रत्येक नागरिक (स्त्री, पुरुष दोनों शामिल) को समान रूप से जरूरी अधिकार प्रदान करती है। जिसमें वह किसी मसले पर एक स्थान पर एकत्रित होने, अपने किसी संगठन का गठन करने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का इस्तेमाल कर सकते हैं। समय-समय पर हुए ऐतिहासिक आंदोलन, प्रदर्शन इस तथ्य की शत-प्रतिशत पुष्टि करते हैं। इतना ही नहीं उक्त तीनों विषयों को लेकर नागरिकों ▶▶ शेष पेज 5 पर

दमन के बीच कैसे बन गई सीजेपी?

भारत के प्रतिनिधि ने रोमेरो की रिपोर्ट पर सवालिया निशान लगाते हुए कहा कि उसमें जिस प्रकार से भारत की सरकार की कार्रवाई को युवाओं की आवाज का दमन करने वाली बताया गया है। उसे लेकर मैं पूछना चाहता हूं कि यह कैसे संभव है कि किसी दमनकारी देश युवा एकजुटता से सीजेपी जैसी व्यंगात्मक पार्टी का गठन कर सरकार के खिलाफ ही प्रदर्शन करने के लिए सड़कों पर उतर आएं। केंद्र से आक्रामकता के साथ सवाल पूछने लगें और राष्ट्रीय राजधानी की ओर बिना किसी डर के साथ कूच कर सकते हैं? इन सबसे इतर युवाओं की ही ▶▶ शेष पेज 5 पर

युवाओं से छीना प्रदर्शन का अधिकार

यूएन महासभा की तीसरी समिति के 81वें सत्र के दौरान विशेष प्रतिवेदक (स्पेशल रैपोर्टियर) जीना रोमेरो ने अपनी एक रिपोर्ट प्रस्तुत कर नई दिल्ली पर यह आरोप लगाए। जिसमें उन्होंने कहा कि भारत में दरअसल युवाओं को किसी मुद्दे पर प्रदर्शन करने का भी अधिकार नहीं है। अगर वो ऐसा कुछ करने की सोचते भी हैं तो उन्हें इससे वंचित किया जा रहा है। जबकि हकीकत ये है कि युवा लोकतंत्र और जवाबदेही ▶▶ शेष पेज 5 पर

19 अक्टूबर को एंकर निवेशकों की बोली

21 से 23 अक्टूबर तक खुलेगा आईपीओ

जियो आईपीओ को लेकर निवेशकों में उत्साह 2.5 लाख करोड़ की मांग, प्रस्तावित इश्यू आकार से 8 गुना से भी अधिक

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज की कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स के आगामी आईपीओ को लेकर निवेशकों के बीच काफी दिलचस्पी देखने को मिल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक आईपीओ में निवेश के लिए घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशकों की ओर से करीब 2.5 लाख करोड़ रुपए की मांग सामने आई है। यह राशि लगभग 30,200 करोड़ रुपए के प्रस्तावित इश्यू आकार से 8 गुना से भी अधिक है। एक ओर संस्थागत निवेशकों की दिलचस्पी चर्चा में है, वहीं दूसरी ओर खुदरा निवेशकों के लिए भी कई ब्रोकरेज मंचों पर प्री-बुकिंग यानी प्री-अप्लाई की सुविधा शुरू हो गई है। इससे निवेशक आईपीओ खुलने से पहले ही अपना आवेदन दर्ज कर सकते हैं। जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ के लिए एंकर निवेशकों की बोली 19 अक्टूबर को निर्धारित है। इसके बाद आईपीओ 21 अक्टूबर को खुलेगा और 23 अक्टूबर को बंद होगा। जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ में दिलचस्पी दिखाने वाले संस्थागत निवेशकों में विदेशी दीर्घकालिक



फाइल फोटो

निवेश कोष, सरकारी संपत्ति कोष, बड़े म्यूचुअल फंड और बीमा कंपनियां शामिल हैं। जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ में आवेदन करने के इच्छुक खुदरा निवेशकों के लिए कई ब्रोकरेज मंचों पर प्री-अप्लाई की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके तहत निवेशक आईपीओ खुलने से पहले अपना आवेदन दर्ज कर सकते हैं, जिसे निर्गम खुलने के बाद निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ाया जाता है।

1,119 रुपए प्रति शेयर तक होगा मूल्य

जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ का मूल्य दायरा 1,065 से 1,119 रुपए प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। न्यूनतम आवेदन 12 शेयरों के एक लॉट के लिए होगा। ऊपरी मूल्य दायरे के आधार पर एक लॉट खरीदने के लिए निवेशक को 13,428 रुपए की राशि की आवश्यकता होगी।

महाराष्ट्र में खुले मसाला पाउडर की बिक्री पर बैन

मुंबई। महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने खुले और बिना पैकिंग वाले मसाला पाउडर व मिश्रित मसालों की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। मिलावट और दूषित होने की आशंका रोकने के लिए मसालों की उत्पादन स्थल पर ही पैकिंग और सीलिंग अनिवार्य की गई है। मसालों को कीटाणुरहित करने के लिए एथिलीन ऑक्साइड गैस के इस्तेमाल पर भी रोक लगाई गई है। एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंढे के अनुसार, नए आदेश में मसालों के उत्पादन से लेकर भंडारण, परिवहन और बिक्री तक के नियम तय किए गए हैं। यह प्रतिबंध हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा, काली मिर्च, गरम मसाला सहित अन्य मसालों पर लागू होगा। निर्माता, व्यापारी, दुकानदार, ई-कॉमर्स कंपनियां, होटल और कैटरर भी इसके दायरे में आएंगे।





शांति बॉण्ड का उल्लंघन करने के आरोप में किया गया था गिरफ्तार

दीपके को मिली जमानत, शांति बनाए रखने के बॉण्ड पर हस्ताक्षर करने को कहा गया : पुलिस

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के संस्थापक अभिजीत दीपके को शनिवार को सशर्त जमानत दे दी गई और उनसे शांति बनाए रखने संबंधी बॉण्ड पर हस्ताक्षर करने को कहा गया। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी।

शुक्रवार को कनॉट प्लेस में कॉजपा के 'लहरा दो तिरंगा' प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली के झंडेवालान स्थित घर से बाहर निकलते ही दीपके को हिरासत में ले लिया गया था। दीपके को 10 अक्टूबर को दिए गए शांति बॉण्ड का उल्लंघन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि शांति बॉण्ड में दिए गए आश्वासन के आधार पर, उन्हें छोड़ दिया गया। हम आगे की जानकारी के लिए लिखित आदेश का इंतजार कर रहे हैं। दीपके को मंदिर मार्ग पुलिस थाने में विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जहां उन्हें कुछ शर्तों के साथ



जमानत दे दी गई। हालांकि, पुलिस ने इस घटनाक्रम पर कोई बयान जारी नहीं किया है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस थाने और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई। पुलिस ने शुक्रवार को कनॉट प्लेस में 'लहरा दो तिरंगा' मार्च के लिए एकत्र होने से पहले दीपके को दो नोटिस दिए थे। वह जैसे ही अपने घर से बाहर निकले, उन्हें एहतियातन हिरासत में ले लिया गया। शुक्रवार को शाम पांच बजे निर्धारित मार्च से पहले नोटिस देने के लिए 20 से अधिक पुलिसकर्मी दीपके के झंडेवालान स्थित आवास पर पहुंचे। पहले नोटिस में उन्हें कनॉट प्लेस के आसपास प्रदर्शन, जुलूस या रैली निकालने से रोक दिया गया था, जबकि दूसरा नोटिस विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने जारी किया था। यह दीपके और कॉजपा नेताओं सौरव दास तथा आशुतोष रांका पर लगाई गई बॉण्ड संबंधी शर्तों से जुड़ा था। दूसरे नोटिस में दोहराया गया कि तीनों को एहतियातन हिरासत में लेने के बाद अदालत में पेश किया गया था। अदालत ने उन्हें एक साल तक शांति बनाए रखने और अच्छा आचरण करने का निर्देश दिया था।

दस अक्टूबर को विरोध प्रदर्शन से पहले दीपके, दास और रांका को एहतियातन हिरासत में लिया गया था और दिल्ली कैंट पुलिस थाने में विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया था। तीनों को 50-50 हजार रुपये के जमानती बांड भरने और एक साल तक शांति बनाए रखने तथा अच्छा आचरण करने का वचन देने के बाद रिहा कर दिया गया था। पुलिस ने शुक्रवार को 150 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया और निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने के आरोप में कई प्राथमिकी दर्ज कीं।

सीजेपी के तिरंगा मार्च को लेकर दर्ज की गई छह प्राथमिकी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को सीजेपी के तिरंगा मार्च के पहले कनॉट प्लेस में निषेधाज्ञा का उल्लंघन किए जाने के संबंध में छह प्राथमिकी दर्ज की हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि लोगों से बार बार वहां से हटने की अपील किए जाने के बावजूद कनॉट प्लेस और उसके आसपास भीड़ जमा हो गई, जिसके बाद पुलिस ने कानूनी कार्रवाई शुरू की। गौरतलब है कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर कनॉट प्लेस और आसपास के इलाकों में बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने पर रोक लगाई गई थी। भारी पुलिस बल की तैनाती के बीच सीजेपी के सैकड़ों समर्थकों और छात्र कार्यकर्ताओं ने कनॉट प्लेस के विभिन्न हिस्सों में अचानक विरोध प्रदर्शन किए और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। शनिवार को दिल्ली पुलिस द्वारा अभिजीत दीपके की भी गिरफ्तारी दिखाई। हालांकि दीपके को कोर्ट ने जमानत पर रिहा कर दिया।

भलस्वा कूड़े के पहाड़ को हटाने की समय-सीमा छठी बार बढ़ी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

■ अब फरवरी 2027 का लक्ष्य

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने भलस्वा लैंडफिल को साफ करने की समय-सीमा को छठी बार बढ़ा कर फरवरी 2027 कर दिया है। इस स्थान पर अब भी वर्षों से जमा 10 लाख मीट्रिक टन से अधिक पुराना कूड़ा पड़ा हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, नगर निगम ने दिल्ली सरकार को एक संशोधित कार्य योजना सौंपी है। इसमें भलस्वा कूड़े के पहाड़ को हटाने की समय-सीमा को दिसंबर 2026 से बढ़ाकर फरवरी 2027 कर दिया गया है, जबकि ओखला के लिए दिसंबर 2026 और गाजीपुर के लिए दिसंबर 2027 की समय-सीमा को बरकरार रखा गया है।

अधिकारियों ने कहा कि इस देरी का मुख्य कारण भलस्वा लैंडफिल से पुराने कूड़े के प्रसंस्करण - कूड़े को छांटने और पुनर्चक्रण के माध्यम से पुनः इस्तेमाल योग्य बनाने की प्रक्रिया - तथा उसे हटाने का काम देख रहे ठेकेदार का बदला जाना है। एक अधिकारी ने बताया कि ठेका दूसरी कंपनी को सौंपे जाने के दौरान साजो-सामान व मशीनों के प्रबंधन एवं परिवहन से जुड़ी समस्याओं के कारण दो महीने की देरी हुई है। उन्होंने बताया कि पुराने ठेकेदार को इस स्थल से करीब 30 लाख मीट्रिक टन पुराना कूड़ा हटाने का काम सौंपा गया था। इसके बाद नगर निगम ने नयी निविदा जारी की, जिसके बाद दूसरी एजेंसी ने नयी दरों पर काम संभाला, जिससे यह देरी हुई। नगर निगम के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, भलस्वा में 10.77 लाख मीट्रिक टन पुराना कूड़ा अभी बचा हुआ है, जबकि 104.40 लाख मीट्रिक टन कूड़े का प्रसंस्करण किया जा चुका है।

दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस को रामलीला मैदान में रैली करने की अनुमति दी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस को एक नवंबर को रामलीला मैदान में रैली आयोजित करने की अनुमति दे दी है। इसके लिए एनओसी भी जारी की गई है। एक दिन पहले कनॉट प्लेस के इनर सर्कल में आप को तिरंगा मार्च निकालने की अनुमति दी गई थी लेकिन सीजेपी को सेंट्रल पार्क में अनुमति नहीं दी गई थी। मध्य जिले के डीसीपी रोहित राजबीर सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने एक नवंबर को रामलीला मैदान में रैली आयोजित करने की योजना बनाई है और इसके लिए आवश्यक एनओसी प्राप्त करने के वास्ते दिल्ली पुलिस से संपर्क किया था। निर्धारित प्रदर्शन स्थल पर रैली आयोजित करने के वास्ते 25 अक्टूबर से तीन नवंबर तक की अवधि तक के लिए एनओसी जारी कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि प्रस्तावित रैली के दौरान कानून-व्यवस्था के उचित इंतजाम, यातायात का प्रभावी प्रबंधन और कार्यक्रम का सुचारु संचालन सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली पुलिस आयोजकों, यातायात पुलिस और अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ लगातार समन्वय कर रही है।

विजेन्द्र गुप्ता ने तीन नागरिक सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं का किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज, नई दिल्ली। लोगों के दैनिक जीवन में सुधार लाने वाला ही असली विकास होता है। यह बात शनिवार को दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने अपनी विधानसभा रोहिणी तीन विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं दो मनोरंजन केंद्रों का शिलान्यास करने के अवसर पर कही। विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को रोहिणी सेक्टर-13 स्थित शांति अपार्टमेंट्स और सूर्या अपार्टमेंट्स में नवनिर्मित दो मनोरंजन केंद्रों तथा इसी सेक्टर के वीर अपार्टमेंट्स में नवनिर्मित बैरियर एवं प्रवेश द्वार का उद्घाटन किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने सेक्टर-13 के सुंदर अपार्टमेंट्स और सेक्टर-9 के लोकनायक अपार्टमेंट्स में दो मनोरंजन केंद्रों की आधारशिला रखी। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि ये परियोजनाएं विधानसभा क्षेत्र में सामुदायिक आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और आवासीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने के प्रयासों का हिस्सा हैं।

खबर संक्षेप

महिला ड्रग तस्कर को किया गया गिरफ्तार

नई दिल्ली। शाहदरा जिले की एएनटीएफ टीम ने एक महिला ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है। इसके पास से 200.40 ग्राम हेरोइन, एक स्कूटी और मोबाइल फोन बरामद किया गया। बरामद हेरोइन की कीमत 50 लाख रुपये आंकी गई है। आरोपी महिला पहले भी आबकारी अधिनियम के तीन मामलों में शामिल रही है। 16 अक्टूबर को एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स को एक पुख्ता सूचना मिली कि एक महिला ड्रग तस्कर, हेरोइन की डिलीवरी देने के लिए दिलशाद गार्डन स्थित ए-पॉकेट के पास दोपहर 2:30 बजे से शाम 4:30 बजे के बीच आने वाली है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए इलाके में छापेमारी की और 39 वर्षीय महिला को पकड़ लिया।

हाईटेंशन तारों की चपेट में आई महिला

नई दिल्ली। रणहौला के विकास विहार में शनिवार सुबह छत पर सफाई कर रही 23 वर्षीय उर्मिला हाईटेंशन तार की चपेट में आ गई। महिला को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हालत गंभीर बताई गई है। मिली जानकारी के अनुसार इस दौरान हुये विस्फोट के बाद आसपास के एक दर्जन से अधिक मकानों में शॉर्ट सर्किट हुआ और बिजली के उपकरणों से चिंगारियां निकलने लगीं। घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है। दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों के अनुसार, बीएसईएस ने पहले ही तारों से दूरी बनाए रखने का चेतावनी नोटिस लगाया था। आसपास के लोगों का यह भी कहना है कि तार छतों के नजदीक होने से हमेशा खतरा बना रहता है।

आनंद पर्वत : डीटीसी बस ने स्कूटर को मारी टक्कर, एक की मौत, पांच घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



आनंद पर्वत इलाके में शनिवार को दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की एक बस ने स्कूटर को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच अन्य लोग घायल हो गए।

सभी घायलों को उपचार के लिये पास के अस्पताल में भर्ती करवाया गया। आरोपी बस चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार यह हादसा डीबीजी रोड इलाके में हुआ। पुलिस ने बताया कि हादसे में गंभीर रूप से घायल स्कूटर सवार दो लोगों को अस्पताल ले जाया गया था, जहां चिकित्सकों ने उनमें से एक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक, स्कूटर को टक्कर मारने के बाद बस अनियंत्रित हो गई, जिससे कम से कम पांच अन्य लोग घायल हो गए। वहीं, मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। हादसे के बाद घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोग जुट गये। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। बस चालक की भूमिका और हादसे से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जाएगी।

मध्य दिल्ली के दो स्पा सेंटरों पर छापेमारी 19 महिलाएं छुड़ाई गईं, 10 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के दो स्पा केंद्रों पर छापेमारी की गई। इस दौरान 19 महिलाओं को बचाया गया तथा 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया। ये स्पा सेंटर गलत कार्यों में शामिल थे और इनके खिलाफ कई शिकायतें मिल चुकी थी। पुलिस के अनुसार यह छापेमारी डीबीजी मार्ग पर स्थित स्पा केंद्रों पर नबी करीम और पहाड़गंज थाना पुलिस की टीमों द्वारा की गई। पहली कार्रवाई के तहत, कथित देह व्यापार गिरोह की सूचना की पुष्टि के लिए एक फर्जी ग्राहक भेजा गया था। इसके बाद मारे गए छापे में पुलिस ने 14 महिलाओं को सुरक्षित छुड़ाया और स्पा मालिक, प्रबंधक तथा सात अन्य लोगों सहित कुल नौ लोगों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई 16 अक्टूबर को मिली एक गोपनीय सूचना के आधार पर की गई और इस संबंध में नबी करीम थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई। दूसरी कार्रवाई में पहाड़गंज थाना पुलिस ने शनिवार को एक अन्य स्पा पर छापा मारकर पांच महिलाओं को मुक्त कराया और इसके कथित संचालक शकील अहमद (46) को गिरफ्तार किया।

सीएम ने किया निगम के नए स्वच्छता संसाधनों का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



दिल्ली नगर निगम द्वारा सफाई व्यवस्था को और अधिक चाक चौबंद करने की दिशा में बढ़ाए गए नए कदम के तहत नए संसाधनों का मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने महापौर प्रवेश वाही संग उद्घाटन किया। सरिता विहार में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंची सीएम रेखा गुप्ता ने इस अवसर पर नए संसाधनों का किया उद्घाटन करते हुए कहा कि इन पहल का लक्ष्य राजधानी में कचरा संग्रहण प्रणाली को आधुनिक और अधिक प्रभावी बनाना है।

सीएम ने कहा कि निगम के इन नए संसाधनों के जुड़ने से दिल्ली में कचरा प्रबंधन की प्रक्रिया में केवल तेजी ही नहीं आएगी बल्कि राजधानी को साफ सुथरा रखने से लेकर नए रंग रूप में सजाने संवारने में सहयोग मिलेगा। सीएम ने कहा कि यह कदम दिल्ली को एक स्वच्छ, सुंदर और विश्वस्तरीय शहर बनाने की दिशा में प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस मौके पर सीएम ने कहा कि वेस्ट मैनेजमेंट हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और दिल्ली सरकार 15-30 वर्षों की दीर्घकालिक योजना पर काम कर रही है। वहीं महापौर ने कहा कि स्वच्छ, सुंदर और विकसित दिल्ली के लिए निगम संकल्पबद्ध, नागरिक सहभागिता से ही कचरा-मुक्त शहर बनेगा।

सीएम रेखा गुप्ता व महापौर रेखा गुप्ता ने सरिता विहार में के एम ब्लॉक में फिक्स्ड कम्पेक्टर ट्रांसफर स्टेशन (एफसीटीएस) प्लांट का उद्घाटन किया। जबकि सार्वजनिक स्थानों और सड़कों की सफाई के लिए 1,000 मैकेनिकल लिटर पिकर्स की तैनाती, तथा प्रथम चरण में 50 मशीनों को हरी झंडी दिखाई।

बेची हुई कार को दोस्त के साथ मिलकर चुराया, अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



■ जीपीएस व पुरानी चाबी की मदद से की गई थी चोरी
■ पुलिस ने दहिया के घर से 39,500 और रोहिल्ला के पास से 50 हजार रुपये किए बरामद

शाहदरा एएटीएस ने दो लोगों को कार चुराने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इनमें एक व्यक्ति कार का पूर्व मालिक है। उसने अपनी सेडान कार बेचने के कुछ ही घंटों बाद उसे जीपीएस और पुरानी चाबी की मदद से वापस चुरा लिया था। पकड़े गये आरोपियों के नाम योगेश दहिया और साहिल रोहिल्ला बताये गये हैं।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता द्वारा आठ अक्टूबर को दिलशाद गार्डन इलाके में कार खड़ी किए जाने के महज चार मिनट के भीतर ही चोरी होने की शिकायत दर्ज करवाई थी। गाड़ी के अंदर दो लाख रुपये भी रखे थे। केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और 'फास्टैग' के विवरण का विश्लेषण किया। इसके जरिए वाहन के वर्तमान में हरियाणा के सोनीपत में मौजूद होने का संकेत मिला, जहां कार के पंजीकृत मालिक योगेश दहिया की पहचान संदिग्ध के रूप में हुई। दहिया ने जीपीएस की मदद से कार की वर्तमान लोकेशन का पता लगाया और फिर अपने दोस्त रोहिल्ला के साथ मिलकर अपने पास रखी पुरानी चाबी का इस्तेमाल कर कार चुरा ली। बाद में पकड़े जाने से बचने के लिए वाहन को रोहिल्ला के पास छिपाकर रखा गया था। पुलिस ने दहिया के घर से 39,500 रुपये और रोहिल्ला के पास से 50 हजार रुपये बरामद किए हैं। पूछताछ के दौरान रोहिल्ला ने बताया कि उसने चोरी की रकम में से 25 हजार खर्च कर दिए थे।

साइबर धोखाधड़ी केस में एक आरोपी केरल से गिरफ्तार

नई दिल्ली। मायापुरी पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी के एक मामले में केरल के कोझिकोड से आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के बैंक खाते में 98 हजार की राशि का पता चला। यह बैंक खाता छह साइबर अपराध शिकायतों से जुड़ा पाया गया, जिसमें वर्तमान मामला भी शामिल है। डीसीपी हरेश्वर वी. स्वामी के अनुसार मामला एक महिला की शिकायत पर दर्ज किया गया था, जिसने अपने संयुक्त केनरा बैंक खाते से बिना अनुमति के पैसे निकाले जाने की शिकायत दी थी। महिला के खाते से 98,001 और 98,002 रुपये के दो ट्रांजेक्शन किये गये थे। मायापुरी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर मोहिंदर लाल और सब डिवीजन के एसीपी इंद्रराज सिंह मीणा की देखरेख में मामले की जांच शुरू की गई। इस टीम में एसआई रॉबिन खटाना, कांस्टेबल पुनीत और अनिल भी शामिल थे। बैंक रिकॉर्ड की जांच में पता चला कि 98,001 रुपये केरल के कोझिकोड निवासी राजू के नाम पर मौजूद सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के खाते में ट्रांसफर किये गये थे। यह खाता एनसीआरपी पर छह साइबर अपराध शिकायतों से भी जुड़ा पाया गया, जिसमें वर्तमान मामला भी शामिल है।

सार्वजनिक सूचना

सीमित दायित्व भागीदारी अधिनियम, 2008 की धारा 13 तथा सीमित दायित्व भागीदारी नियम, 2009 के नियम 17(4)के अंतर्गत

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि SHEET FABS (INDIA) LLP, जिसका पंजीकृत कार्यालय 245A, प्रथम तल, संत नगर मेन रोड, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली, दिल्ली–110065 पर स्थित है, अपने पंजीकृत कार्यालय को राज्य दिल्ली (रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज, दिल्ली के अधिकार क्षेत्र) से राज्य हरियाणा (रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज, हरियाणा के अधिकार क्षेत्र) में स्थानांतरित करने का प्रस्ताव रखती है।

उक्त परिवर्तन भागीदारों की दिनांक 12.10.2026 को आयोजित बैठक में पारित सहमति के अनुसार प्रस्तावित है।

इस LLP के पंजीकृत कार्यालय के प्रस्तावित स्थानांतरण से किसी भी व्यक्ति के हित प्रभावित होने की संभावना हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 21 दिनों के भीतर रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज, दिल्ली, RD Delhi, Northern Region Directorate के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। आपत्ति की एक प्रति आवेदक LLP को उसके उपर्युक्त वर्तमान पंजीकृत कार्यालय के पते पर भी भेजी जाए।

SHEET FABS (INDIA) LLP
की ओर से
मनीष सचदेवा
नामित भागीदार
(DPIN: 01374564)

Date: 18.10.2026
Place: पलवल

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **उमेश उर्फ लोकेश पुत्र** राजेंद्र **निवासी:** बी–110, गली नं0–04, कृष्णा कुंज, उत्तरी घोंडा, दिल्ली, **यहां भी:** मकान नं0–401, गली नं0–03, सुभाष मोहल्ला दिल्ली, ने **FIR No. 507/2011, U/S 380/411/34 IPC, पुलिस स्टेशन भजनपुरा, उत्तर पूर्व ज़िला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **उमेश उर्फ लोकेश** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **उमेश उर्फ लोकेश** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 507/2011, U/S 380/411/34 IPC, पुलिस स्टेशन भजनपुरा, उत्तर पूर्व ज़िला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **उमेश उर्फ लोकेश** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **17.11.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री किरणदीप कौर
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–01,
(उत्तर–पूर्व), कोर्ट नं0–5, द्वितीय तल,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/14950/NE/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS (भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता) देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **दिलशाद पुत्र जमील अहमद** निवासी मकान नंबर 1808, लाल कुआं, अजमेरी गेट, दिल्ली ने **E-FIR No.810/2022 U/s 33 D.Ex.Act.,** के अंतर्गत थाना: **ओखला इंडस्ट्रियल एरिया,** दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **दिलशाद** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **दिलशाद** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **E-FIR No.810/2022 U/s 33 D.Ex.Act.,** थाना: **ओखला इंडस्ट्रियल एरिया,** दिल्ली के उक्त अभियुक्त **दिलशाद** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **18.11.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
आकांशा गौतम, Ld. JMFC-02,
कमरा नंबर 513, साकेत कोर्ट, दिल्ली

DP/14935/SE/2026

'गवर्नमेंट ऑन व्हील्स' दौरे में प्रवेश ने दिए सुधार के आदेश

'रोहतक रोड की होगी री-कार्पेटिंग, फ्लाईओवर के नीचे लगेंगी नई लाइटें'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की जनता को गड्ढों से मुक्त सड़कें, ओवरफ्लो न होने वाला नाला और सुरक्षित चलने लायक फुटपाथ चाहिए। छह विभागों ने एक ही समय पर एक ही समस्या देखी, इसलिए समाधान भी वहीं सड़क पर तय हो गया। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शनिवार को मध्य और पश्चिमी दिल्ली में 'गवर्नमेंट ऑन व्हील्स' निरीक्षण के दौरान संबंधित विभाग अधिकारियों को यह निर्देश दिए। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने अपने अधिकारियों से कहा है कि वे इन्हीं जगहों पर दोबारा आकर मुझे पूरा हुआ काम दिखाएं। हमारे लिए जवाबदेही सिर्फ एक शब्द नहीं, बल्कि एक समय-सीमा है। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शनिवार को कहा पिछले वर्ष शुरू की गई 'गवर्नमेंट ऑन व्हील्स' पहल के तहत कई विभागों के अधिकारी एक साथ मौके पर संयुक्त निरीक्षण करते हैं। इसके पिछले चरणों में पूर्वी दिल्ली, बाहरी व ग्रामीण दिल्ली तथा दक्षिणी दिल्ली को शामिल किया गया था। शनिवार को दिए गए निर्देशों की अनुवर्ती समीक्षा एक महीने के भीतर की जाएगी, और ये दौरे पूरे शहर में जारी रहेंगे। निरीक्षण के दौरान रोहतक रोड की री-कार्पेटिंग, रानी झांसी फ्लाईओवर के नीचे लाइटिंग और सफाई व्यवस्था में सुधार, तथा जखीरा में नालों की डीसिल्टिंग के आदेश दिए। मंत्री ने बताया कि पीडब्ल्यूडी, दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी), सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग (आईएंडएफसी), डीएमआरसी, एमसीडी, बीएसईएस विभाग एक ही बस में मंत्री के साथ रहे और हर स्थान पर रुककर समस्याओं का आकलन किया तथा मौके पर ही जिम्मेदारी तय की। दौरे की शुरुआत पंचकुइयां रोड से हुई और इसमें रानी झांसी रोड, ईदगाह रोड, रानी झांसी फ्लाईओवर व उसके नीचे का क्षेत्र, रोहतक रोड, न्यू रोहतक रोड, जखीरा, करमपुरा फ्लाईओवर, पटेल रोड और शादीपुर शामिल रहे, तथा समापन शंकर रोड पर हुआ।



मंत्री ने अधिकारियों को दिए ये प्रमुख निर्देश

निरीक्षण में रोहतक रोड को लेकर 'डीटीएल और बीएसईएस द्वारा यूटिलिटी कार्यों के लिए की गई खुदाई के कारण सड़क की हालत खराब है। डीजेबी, बीएसईएस और डीटीएल के लंबित कार्य पूरे होने के बाद सड़क की पूरी री-कार्पेटिंग की जाएगी। सभी एजेंसियों को आपसी समन्वय से काम करने को कहा गया ताकि बार-बार खुदाई न हो।, रानी झांसी रोड और ईदगाह रोड मामले में कहा कि पीडब्ल्यूडी 15 दिनों के भीतर सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों और टूटे फुटपाथों की मरम्मत करेगा। रानी झांसी फ्लाईओवर के नीचे मामले में कहा कि पीडब्ल्यूडी और एमसीडी एक सप्ताह के भीतर नई लाइटें लगाएंगे, सफाई अभियान चलाएंगे और अतिक्रमण हटाएंगे।

दिल्लीवासियों के स्वास्थ्य से कोई खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा : रेखा गुप्ता

देसी घी के 19 नमूने मिले असुरक्षित, दिल्ली में चल रही बड़ी छापेमारी

मुख्यमंत्री के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा की व्यापक जांच

गोदामों में गंदगी और घी के नमूनों में मिली खामियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से समझौता करना या मिलावट के जरिए लोगों की सेहत को खतरे में डालना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। दिल्लीवासियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा से कोई खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को खाद्य सुरक्षा विभाग को निर्देश देने के बाद मीडिया से यह जानकारी साझा की।

उन्होंने बताया कि बाजारों, खाद्य भंडारण केंद्रों और ऑनलाइन माध्यम से खाद्य पदार्थों की आपूर्ति करने वाले प्रतिष्ठानों पर निगरानी सख्त की जाए। जहां भी खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन मिले, वहां नियमानुसार कार्रवाई की जाए। सरकार का उद्देश्य केवल खामियां पकड़ना नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करना है, जिसमें दिल्ली के प्रत्येक परिवार तक सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ पहुंचें। जनस्वास्थ्य की रक्षा और खाद्य कारोबार में जवाबदेही सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि दिल्लीवासियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा और खाद्य पदार्थों में मिलावट पर अंकुश लगाने के लिए दिल्ली सरकार ने सख्ती बढ़ा दी है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग व्यापक प्रवर्तन अभियान चला रहा है। इसके तहत ई-कॉमर्स और क्विक-कॉमर्स कंपनियों के गोदामों तथा डार्क स्टोर्स का निरीक्षण किया जा रहा है। साथ ही बाजारों में बिक रहे देसी घी के विभिन्न ब्रैंड्स के नमूनों की जांच भी की गई है। निरीक्षण के दौरान कई परिसरों में एक्सपायरी खाद्य उत्पाद, कीटों की मौजूदगी, अस्वच्छ भंडारण और तापमान बनाए रखने में कमियां सामने आईं। वहीं, देसी घी के 59 नमूनों की जांच में 19 नमूने असुरक्षित और चार नमूने खाद्य सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं पाए गए। मिली कमियों के आधार नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

कमियां दूर करने के लिए सुधार संबंधी नोटिस जारी

खाद्य सुरक्षा विभाग के अनुसार निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों के नमूने भी एकत्र किए गए और संबंधित प्रतिष्ठानों को कमियां दूर करने के लिए सुधार संबंधी नोटिस जारी किए गए हैं। निरीक्षण में घेवरा स्थित जोमैटो हाइपरप्योर के परिसर में एक्सपायरी अवधि पार कर चुके कोक डाइट और नेस्ले शिकंजी के उत्पाद मिले। वहां अस्वच्छ परिस्थितियां भी दर्ज की गईं। झील खुरेजा स्थित जेप्टो लिमिटेड के परिसर में कोल्ड स्टोरेज का तापमान निर्धारित स्तर पर बनाए रखने में कमी पाई गई। वहां कॉकरोच और मकड़ी के जाले मिले। रैक गंदे और जंग लगे थे, खाद्य उत्पाद खराब हो चुके उत्पादों के ऊपर रखे गए थे, दीवारों की सतह उखड़ रही थी और कुछ खाद्य पदार्थ सीधे फर्श पर रखे मिले। ब्लिंक कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड के आसफ अली रोड और दरियागंज स्थित परिसरों में गंदे क्रेट और खाद्य भंडारण क्षेत्रों में धूल जमा मिली। चूहों को पकड़ने के लिए लगाए गए ट्रैप उचित स्थानों पर नहीं थे और उनकी संख्या भी पर्याप्त नहीं थी।

डार्क स्टोर्स में एक्सपायरी उत्पाद, कीट और स्वच्छता संबंधी कमियां

खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने दिल्ली के विभिन्न इलाकों में क्विक-कॉमर्स और रिटेल कंपनियों के खाद्य भंडारण केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान एक्सपायरी उत्पादों के अलावा कीटों की मौजूदगी, अस्वच्छ भंडारण, कोल्ड स्टोरेज का निर्धारित तापमान बनाए रखने में कमी, क्षतिग्रस्त पैकेट और लेबलिंग संबंधी खामियां दर्ज की गईं। उत्तम नगर स्थित स्विगी इंस्टामार्ट के परिसर में एक्सपायरी अवधि पार कर चुके फ्रोजन हरी मटर, ग्रीक योगर्ट, एगलेस चॉकलेट-चिप ब्राउनी और गाय के घी के उत्पाद मिले। यहां अंकुरित अनाज, फल और सब्जियों के कुछ पैकेटों पर एक्सपायरी तिथि भी अंकित नहीं थी। वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित रिलायंस रिटेल लिमिटेड के परिसर में मक्खियां, मच्छर और छिपकली देखी गईं। वहां मकड़ी के जाले भी मौजूद थे। इसके अलावा, सफाई का शेड्यूल और सफाई संबंधी चेकलिस्ट उपलब्ध नहीं थी।

निगम ने प्रदूषण फैलाने वाली आठ फैक्ट्रियों पर डाली दबिश

मौके पर बिजली काट लगाई सील

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम ने दावा किया है कि प्रदूषण फैलाने वाली 8 फैक्ट्रियों पर दबिश देते हुए मौके पर ही उनका बिजली कनेक्शन काटी और सील लगा दी। जबकि निगमायुक्त संजीव खिरवार ने सभी जोनों के उपायुक्तों को नॉन-कन्फॉर्मिंग एरिया में प्रदूषणकारी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने और जवाबदेही सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। निगम के अनुसार यह कार्रवाई शाहदरा उत्तरी जोन अंतर्गत सादतपुर और करावल नगर में बीएसईएस और दिल्ली पुलिस के संयुक्त अभियान के दौरान की गई। इनमें 5 जींस डाइंग और 3 प्लास्टिक दाना निर्माण करने वाली इकाइयों के विरुद्ध कार्रवाई की है।

प्रदूषण को निगमायुक्त संजीव खिरवार ने साफ कहा कि दिल्ली में प्रदूषणकारी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाना निगम की प्राथमिकता में शामिल है। आयुक्त खिरवार ने सभी जोन के उपायुक्तों को निर्देश दिए हैं कि अपने-अपने क्षेत्रों, विशेषकर नॉन-कन्फॉर्मिंग एरिया में, प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों की पहचान कर उन्हें रोके। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि सभी संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि नियमों का उल्लंघन करने वाली इकाइयों के विरुद्ध समयबद्ध एवं नियमानुसार सख्त कार्रवाई हो। आयुक्त ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। हमारा लक्ष्य प्रदूषणकारी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना और दिल्लीवासियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना है।

निगम द्वारा प्रदूषणकारी औद्योगिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए संबंधित विभागों और एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर निरीक्षण एवं प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है। विशेष रूप से नॉन-कन्फॉर्मिंग एरिया में संचालित ऐसी इकाइयों पर निगरानी रखने पर जोर दिया जा रहा है, उनकी गतिविधियां पर्यावरणीय नियमों का उल्लंघन करती हैं। निगम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के लिए निर्धारित मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करना तथा प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाना है। निगम द्वारा स्पष्ट किया गया है कि नियमों का उल्लंघन करने वाली इकाइयों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

नुक्कड़ नाटक से कचरे को अलग-अलग करने के लिए लोगों को जागरूक कर रही एनडीएमसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को कचरे को चार श्रेणियों में अलग करने के लिए जागरूक कर रही है।

एनडीएमसी से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को एनडीएमसी ने मैसर्स मेट्रो वेस्ट हैंडलिंग प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से बापू धाम बापू धाम रेजिडेंशियल कॉलोनी (सर्कल 11) में कचरे को चार श्रेणियों में अलग करने के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। इस नाटक के जरिए, निवासियों को गीले, सूखे, सैनिटरी और विशेष देखभाल वाले कचरे को उनके स्रोत पर ही अलग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। एनडीएमसी का मानना है इससे अधिक मात्रा में जैविक खाद को बनाने में मदद मिलेगी। वहीं एनडीएमसी ने चाणक्यपुरी के 'चाणक्य रेल एन्क्लेव' में तैनात कचरा उठाने वाले कर्मियों के लिए एक कार्यशाला आयोजित की। इसमें कचरे को स्रोत पर ही अलग करने और जिम्मेदारी से कचरा प्रबंधन करने के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक नुक्कड़ नाटक भी पेश किया गया। इस पहल में एक हस्ताक्षर अभियान और जैविक खाद वितरण कार्यक्रम भी शामिल था।

एसआईआर की प्रथम सूची के बाद जमा हुए फॉर्म-6 की संख्या पहुंची दो लाख 32 हजार पार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में चल रही एसआईआर प्रक्रिया के तहत जारी हुई पहली सूची के बाद दावे व आपत्तियां दर्ज करने के दौरान अब तक फॉर्म-6 जमा करने वालों की संख्या 2 लाख 32 हजार के पार पहुंच चुकी है। जबकि इसके पहला ड्राफ्ट प्रकाशित होने से पहले 2 लाख 12 हजार 400 फॉर्म-6 भी प्राप्त हुए थे। इन फॉर्मों पर ईसीआई द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई की जा रही है। इस बारे में कार्यालय अनुसार सीईओ अशोक कुमार (आईएएस) और ईसीआई की देखरेख में 13 जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ), 70 ईआरओ, 902 एईआरओ और 14 हजार 947 बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) इस एसआईआर प्रक्रिया में लगे हुए हैं।

वहीं दिल्ली में 6 मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दलों द्वारा नियुक्त 33 हजार 226 बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) भी इस एसआईआर प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं। कार्यालय के अनुसार बीएलए हर चरण में ईआरओ के साथ जुड़े हुए हैं और विधानसभा क्षेत्र तथा बूथ स्तर पर होने वाली सभी गतिविधियों की जानकारी उनके साथ साझा की जा रही है। कार्यालय ने बताया कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत वर्तमान में 31 अगस्त 2026 से 30 अक्टूबर 2026 तक दावों और आपत्तियों के लिए निर्धारित है, जिसके तहत कार्य चल रहा है।

एमसीडी के रिफॉर्म उत्सव 2026 में पहुंची सैंकड़ों आरडब्ल्यूए प्रतिनिधि

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा आयोजित रिफॉर्म उत्सव 2026 में शनिवार को दिल्ली की 823 से अधिक जीरो वेस्ट कॉलोनियों व आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधि पहुंचे। इस मौके पर इन प्रतिनिधियों ने जीरो वेस्ट को लेकर अपने अपने अनुभव एवं सर्वोत्तम प्रयास सांझा किए। कार्यक्रम में निगम का पूरा जोर जीरो वेस्ट कॉलोनियों को बढ़ावा देने और जनभागीदारी मजबूत करने पर रहा। जिसके तहत निगम ने लगभग 400 से अधिक संभावित कॉलोनियों व आरडब्ल्यूए को एमसीडी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए आमंत्रित किया है। इस अवसर पर डेम्स समिति के अध्यक्ष संदीप कपूर, निगमायुक्त संजीव खिरवार, अतिरिक्त निगमायुक्त प्रसन्ना रामास्वामी सहित विभिन्न जोनों के उपायुक्त व अन्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य दिल्ली को स्वच्छ बनाने के लिए सतत कचरा प्रबंधन, स्रोत पर कचरे के पृथक्करण और जनभागीदारी को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डेम्स समिति के अध्यक्ष कपूर ने कहा कि एमसीडी ने दिल्ली में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने सभी से मिलकर लैंडफिल में पहुंचने वाले कचरे की मात्रा कम करने और जीरो वेस्ट टू लैंडफिल के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विकेंद्रीकृत कचरा प्रसंस्करण को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। अपने संबोधन में निगमायुक्त संजीव खिरवार ने आरडब्ल्यूए और शून्य कचरा कॉलोनियों को आश्वस्त किया कि एमसीडी उनके कचरा प्रबंधन संबंधी प्रयासों को मजबूत करने के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि निगम सभी वार्डों में स्वच्छता संसाधनों को बढ़ा रहा है, ताकि सफाई और कचरा संग्रहण सेवाओं को और बेहतर बनाया जा सके।

यमुना के दूषित जल को स्वच्छ करने में विफल रही दिल्ली सरकार : यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा आज रविवार को शुरू किए जाना वाला 'चलो यमुना' स्वच्छता अभियान केवल एक नौटंकी और प्रचार स्टंट है क्योंकि भाजपा सरकार ने पिछले डेढ़ वर्षों में दूषित यमुना को साफ करने के लिए कोई ठोस काम नहीं किया। यह बात शनिवार को दिल्ल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (डीपीसीसी) के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कही है।

यादव ने कहा कि सरकार की लापरवाही के चलते यमुना नदी का पानी इतना दूषित हो गया है कि 14 अक्टूबर, 2026 से उत्तरी दिल्ली में बुराड़ी के पास यमुना नदी के किनारे हजारों मृत मछलियां बहकर आ गई, जो यमुना में प्रदूषण के खतरनाक स्तर और पानी में घुलित ऑक्सीजन के स्तर में तेज गिरावट को दर्शाता है। यादव ने कहा कि रेखा गुप्ता सरकार ने 1 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिसमें नजफगढ़ क्षेत्र में 12 नए विकेंद्रीकृत सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (डीएसटीपी) का निर्माण, केशोपुर एसटीपी का उन्नयन, ट्रंक सीवरों का पुनर्वास और वर्षा जल संचयन प्रणालियों का विस्तार शामिल है, जिसपर सरकार ने अभी तक कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने जल आपूर्ति, सीवरेज नेटवर्क में वृद्धि और नदी पुनरुद्धार के प्रयासों में तेजी लाने के लिए एक रोडमैप तैयार किया है, लेकिन ये वादे केवल कागजों में ही सीमित हैं। दिल्ली सरकार जमीनी स्तर पर कुछ करने की बजाय बार-बार यमुना सफाई और एसटीपी पर एक ही परियोजना की घोषणा पिछले 2 वर्षों से बार बार करके जनता को गुमराह कर रही है। यादव ने कहा कि स्वच्छता अभियान को यमुना के 28 घाटों (गीता कॉलोनी और चिल्ला गांव में दशमेश घाट सहित) पर चलाने से यमुना के विषैले स्वरुप या जहरीला पानी की अशुद्धता में कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है क्योंकि मौजूद सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट पूरी तरह काम नहीं कर रहे हैं। 22 प्रमुख नालों का अनुपचारित सीवेज सीधा यमुना में छोड़ा जा रहा है, जिससे जल प्रदूषण गंभीर रुप ले रहा है। उन्होंने कहा कि दो वर्षों में भाजपा सरकार ने दिल्ली की कालोनियों से निकलने वाली नालियों से निकलने वाले सीवेज ट्रीट करने के लिए एसटीपी बनाने का कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। बड़े पैमाने पर अकेले नजफगढ़ नाले में 126 छोटी सहायक नालियों का दूषित जल गिरता है, जो यमुना नदी में डाला जाता है।

सुरक्षा से जुड़े विचारों एवं चिंताओं को गंभीरता से सुना

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एलजी ने छात्राओं से किया संवाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



महिलाओं की सुरक्षा को लेकर छात्राओं की चिंताओं और सुझावों को सुनने के उद्देश्य से दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस कॉलेज की छात्राओं के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं के साथ पैदल चलते हुए उनसे बातचीत की और महिला सुरक्षा से जुड़े उनके विचारों एवं चिंताओं को गंभीरता से सुना।

मिरांडा हाउस कॉलेज प्रशासन ने इस संवाद के लिए उपराज्यपाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के साथ उनका सहज व्यवहार, संवेदनशीलता और उनकी बातों को सुनने में दिखाई गई वास्तविक रुचि इस अनुभव को विशेष और यादगार बनाती है। कॉलेज प्रशासन ने उम्मीद जताई कि इस तरह के संवाद महिला सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों को समझने और उनके प्रभावी समाधान तलाशने में मददगार साबित होंगे। मिरांडा हाउस ने सुरक्षित दिल्ली के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि सभी संबंधित पक्षों को मिलकर ऐसे समाधान विकसित करने चाहिए, जो महिलाओं के लिए सुरक्षित और अनुकूल वातावरण तैयार करने में सहायक हों।

कॉलेज के अनुसार, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के सभी वर्गों की साझा जिम्मेदारी है। छात्राओं के अनुभवों और सुझावों को सुनकर ऐसे व्यावहारिक उपायों की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है, जिनसे महिलाएं और छात्राएं दिल्ली में अधिक सुरक्षित महसूस कर सकें।

दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण
द्वारा आयोजित
दिल्ली यातायात पुलिस
(के सहयोग से)
राष्ट्रीय लोक अदालत
सात कोर्ट परिसरों में दिनांक 25.10.2026
पटियाला हाउस | कड़कड़डूमा | राउज एवेन्यू | साकेत | तीस हजारी | रोहिणी | द्वारका
नोटिस/चालान डाउनलोड करने और प्रिंटआउट लेने के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की वेबसाइट पर लॉग-ऑन करें:-
https://traffic.delhipolice.gov.in/lokadalat
या क्यूआर कोड स्कैन करें
चरणबद्ध मार्गदर्शन हेतु क्यूआर कोड स्कैन करें
चालान डाउनलोड करने हेतु क्यूआर कोड स्कैन करें
यह लिंक दिनांक 19.10.2026 को सुबह 10:00 बजे सक्रिय होगा और प्रतिदिन अधिकतम 50,000 चालान/नोटिस डाउनलोड किए जा सकेंगे, और यह प्रक्रिया कुल 2,00,000 चालान/नोटिस की निर्धारित सीमा पूरी होने तक जारी रहेगी।
DP/9925/2026
अधिक जानकारी के लिए हमें फॉलो करें:- : 8750871493 @dtptraffic @dtptraffic @dtptraffic
पुलिस आयुक्त, दिल्ली की ई-मेल: cpdelhi@delhipolice.gov.in | पुलिस आयुक्त, दिल्ली को लिखें: पोस्ट बॉक्स नं. 171, जीपीओ, नई दिल्ली
पुलिस की तत्काल मदद लेने हेतु कॉल करें 112
24X7 ट्रैफिक हेल्पलाइन: 011-25844444/1095
एक यातायात प्रहरी बनें
ऐप डाउनलोड करें Google Play App Store

खबर संक्षेप

वाहन चोर गैंग पर पुलिस की कार्रवाई

फरीदाबाद। अपराध शाखा एवीटीएस-2 भूपानी की टीम ने वाहन चोरी के मामलों में बड़ी कार्रवाई करते हुए अक्टूबर 2026 में वाहन चोरी करने वाले गिरोह के दो सदस्य संजीत व मनीष को गिरफ्तार कर उनसे 4 चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद की गई हैं। इसके अलावा चार अन्य आरोपियों से 11 मोटरसाइकिलए एक स्कूटी व एक स्कॉर्पियो सहित कुल 17 चोरीशुदा वाहन बरामद किए गए हैं। अपराध शाखा एवीटीएस-2 की टीम ने वाहन चोरी करने वाले गिरोह के सदस्य संजीत व मनीष को गिरफ्तार कर उनसे 4 चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद की हैं। जांच के अनुसार आरोपी संजीत मोटरसाइकिल चोरी करने के साथ.साथ चोरीशुदा मोटरसाइकिल खरीदने में भी संलिप्त है।

अवैध देसी कट्टा के साथ आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा एनआईटी की टीम ने 16 अक्टूबर को एक आरोपी को अवैध देसी कट्टा सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान धीरेंद्र उर्फ भीम निवासी गांव अलीपुर फरीदाबाद के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक देसी कट्टा बरामद किया है।पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 16 अक्टूबर को अपराध शाखा एनआईटी की टीम को गुप्त सूत्रों से सूचना मिली थी कि गांव अलीपुर फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति के पास अवैध हथियार है। सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने धीरेंद्र उर्फ भीम को गांव लैहडोला के पास से काबू कर लिया।

पार्ट टाइम जॉब का झांसा देकर ठगने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। टेलीग्राम पर पार्ट टाइम जॉब का झांसा देकर प्रीपेड टास्क के नाम पर 17 लाख 99 हजार रुपये की साइबर ठगी के मामले में फरीदाबाद पुलिस की साइबर थाना बल्लभगढ़ टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ओमप्रकाश उर्फ मुरली और जगमीत सिंह, निवासी गांव धारंगवाला, जिला फाजिल्का, पंजाब के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि बल्लभगढ़ फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत में बताया कि 9 जनवरी को उसके टेलीग्राम पर एक अनजान आईडी से पार्ट टाइम जॉब के संबंध में मैसेज आया।

सरपंच ने अश्लील वीडियो बना युवती से किया दुराचार

पलवल। जिले के एक गांव के सरपंच पर युवती को ब्लैकमेल कर नकदी और सोने के गहने हड़पने और बार-बार दुराचार करने का आरोप लगा है। सदर थाना पुलिस ने युवती की शिकायत पर आरोपी सरपंच के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। युवती ने पुलिस को बताया कि पड़ोसी गांव का सरपंच उसके पिता का दोस्त था। इस वजह से उसका उनके घर आना-जाना लगा रहता था। एक दिन जब पीड़िता बाथरूम में नहा रही थी, तब सरपंच ने उसकी वीडियो बना ली। कुछ दिनों बाद सरपंच ने युवती को वह वीडियो दिखाकर वायरल करने की धमकी दी। उसने युवती से एक लाख रुपये और 8-10 तोले सोने के गहने ले लिए।

भारतीय मानक ब्यूरो कार्यालय में विश्व मानक दिवस का आयोजन

भारतीय मानकों को व्यापक रूप से अपनाने का सामूहिक संकल्प

गुणवत्ता, सुरक्षा और नवाचार को बढ़ावा देने में भारतीय मानकों की अहम भूमिका: कृष्ण पाल गुर्जर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद



फरीदाबाद। भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा आयोजित विश्व मानक दिवस कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलित करते केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर।

भारतीय मानक ब्यूरो फरीदाबाद शाखा कार्यालय द्वारा विश्व मानक दिवस 2026 का आयोजन रेडिसन ब्लू फरीदाबाद में उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय मानकों के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा गुणवत्ता, सुरक्षा, नवाचार और सतत बिकास को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में भारत सरकार में केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। साथ ही सीमा सुरक्षा बल डीआईजी ओम प्रकाश और सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. रामजप्स विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो के निदेशक एवं प्रमुख एम.के. परमानिक की गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यक्रम में उद्योग जगत, प्रयोगशालाओं, शैक्षणिक संस्थानों, बीआईएस लाइसेंसधारी निर्माताओं, जिला उद्योग केंद्रों तथा अन्य संबंधित क्षेत्रों के कुल 276 प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर मानकीकरण की भूमिका, उत्पादों एवं सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, उपभोक्ता हितों की रक्षा करने तथा औद्योगिक विकास को नई दिशा देने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

गुणवत्ता और सतत विकास का संकल्प

कार्यक्रम का समापन गुणवत्ता, नवाचार, स्वच्छ ऊर्जा एवं सतत विकास को बढ़ावा देने तथा भारतीय मानकों को व्यापक रूप से अपनाने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। यह आयोजन उद्योग, उपभोक्ताओं और समाज के हित में मानकीकरण के महत्व को रेखांकित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

आंगनवाड़ी वर्कर यूनियन की बैठक आयोजित

फरीदाबाद। आंगनवाड़ी वर्कर और हैल्पर यूनियन (सीटू) जिला कमेटी फरीदाबाद की मीटिंग आज सेक्टर-12 में संपन्न हुई। इसकी अध्यक्षता जिला प्रधान मालवती ने की। जबकि संचालन जिला सचिव देवेंद्री शर्मा ने किया। इस अवसर पर सीटू के जिला प्रधान निरंतर पाराशर, डिस्टिक सेक्रेट्री वीरेंद्र सिंह डंगवाल, आंगनवाड़ी वर्कर और हेल्पर यूनियन के जिला कोषाध्यक्ष नवल सिंह तथा पूर्व कर्मचारी नेता धर्मवीर वैष्णव विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में आगामी 1-3 दिसम्बर तक दिल्ली के रामलीला मैदान में होने तीन दिवसीय महापड़ाव को सफल बनाने के लिए रणनीति तैयार की गई। इसके लिए 22 अक्टूबर को तिगांव के प्राइमरी स्कूल में आंगनवाड़ी वर्कर एवं हेल्पर, आशा वर्कर, ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की संयुक्त बैठक बुलाई गई है। जिसमें दिल्ली कूच के लिए तालमेल कमेटी का गठन किया जाएगा। इसके अलावा 22 अक्टूबर को लोक निर्माण विभाग के रेस्ट हाउस बल्लभगढ़ में अर्बन ओर



देहात में कार्यरत आंगनवाड़ी वर्कर और हेल्पर यूनियन की संयुक्त बैठक होगी। इसके बाद 31 अक्टूबर को फरीदाबाद, शहरी और ग्रामीण दोनों की बैठक सेक्टर 12 में होगी। बैठक में 14 नवंबर को जिला कमेटी की मीटिंग करने का निर्णय भी लिया गया। आज की बैठक में आंगनवाड़ी वर्कर और हेल्पर यूनियन की मेंबरशिप का काम दिसंबर में शुरू करने का भी फैसला हुआ। मीटिंग में आंगनवाड़ी वर्कर और हेल्परों ने अपनी समस्याओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अभी तक 2022 में हुई हड़ताल के दौरान नौकरी से बर्खास्त हुई आंगनवाड़ी वर्कर और हेल्पर्स को वेतन नहीं मिला है।

फिलिप्स का त्योहारी ऑफर, खरीदारी पर सोना और हीरा जीतने का मौका

गुरुग्राम। त्योहारी सीजन में ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए फिलिप्स होम अप्लायंसेज ने 'सोने पे डबल सुहागा' कैंपेन शुरू किया है। 11 अक्टूबर से 11 नवंबर 2026 तक चलने वाले इस अभियान के तहत चुनिंदा उत्पादों की खरीद पर ग्राहकों को तय उपहार दिए जाएंगे। इसके अलावा हर घंटे 9,999 रुपये का सोना और हर दिन 50 हजार रुपये का हीरा जीतने का अवसर भी मिलेगा।

टाउन वेंडिंग कमेटी ने पथ विक्रेताओं के हित में निर्णय लिया



गाजियाबाद। नगर निगम मुख्यालय में टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक में शहर के पथ विक्रेताओं के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में शहर को जाम मुक्त बनाने के साथ-साथ नगर निगम द्वारा बनाए जा रहे किओस्क को उपलब्ध कराने के लिए भी चर्चा हुई। पथ विक्रेताओं के सत्यापन के लिए कमेटी भी बनाई गई। नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक ने बताया कि प्रथम चरण में कौशांबी स्थित वेंडरों के सत्यापन के लिए कमेटी बनाई गई, 2 दिन में सत्यापन पूर्ण करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया। अन्य जोन में भी इसी क्रम में पथ विक्रेताओं को सुविधा देने के लिए योजना बनाते हुए कार्यवाही बढ़ाने के लिए निर्देश दिए गए। नगर आयुक्त ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा समय-समय पर पथ विक्रेताओं के लिए बैठक की जाती है इसी क्रम में टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक का आयोजन हुआ जिसमें सभी संबंधित सदस्य उपस्थित रहे जिसमें यातायात पुलिस विभाग, पार्षद गण, जोनल प्रभारी व अन्य सदस्य के रूप में उपस्थित रहे सभी ने पथ विक्रेताओं से जुड़ी हुई समस्याओं पर चर्चा की साथ ही शहर में बनाए जा रहे वेंडिंग जोन पर भी चर्चा हुई कौशांबी में वेंडिंग जोन बनाने का कार्य पूर्ण हो रहा है लगभग 100 से अधिक कियोस्क बनाने का कार्य चल रहा हैं जिनको उपलब्ध कराने की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है ।

रेलवे ट्रैक के पास मिला सड़ा हुआ शव जेब में थी बाइक और घर की चाबियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

बसई धनकोट रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक के नजदीक संदिग्ध परिस्थितियों में एक अज्ञात व्यक्ति की लाश बरामद हुई। शव की हालत बेहद खराब थी और वह पूरी तरह सड़-गल चुका था। मृतक की उम्र करीब 45 साल है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को प्राथमिक दृष्टि में लाश करीब आठ से दस दिन पुरानी प्रतीत हो रही थी। इतने दिनों तक खुले में पड़े रहने के कारण शव लगभग पूरी तरह से डिकंपोज हो चुका था। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह हत्या का मामला है, आत्महत्या है या फिर किसी हादसे में उसकी मौत हुई है। पुलिस को तलाशी के दौरान मृतक की जेब से एक बाइक और फ्लैट की दो चाबियां मिली हैं। इसके अलावा, घटनास्थल के पास से स्टील का एक छोटा गिलास भी बरामद हुई है। पुलिस इन चाबियों के आधार पर लावारिस बाइकों की जांच कर रही है।

टेप लपेटकर महिला की हत्या में परिजनों ने किया रोड जाम



गुरुग्राम। महिला की हत्या के विरोध में सड़क पर लेटकर जाम लगाते परिजन।

- लूट को केवल दिखावा मानकर भी पुलिस कर रही है जांच, पुरानी रंजिश की भी आशंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

दौलाह गांव में शिक्षक की पत्नी नीतू (35) की हत्या के विरोध में शनिवार दोपहर को परिजनों ने सोहना-गुरुग्राम नेशनल हाइवे पर जाम लगा दिया। सड़क पर लेटकर परिजनों ने कहा कि हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी तक न तो शव का पोस्टमॉर्टम करवाएंगे और न ही शव लेंगे। करीब दो घंटे बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के आश्वासन के बाद परिजनों ने जाम खोला।

पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। शुरुआती जांच में सामने आया कि हत्या को लूट का रूप देने के लिए घर का सामान बिखेरा गया था। गहने और नीतू का मंगलसूत्र सुरक्षित मिले हैं, हालांकि कुछ नकदी गायब होने की बात सामने आई है। पुलिस लूट के साथ रंजिश के एंगल से भी जांच कर रही है। जांच में सामने आया है कि एक सीसीटीवी फुटेज में 2 बाइक पर सवार संदिग्ध लोग दिखे हैं। इनमें से एक बाइक पर सवार 2 युवक घर के अंदर गए थे। शुक्रवार को नीतू का शव घर के बाथरूम में मिला था। उसके हाथ पीछे बंधे थे और मुंह पर पैकिंग टेप की कई परतें चिपकी थीं। वारदात के समय पति प्रशांत बच्चों को लेकर अपने स्कूल गए थे। लौटने पर उन्हें हत्या का पता चला। हत्या के 24 घंटे बाद भी मामला न सुलझने पर परिजन भड़क गए और उन्होंने नेशनल हाइवे पर जाम लगा दिया।

जीडीए उपाध्यक्ष ने किया नवीन कार्यालय भवन एवं बुनकर मार्ट-कम-एक्सपो सेंटर का निरीक्षण

लापरवाही पर जताई नाराजगी,ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए)उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल ने शनिवार को मधुबन-बापूधाम योजना में कराए जा रहे नवीन कार्यालय भवन तथा बुनकर मार्ट-कम-एक्सपो एवं कन्वेंशन सेंटर के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान दोनों परियोजनाओं की प्रगति, निर्माण की गुणवत्ता तथा निर्धारित समयसीमा के अनुरूप कार्य पूर्ण किए जाने की स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही उपाध्य ने कार्यालय भवन के निर्माण में लापरवाही पर जताई और सम्बंधित ठेकेदार के खिलाफ करवाई के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य में शिथिलता के लिए उत्तरदायी ठेकेदार के विरुद्ध अनुबंध की शर्तों के अनुसार नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही, कार्य की विस्तृत समीक्षा कर लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने तथा निर्माण की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का



समझौता न किए जाने के निर्देश दिए गए।इसके अतिरिक्त, बुनकर मार्ट-कम-एक्सपो एवं कन्वेंशन सेंटर के निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया गया। परियोजना में हो रही अच्छी प्रगति पर संबंधित अधिकारियों एवं टीम के प्रयासों की सराहना की गई। निर्देशित किया गया कि कार्य की वर्तमान गति बनाए रखते हुए निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित किया जाए तथा परियोजना को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण कराने के लिए निरंतर निगरानी रखी जाए।

सुरेश रैना ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह, आईएससीएल सीजन-2 की जर्सी लॉन्च



गुरुग्राम। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने इंडियन सॉफ्टबॉल क्रिकेट लीग (आईएससीएल) के दूसरे सीजन की आधिकारिक जर्सी लॉन्च करते हुए खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में अभिनेत्री करिश्मा शर्मा और शेफाली बग्गा भी मौजूद रहीं। लीग का दूसरा सीजन 25 नवंबर से 30 दिसंबर 2026 तक बेंगलुरु में आयोजित होगा, जिसमें कुल 127 मुकाबले खेले जाने प्रस्तावित हैं।जर्सी लॉन्च के साथ लीग ने सॉफ्टबॉल क्रिकेट को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने और उभरती प्रतिभाओं को बड़ा मंच उपलब्ध कराने की दिशा में अपनी तैयारियों को आगे बढ़ाया। आयोजकों का लक्ष्य संगठित प्रतियोगिताओं के जरिए खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर देने के साथ खेल से अधिक युवाओं और दर्शकों को जोड़ना है।

निर्माणाधीन मकान से बिजली तार चोरी का आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। थाना बीपीटीपी क्षेत्र के सेक्टर-76 में निर्माणाधीन मकान के स्टोर रूम का ताला तोड़कर बिजली की तार चोरी करने के मामले में फरीदाबाद पुलिस की अपराध शाखा सेक्टर-65 की टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बिपिन निवासी गांव राज सिनोरसा, बिहार हाल निवासी सेक्टर-77 फरीदाबाद के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी से चोरी का सामान बेचकर प्राप्त पैसों में से 15 हजार रुपये बरामद किए हैं।पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि राहुल कौशिक निवासी सेक्टर-76 बीपीटीपी फरीदाबाद ने शिकायत दी कि 20 अगस्त की रात को अज्ञात चोरों ने उनके निर्माणाधीन मकान के स्टोर रूम का ताला तोड़कर बिजली की तार के तीन बंडल और आधा कट्टा तार के टुकड़े चोरी कर लिए।

22 अक्टूबर तक बूथ गठन पूरा करेगा भाजपा संगठन

गुरुग्राम। भाजपा गुरुग्राम जिला संगठन ने 22 अक्टूबर से पहले सभी बूथ समितियों का गठन पूरा करने का लक्ष्य तय किया है। संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने के लिए अगले दो दिनों में सभी शक्ति केंद्रों की बैठकें आयोजित की जाएंगी। वहीं, प्रदेश प्रभारी स्मृति जुबिन ईरानी और प्रदेश सह-प्रभारी डॉ. भोला सिंह के 22 और 23 अक्टूबर के प्रस्तावित प्रवास को लेकर भी तैयारियां तेज कर दी गई हैं।भाजपा जिला कार्यालय गुरुकमल में जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी की अध्यक्षता में जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों और शक्ति केंद्र प्रमुखों की संगठनात्मक बैठक हुई। इसमें भाजपा हरियाणा की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन राणा वर्चुअल माध्यम से जुड़े। उन्होंने प्रदेश के सभी 27 संगठनात्मक जिलों के कार्यकर्ताओं से संवाद कर आगामी संगठनात्मक गतिविधियों के लिए दिशा-



निर्देश दिए। बैठक में बूथ समितियों के सत्यापन और गठन, शक्ति केंद्रों की बैठकों तथा संगठनात्मक कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की गई। प्रदेश अध्यक्ष ने शक्ति केंद्र प्रमुखों और बूथ अध्यक्षों को निर्धारित समयसीमा में समितियों का गठन पूरा करने के निर्देश दिए। वहीं, प्रदेश संगठन महामंत्री ने आपसी समन्वय और सक्रिय सहभागिता के साथ संगठनात्मक कार्यों को गति देने पर जोर दिया।

अपराध

नवी मुंबई से चला ट्रक नहीं पहुंचा दिल्ली के खारी बावली बाजार

2 करोड़ की लौंग से भरा ट्रक चोरी, असम में बेचने की थी योजना

- आरोपियों ने गुरुग्राम में ट्रक खाली करके माल दो अन्य ट्रकों में भरा
- पुलिस ने नूंह जिले के दो व असम के एक आरोपी को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

नवी मुंबई से दिल्ली के खारी बावली बाजार जा रहे लौंग से भरे ट्रक को गुरुग्राम में चोरी कर लिया गया। इसमें करीब दो करोड़ रुपये कीमत की 20 टन 900 किलो लौंग के 300 कट्टे भरे हुए थे। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर वारदात में प्रयोग किए गए दो ट्रक बरामद कर लिए हैं। आरोपियों की पहचान मनन निवासी रानियाला पटकपुर जिला नूंह, जुनैद निवासी गांव बिछोर, जिला नूंह और अजीज निवासी बिलपतरी जिला बारपेटा, असम के रूप में हुई। इस लौंग को ये लोग असम में बेचने की तैयारी में थे। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने लौंग से भरे ट्रक को गुरुग्राम में एक सुनसान जगह खाली कर माल को दो ट्रकों में शिफ्ट किया। आरोपी माल को असम में ले जाकर बेचने की फिराक में थे। बताया जा रहा है कि 14 अगस्त को एबीसी एक्सप्रेस कंपनी के मैनेजर ने थाना सेक्टर-10 में एक लिखित शिकायत देकर बताया कि इनकी कंपनी के माध्यम से नवी मुंबई से दिल्ली भेजी जाने वाली लौंग का ट्रक चोरी हो गया है। इसमें करीब 2 करोड़ रुपये का सामान था, जो महाराष्ट्र के न्हावा शेवा से एक ट्रक के माध्यम से दिल्ली भेजा गया था।

11 अक्टूबर को ट्रक चालक को माल की डिलीवरी के पते की जानकारी दी गई थी, लेकिन निर्धारित स्थान पर माल नहीं पहुंचा। कंपनी के कर्मचारियों ने चालक से मोबाइल से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन उसके दोनों मोबाइल फोन बंद मिले। इसके बाद ट्रक की तलाश की गई तो वह बावल के निकट स्थित रॉयल पेपर होटल के पास खाली अवस्था में लावारिस खड़ा मिला।

जीपीएस से मिली ट्रक की लोकेशन



ट्रक की जीपीएस लोकेशन की जांच करने पर पता चला कि 12 अक्टूबर की रात को ट्रक गुरुग्राम के सेक्टर-93 क्षेत्र में था। मौके पर जांच के दौरान लौंग बिखरी हुई तथा बोरियों पर लगे मार्किंग लेबल मिले। इससे माल को इस स्थान पर उतारकर अन्य ट्रकों में लोड किया गया। क्राइम ब्रांच बिलासपुर की टीम ने राठीवास स्थित पास्को फिटिंग सेंटर के नजदीक से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। वारदात में इस्तेमाल किया गया एक ट्रक आरोपी मनन का है, जबकि जुनैद उस ट्रक पर चालक के रूप में काम करता था। आरोपियों की योजना चोरी किए गए माल को असम ले जाकर बेचने की थी तथा आरोपी अजीज माल को बिकवाने में शामिल था।

दिल्ली के अधेड़ की मुरादनगर गंगनहर में नहाते डूबकर मौत

गाजियाबाद। मुरादनगर स्थित गंगनहर में नहा रहे एक व्यक्ति की डूबने से मौत हो गयी। युवक दिल्ली के नांगलोई निवासी था। करीब 45 वर्षीय व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई। दिल्ली के नांगलोई निवासी बनारसी, पुत्र रतन सिंह, अपने परिवार के सदस्यों के साथ मुरादनगर गंगनहर पर नहाने आए थे। उनके साथ उनके बहनोई सलेख राम और बेटा सोनू राम भी मौजूद थे। परिवार के सभी लोग गंगनहर में नहा रहे थे। इसी दौरान बनारसी नहर में डूबने लगे। मृतक के बेटे सोनू राम ने बताया कि अपने पिता को नहर में डूबते हुए देखा तो उन्हें बचाने के लिए तत्काल पानी में छलांग लगा दी।

कार्यालय नगर पालिका परिषद कुम्हारी, जिला - दुर्ग (छ.ग.)

॥ चतुर्थ ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना ॥

क्रं. / 1471 / लो.क.वि. / न.पा. / 2026 कुम्हारी, दिनांक 16/10/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम	अनु.ला. (लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
202111	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of Kumhari, Chhattisgarh	112.45	28.10.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, कुम्हारी

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 (2)(ii) Cr.Pc. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आशीष उर्फ गोलू पुत्र राजेश** निवासीः म.नं. एल–13, राजीव नगर एक्सटे. बेगमपुर, दिल्ली ने **FIR No. 63/2020 u/s 356/379/34 IPC, थाना : बेगमपुर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या सन्देह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त **आशीष उर्फ गोलू** नही मिल रहा है और समाधानप्रद रूप से प्रदर्शित कर दिया गया है कि उक्त **आशीष उर्फ गोलू** करार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए छिपा हुआ है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 63/2020 u/s 356/379/34 IPC, थाना : बेगमपुर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **आशीष उर्फ गोलू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 18.11.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
अनुराधा प्रसाद
एलडी. एसीजेएम, कमरा नं. 101
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/14967/RD/2026
(court notice)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी इमरान पुत्रः** मोहम्मद रफीक **पताः** झुग्गी एमसीडी कार्यालय के पास जल विहार लाजपत नगर, नई दिल्ली **FIR No: 102/2026, U/s: 25/54/59 ARMS ACT, पुलिस थानाः हजरत निजामुद्दीन, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **इमरान,** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **इमरान,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **इमरान, FIR No: 102/2026, U/s: 25/54/59 ARMS ACT, पुलिस थानाः हजरत निजामुद्दीन, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **18.11.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
मनुज कौशल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–3
कमरा नंबर 512,
साकेत कोर्ट, नई दिल्ली

DP/14913/SE/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नामः **शिवराम, पुत्रः इंद्रपाल, निवासीः ग्राम छोलस, तहसील दादरी, जारचा गौतम बुद्ध नगर, उ.प्र.** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) इसके विरुद्ध **FIR No.91/2019 U/S 25/54/59 शस्त्र अधिनियम** के तहत एक मामला **थाना ज्योति नगर, उत्तर पूर्वी जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया है कि अभियुक्त **शिवराम** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **शिवराम** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा है कि **FIR No.91/2019 U/S 25/54/59 शस्त्र अधिनियम, थाना ज्योति नगर, उत्तर पूर्वी जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **शिवराम** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए दिनांक **10.12.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, श्री राहुल सैनी
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–08,
कमरा नं. जी–6, नया न्यायालय भवन,
शाहदरा, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/14628/NE/2026
(अदालती मामला)

यूपी में 'रूल ऑफ माफिया' मिटाकर स्थापित किया 'रूल ऑफ लॉ': योगी

- फैसला इतिहास सुनाएगा, लेकिन बहस आपको करनी है
- युवा विधिवेत्ताओं को सत्य, धर्म, निष्पक्षता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने का सीएम योगी का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पहले माफियाराज का प्रभाव था, लेकिन अब प्रदेश में रूल ऑफ लॉ यानी कानून का राज स्थापित किया गया है। यही विकास, निवेश और आमजन के विश्वास की सबसे मजबूत नींव है। एक समय यूपी को बीमारू राज्यों की श्रेणी में रखा जाता था, निवेश तथा कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए जाते थे, लेकिन दृढ़ इच्छाशक्ति और प्रभावी कार्ययोजना से प्रदेश ने अपनी स्थिति बदली है। आज उत्तर प्रदेश देश की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और रेवेन्यू सरप्लस स्टेट के रूप में आगे बढ़ रहा है।मुख्यमंत्री शनिवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के पांचवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने युवा विधि स्नातकों से कहा कि वे कानून को केवल धाराओं और मुकदमों तक सीमित न रखें, बल्कि आम नागरिक के विश्वास, अधिकारों की रक्षा और न्याय की



सुलभता को अपने कार्य का आधार बनाएं। विकसित भारत की कल्पना केवल सड़कों, कारखानों और एक्सप्रेसवे के निर्माण से साकार नहीं होगी। इसके लिए न्याय, अधिकारों और कर्तव्यों पर आधारित व्यवस्था को मजबूत करना होगा। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को बिना भेदभाव सहज और सुलभ न्याय मिलना चाहिए। कानून की सबसे बड़ी पूंजी उसकी धाराएं नहीं, बल्कि आमजन का विश्वास है। यह विश्वास निष्पक्षता, पीड़ित के सम्मान और विधिवेत्ताओं के आचरण से मजबूत होता है। विधिवेत्ताओं को सत्य, धर्म, निष्पक्षता और संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखनी होगी।

'विकसित भारत' 2047 की पैरवी करेंगे विधि

मुख्यमंत्री ने इस दीक्षांत समारोह को एक काल्पनिक मुकदमे के रूप में प्रस्तुत करते हुए कहा कि यदि 'विकसित भारत 2047' एक केस है, तो 140 करोड़ भारतीय उसके याची हैं और युवा विधिवेत्ता उनके अधिवक्ता हैं। इस मुकदमे में तथ्य, साक्ष्य, तर्क और ईमानदार पैरवी की आवश्यकता होगी। इसका प्रतिवादी कोई व्यक्ति या राजनीतिक दल नहीं, बल्कि वह यथास्थितिवादी सोच है, जो यह मानने को तैयार नहीं होती कि परिवर्तन संभव है।*मई 2014 के बाद देश में सुधारों को गति *सीएम योगी ने कहा कि देश की स्वतंत्रता, संविधान का लागू होना, आपातकाल, न्यायपालिका के ऐतिहासिक निर्णयों और देश में हुए सुधारों को हमारी यात्रा की महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में देखा जा सकता है। 15 अगस्त 1947 को देश स्वतंत्र हुआ और 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू हुआ। 25 जून 1975 को आपातकाल लागू होने की घटना ने 'रूल ऑफ लॉ' और 'रूलर के लॉ' के बीच का अंतर स्पष्ट किया। मई 2014 के बाद देश में सुधारों की प्रक्रिया को गति मिली। अप्रासंगिक हो चुके 1,500 से अधिक कानून समाप्त किए गए। जन विश्वास अधिनियम के माध्यम से 42 कानूनों के 183 प्रावधानों में छोटी-छोटी चूकों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया। दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता, जीएसटी, अनुच्छेद 370 से संबंधित बदलाव और नारी शक्ति वंदन अधिनियम का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सुधार का अर्थ केवल नए कानून बनाना नहीं, बल्कि उन पुराने कानूनों को हटाना भी है जिनकी प्रासंगिकता समाप्त हो चुकी है।

पहले यूपी को लेकर थी नकारात्मक धारणा

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश को लेकर यह धारणा थी कि यहां निवेश सुरक्षित नहीं है, कनेक्टिविटी कमजोर है और विकास की संभावनाएं सीमित हैं। सबको यही लगता था कि उत्तर प्रदेश नहीं सुधर सकता। इस सोच को बदलने के लिए इच्छाशक्ति और परिणाम देने वाली कार्ययोजना जरूरी थी। प्रदेश में कानून का राज स्थापित करना इसी परिवर्तन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमने प्रदेश को माफियाराज से मुक्त कर कानून का शासन स्थापित किया। पहले हाल यह था कि प्रयागराज के एक माफिया के सामने प्रशासनिक और संवैधानिक पदों से जुड़े लोगों के काफिले तक रुक जाते थे।

2029-30 तक वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2013 में भारत को दुनिया की पांच नाजुक अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था, जबकि आज वह दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। इस बदलाव ने भारत के प्रति वैश्विक विश्वास को मजबूत किया है। इसी तरह यूपी को अब वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए विजन डॉक्यूमेंट जारी किया गया है और कार्ययोजना लागू की गई है। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2029-30 तक यह लक्ष्य प्राप्त कर लिया जाएगा। कहा कि प्रदेश की आर्थिक प्रगति और विकास के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए कानून के शासन, निष्पक्षता और आमजन के विश्वास को मजबूत बनाए रखना जरूरी है।

एक सीख जिंदगी का नजरिया बदलने वाली बनी

आदित्यनाथ को बड़ा भाई मानती हैं अरुंधति

केरल की बेटी का सीएम योगी को भावुक पत्र, मेरे विवाह पर आइए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लखनऊ



लखनऊ कभी अपनी आंखों में आने वाले आंसुओं को कमजोरी समझने वाली केरल की अरुंधति के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की एक सीख जिंदगी का नजरिया बदलने वाली बन गई। बचपन में योगी के एक वीडियो से उन्होंने समझा कि भावुक होना कमजोरी नहीं, बल्कि अपनी भावनाओं को स्वीकार करने का साहस है। वर्षों बाद भी यह सीख उनके जीवन का हिस्सा बनी हुई है। अब जब अरुंधति विवाह कर अपने जीवन के नए अध्याय की शुरुआत करने जा रही हैं, तो उन्होंने अपने प्रेरणास्रोत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को हाथ से लिखकर दो पेज का पत्र भेजा है और विवाह में शामिल होकर नवदंपती को आशीर्वाद देने का आग्रह किया है। पत्र में शादी का न्योता है, पर उससे भी ज्यादा है-सीएम के प्रति कृतज्ञता का भाव।

अरुंधति ने सीएम योगी को भेजे अपने पत्र में बचपन की उस मनःस्थिति को साझा किया है, जब छोटी-छोटी बातों पर भावुक होकर रो पड़ना उन्हें खुद अपनी कमजोरी लगने लगा था। उनके कुछ दोस्त उन्हें समझाते थे कि मजबूत बनने के लिए भावनाओं पर काबू रखना जरूरी है। धीरे-धीरे उनके मन में भी यह सवाल घर करने लगा कि क्या आसानी से रो पड़ने वाला व्यक्ति कभी मजबूत बन सकता है? क्या अपनी भावनाएं जाहिर करना शर्मिंदगी की बात है? इसी दौरान उनके चचेरे भाई ने उन्हें योगी आदित्यनाथ का एक वीडियो दिखाया। वीडियो में योगी काफी भावुक थे। चचेरे भाई ने समझाया कि योगी जैसा बनो, भावुक होते हुए भी अत्यंत मजबूत। इससे अरुंधति को एक नई दृष्टि मिली। उन्हें यह समझने में मदद मिली कि आंसू किसी व्यक्ति की कमजोरी का प्रमाण नहीं होते। इस अनुभव ने उनके भीतर चल रहे द्वंद्व को बदलने में अहम भूमिका निभाई। जिस भावुकता को वह अपनी कमी मानने लगी थीं, उसे अब वह अपनी सहज मानवीय संवेदना के रूप में देखने लगीं।योगी की सीख से समझा, मजबूत होने का असली अर्थ।अरुंधति के लिए इस अनुभव का महत्व केवल उस पल तक सीमित नहीं रहा।

उन्होंने समझा कि मजबूत होने का अर्थ हर परिस्थिति में भावनाओं को छिपाना नहीं, बल्कि मुश्किलों का सामना करते हुए खुद पर भरोसा बनाए रखना है।

आरडीएसओ परिसर में '58वीं राजधानी दुर्गा पूजा का आयोजन, डीजी दनसाना ने किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लखनऊ



राजधानी लखनऊ के आलमबाग स्थित अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन परिसर में शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर सर्व 58वीं राजधानी दुर्गा पूजा का आयोजन पारंपरिक भव्यता के साथ शुरू हो गया है। लगभग 58 वर्षों की अटूट सांस्कृतिक विरासत को समेटे हुए यह महोत्सव लखनऊ के सबसे प्रतिष्ठित और भव्य आयोजनों में से एक है। इस वर्ष के भव्य महोत्सव का आधिकारिक उद्घाटन आरडीएसओ के महानिदेशक प्रभास दनसाना और रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा ज्योति दनसाना के साथ मिलकर संयुक्त रूप से किया। मुख्य अतिथियों ने मां दुर्गा की दिव्य प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर और आरती उतारकर इस पांच दिवसीय उत्सव का शुभारंभ किया। इस पूरे भव्य कार्यक्रम का संयोजक ए.पी. सिंह के कुशल संयोजन में संपन्न हुआ।उद्घाटन समारोह के अवसर पर के पूर्व डीजी एच.एस. पन्नू विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिन्होंने आरडीएसओ परिवार की इस सांस्कृतिक एकता की सराहना की। इसके साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में अध्यक्ष डॉ. एस मुंशी और देवेन्द्र जीतू भी मौजूद रहे! समिति के सचिव एस. सेन गुप्ता की देखरेख में इस वर्ष पंडाल को बंगाल की पारंपरिक लोक विरासत और शिल्पकला से खूबसूरती से सजाया गया है। पंडाल के भीतर स्थापित मां दुर्गा की दिव्य प्रतिमा को पारंपरिक 'आदि बांग्ला' स्वरूप में तैयार किया गया है।समिति के वरिष्ठ सदस्यों नीलाद्रि सेन गुप्ता, ए.के. सिकदर और हिमाद्रि सेन गुप्ता ने बताया कि उत्सव के दौरान हर शाम धुनुची नाच, बंगाली लोक नृत्य और डांडिया जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मंचन किया जा रहा है। महाषष्ठी से लेकर महानवमी तक प्रतिदिन दोपहर में विशाल 'महाभोग' (पारंपरिक खिचड़ी और लाबड़ा प्रसाद) का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु एक साथ शामिल हो रहे हैं।

वन स्टॉप सेंटर से संवर रही महिलाओं की जिंदगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लखनऊ



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण को मजबूत करने के लिए संचालित वन स्टॉप सेंटर संकटग्रस्त महिलाओं को सुरक्षा, परामर्श और पुनर्वास की सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं। लखनऊ की तीन महिलाओं की कहानियां इस पहल के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाती हैं। पारिवारिक बंदिशों से जूझ रही एक युवती ने काउंसलिंग के बाद पढ़ाई जारी रखी और आज उच्च पद पर सेवाएं देकर जिम्मेदारी निभा रही है। वहीं, शोषण की शिकार एक बालिका ने मुश्किलों से उबरकर प्रतिष्ठित होटल में नौकरी हासिल की। घरेलू प्रताड़ना से प्रभावित एक अन्य महिला भी शिक्षा और रोजगार के सहारे आत्मनिर्भर जीवन की ओर बढ़ रही है।महिला कल्याण विभाग की निदेशक सी. इंदुमति ने बताया कि लखनऊ की 31 वर्षीय युवती ने वन स्टॉप सेंटर को ईमेल भेजकर जानकारी दी कि परिजन उन्हें उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से रोक रहे हैं। पारिवारिक तनाव के बीच सेंटर की टीम ने उनके घर पहुंचकर परिजनों से बातचीत की। इसके बाद सुरक्षित और गोपनीय माहौल में काउंसलिंग कराई गई। टीम के समझाने पर परिवार ने युवती को पढ़ाई जारी रखने की स्वतंत्रता दी। वन स्टॉप सेंटर पर काउंसलिंग से युवती को मुश्किल परिस्थितियों से उबरकर आगे बढ़ने का हौसला मिला। उसने अपनी पढ़ाई पूरी की और प्रतिष्ठित पद पर सेवाएं देकर नई मिसाल पेश कर रही है।शोषण से निकलकर होटल में बनाई पहचानलखनऊ की एक बालिका ने 16 वर्ष की उम्र में वन स्टॉप सेंटर पहुंचकर बचपन से हो रहे पारिवारिक शोषण की जानकारी दी।

मामा हथियार लेकर फरार

झारखंड में मामा की दी पिस्तौल से गोली चलने से बच्चे की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बोकारो

झारखंड के बोकारो जिले में शनिवार को कथित तौर पर मामा की दी पिस्तौल से खेलते समय गोली चलने से तीन वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, घटना सुबह करीब छह बजे माराफारी थाना क्षेत्र के कर्नल मार्केट में हुई। माराफारी थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि गोली लगने से घायल बच्चे को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने कहा, "बच्चा कथित तौर पर अपने मामा की दी पिस्तौल से खेल रहा था, तभी अचानक गोली चल गई और उसे गोली लग गई।"

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बच्चे का मामा राजेश कुमार (21) हथियार लेकर फरार है। उन्होंने कहा कि बच्चे की मां की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी को पकड़ने के लिए कई स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। बच्चे की मां के अनुसार, उसका भाई सुबह उनके घर आया था। जब बच्चे ने मामा से चॉकलेट मांगी, तो उसने कथित तौर पर उसे चॉकलेट के बजाय पिस्तौल दे दी।

पटना की अदालत ने सुनाया फैसला

तीन तलाक मामले में दो साल का कठोर कारावास

- कोर्ट ने 6,500 रुपये का जुर्माना भी लगाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पटना

बिहार की राजधानी पटना की एक अदालत ने पत्नी को तीन तलाक देने के मामले में एक व्यक्ति को दो साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजीव रंजन सहाय ने बृहस्पतिवार को नौशाद अहमद को मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम, 2019 के साथ ही भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 323 (जानबूझकर चोट पहुंचाना) और धारा 341 (गलत तरीके से रोकना) के तहत दोषी करार दिया। अदालत ने अहमद पर 6,500 रुपये का जुर्माना भी लगाया। जुर्माना नहीं भरने पर उसे एक महीने और 22 दिन की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। हालांकि, अदालत ने उसे पत्नी पर तेजाब फेंकने की कोशिश के आरोप से बरी कर दिया। फुलवारी शरीफ थाने में सितंबर 2022 में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, सिमरी गांव के निवासी अहमद ने उस साल पांच सितंबर को अपनी पत्नी को तीन तलाक दिया था। उस समय दोनों की शादी को करीब 21 साल हो चुके थे और उनके तीन बच्चे हैं।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हादसा, दो की मौत

आजमगढ़ (उप्र)। आजमगढ़ में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर शनिवार को एक कार के डिवाइडर से टकराकर पलट जाने से कार सवार पिता-पुत्र की मौत हो गई तथा एक महिला और दो बच्चे घायल हो गए। यह हादसा तहबरपुर थाना क्षेत्र में ओहनी गांव के पास हुआ। चालक को नींद आने के कारण कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। पुलिस क्षेत्राधिकारी देशराज सिंह ने बताया कि हादसे में मऊ जिले के घोसी थाना क्षेत्र के सुलतानपुर गांव निवासी शादाब (52) और उसके पिता खुर्शीद अहमद (83) की मौत हो गई। कार शादाब चला रहा था।

हाईवे-एक्सप्रेसवे पर बढ़ेगी सुरक्षा

शीतलहर-कोहरे में हादसे रोकने के लिए योगी सरकार ने शुरू की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लखनऊ



उत्तर प्रदेश में शीतलहर और घने कोहरे के दौरान हादसों पर अंकुश लगाने के लिए योगी सरकार ने सड़क सुरक्षा के इंतजाम मजबूत करने की तैयारी शुरू कर दी है। राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर दुर्घटना संभावित स्थलों के आस-पास पर्याप्त संख्या में पेट्रोलिंग वाहन, एंबुलेंस और रेस्क्यू वाहन उपलब्ध रखने पर विशेष जोर दिया गया है, ताकि हादसा होने की स्थिति में घायलों को तत्काल सहायता और समय पर चिकित्सा सुविधा मिल सके। राहत आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने संबंधित विभागों और कार्यदायी संस्थाओं को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।राहत आयुक्त ने राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर दुर्घटना संभावित स्थलों के आस-पास पर्याप्त संख्या में पेट्रोलिंग वाहन, एंबुलेंस और रेस्क्यू वाहन उपलब्ध रखने के निर्देश दिए हैं। इसका उद्देश्य हादसे की स्थिति में घायलों तक जल्द पहुंचना और उन्हें बिना देरी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। सर्दियों में घने कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में राहत एवं बचाव व्यवस्था को पहले से तैयार रखना महत्वपूर्ण है।

मिशन शक्ति 6.0 में यूपी पुलिस का कमाल

कासगंज पुलिस ने सात दिन में बरामद किए 120 लोगों के मोबाइल

सात दिन में पांच राज्यों से खोज निकाले 32 लाख के गुम मोबाइल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कासगंज



!!! फोटो : हरिभूमि

योगी सरकार के मिशन शक्ति 6.0 अभियान के पहले ही सप्ताह में उत्तर प्रदेश पुलिस ने तकनीक आधारित पुलिसिंग और जनशिकायतों के निस्तारण में बड़ी कामयाबी हासिल की है। इसी क्रम में कासगंज पुलिस ने महज सात दिनों के भीतर करीब 32 लाख रुपये कीमत के गुम मोबाइल फोन बरामद कर 120 लोगों को बड़ी राहत पहुंचाई है। खास बात यह है कि इन मोबाइलों की तलाश केवल उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं रही। पुलिस ने तकनीकी संसाधनों की मदद से मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा तक गुम मोबाइलों का पता लगाया और उन्हें बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सौंप दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पुलिसिंग को आधुनिक तकनीक से जोड़ने और आमजन की शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने की दिशा में कासगंज पुलिस की यह उपलब्धि मिशन शक्ति 6.0 के शुरुआती सप्ताह की महत्वपूर्ण सफलता बनकर सामने आई है।मिशन शक्ति 6.0 की शुरुआत 11 अक्टूबर को हुई थी। अभियान के पहले सप्ताह में कासगंज पुलिस ने गुम मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए विशेष अभियान चलाया। पुलिस ने प्राप्त शिकायतों के आधार पर तकनीकी माध्यमों से मोबाइल फोन की लोकेशन ट्रेस करनी शुरू की। इस दौरान कई मोबाइल फोन की लोकेशन उत्तर प्रदेश से बाहर मिली।

मोबाइल के साथ वापस मिली लोगों की 'डिजिटल दुनिया'

आज मोबाइल फोन केवल बातचीत का साधन नहीं, बल्कि व्यक्ति की पूरी डिजिटल दुनिया का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। बैंकिंग, यूपीआई भुगतान, जरूरी दस्तावेज, कारोबार से जुड़ी जानकारियां, पारिवारिक तस्वीरें और महत्वपूर्ण संपर्क मोबाइल में ही सुरक्षित रहते हैं। ऐसे में फोन खोने पर व्यक्ति को केवल आर्थिक नुकसान नहीं होता, बल्कि उसकी रोजमर्रा की कई जरूरी गतिविधियां भी प्रभावित हो जाती हैं।

पेज एक का शेष

18 लोगों की ...

गया है। घटना के बाद पंडाल में दर्शन बंद कर दिए गए और शहर के कई अन्य प्रमुख पूजा पंडालों में भी एहतियातन लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, शनिवार शाम करीब 7:40 बजे बारिश शुरू होने के बाद पंडाल में भीड़ बढ़ गई थी। बारिश से बचने के लिए कई लोग अंदर रुक गए थे। इसी दौरान नए दर्शनार्थियों के प्रवेश और लोगों के बाहर निकलने की कोशिश के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। देखते ही देखते भगदड़ जैसे हालात बन गए। भीड़ के दबाव में कई लोग गिर पड़े और उनके ऊपर दूसरे लोग भी गिरते चले गए। इससे कई लोग बेहोश हो गए और उन्हें बाहर निकालने में परेशानी हुई।

धक्का लगने से गिरने लगे लोग: प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पंडाल के अंदर और निकास द्वार के पास भारी भीड़ जमा थी। इसी दौरान पीछे से जोरदार धक्का लगा, जिससे आगे खड़े लोग गिरने लगे। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि वह अपनी तीन सहेलियों के साथ बाहर निकल रही थीं, तभी भीड़ का दबाव बढ़ गया। लोग एक-दूसरे के ऊपर गिरने लगे और नीचे गिरे लोगों को उठने का मौका नहीं मिल पाया। कुछ बेहोश लोगों को स्थानीय लोगों ने मोटरसाइकिलों से अस्पताल पहुंचाया। घटना के बाद पंडाल परिसर में चप्पलें, पर्स और अन्य सामान बिखरा पड़ा था। अफरा-तफरी के बीच परिजन अपनों को तलाशते रहे। कई लोग अपने परिवार के सदस्यों की जानकारी लेने के लिए अस्पताल पहुंचे। हादसे के बाद पंडाल की लाइटें बंद कर दी गईं और प्रवेश रोक दिया गया।

विदेशी टूलकिट गैंग ...

को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में भाजपा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी और कुम्हरार के विधायक संजय गुप्ता सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। वैश्विक संकट के बावजूद भारत विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है, लेकिन कुछ ताकतों को देश की प्रगति पसंद नहीं आ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और उनकी टीम ऐसी ताकतों के टूलकिट के रूप में काम कर रही है।

चुनाव आयोग पर सवाल उठाने पर प्रतिक्रिया: भाजपा अध्यक्ष ने चुनाव आयोग और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवालों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का जिक्र करते हुए कहा कि 30 सितंबर 2025 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद विपक्षी दलों ने बूथ स्तर पर अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) तैनात किए थे। इसके बावजूद, उनके अनुसार, आरओ, जिला या राज्य निर्वाचन आयोग के स्तर पर किसी विपक्षी दल ने कोई प्रमाणिक शिकायत दर्ज नहीं कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में चुनाव हारने के बाद विपक्ष अपनी हार का दोष चुनाव आयोग पर मढ़ रहा है। नवीन ने कहा कि जब विपक्षी दल हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु या केरल में चुनाव जीतते हैं, तब उन्हें चुनाव आयोग पर आपत्ति नहीं होती, लेकिन बिहार और बंगाल में हारने के बाद आयोग पर सवाल उठाए जाते हैं।

बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग पर भी साधा निशाना: नितिन नवीन ने मतपत्रों से चुनाव कराने की मांग को लेकर भी विपक्ष पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने पहले बंदूक की नोक पर बूथ और मतपत्र लूटने का काम किया, वही आज बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी मांग बिहार को फिर से उस दौर में ले जाने की कोशिश है, जब बूथ लूटने की घटनाएं होती थीं।

सीजेपी के प्रदर्शनों ....

लगाने की किसी भी कोशिश को भारत बर्दाश्त नहीं करेगा। बताते चलें कि सीजेपी के प्रदर्शनों का मुख्य उद्देश्य मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की बर्खास्तगी से जुड़ा हुआ है। उन पर यह आरोप है कि उन्होंने एसआईआर के नाम पर मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी कर 13 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे हैं।

पेपरलीक के दोषी नहीं बचेंगे, बनाया कठोर कानून: उन्होंने कहा कि भारत में सरकार पेपरलीक के मामले पर आंख मूंदकर नहीं बैठी रही। बल्कि उसने कम समय में संसद से इस मामले पर एक विशेष कानून पारित किया है। जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी हुई अनियमितताओं को दूर करने के लिए और दोषियों को दी जाने वाली सजा को दोगुना करने का प्रावधान किया गया है।

रिपोर्ट बनाते वक्त बरतें निष्पक्षता: स्वरूप ने यूएन में यह भी स्पष्ट किया कि भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा कई अन्य केंद्रीय मंत्री समय-समय पर अपने सोशल मीडिया मंचों के जरिए युवाओं से लगातार संवाद करते हैं। ऐसे में रोमेरो को अपनी रिपोर्ट तैयार करते वक्त जमीनी तथ्यों के इस्तेमाल के साथ ही पूर्ण निष्पक्षता का पालन करना चाहिए। यूं ही भारत पर बेबुनियाद आरोप लगाने का कोई औचित्य नहीं बनता है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में इसी मामले पर अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल द्वारा भारत पर लगाए गए आरोपों को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने खारिज कर दिया था। जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका की सांसद की भारत के लोकतंत्र को लेकर की गई ये टिप्पणियां अनुचित हैं। जिन्हें हम अपने आंतरिक मामलों में दखल के रूप में देखते हैं। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने भी महिला सांसद को बातचीत के जरिए अपनी दुविधा को दूर करने के लिए आमंत्रित किया है।

युवाओं से छीना ...

जैसे मामलों पर अपना पक्ष देश के सामने रखना चाहते हैं। लेकिन भारत की सरकार कानूनी पाबंदियों का उपयोग कर उन्हें आंदोलन स्थलों से बाहर रख रही है। रोमेरो के मुताबिक, बात यही पर खत्म नहीं होती है, भारत में प्रदर्शन में शामिल लोगों को डिजिटल निगरानी की मार भी झेलनी पड़ रही है। विशेष प्रतिवेदक की यह रिपोर्ट शांतिपूर्ण सभा और संगठन की स्वतंत्रता के अधिकार पर आधारित थी। जिसमें उन्होंने ये भी कहा कि भारत में जब युवा मानसिक स्वास्थ्य, लैंगिग समानता जैसे जरूरी विषयों पर विचार-विमर्श के साथ संवाद करते हैं। तो उन्हें बदले की कार्रवाई तथा सामाजिक प्रताड़ना से दोचार होना पड़ता है।

भारतीय संविधान को ...

को सुरक्षा व संरक्षा प्रदान करने की गारंटी हमारे देश में मौजूद एक स्वतंत्र न्यायपालिका, प्रेस और एक सशक्त राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) द्वारा सार्वजनिक रूप से प्रदान की जाती है।

दमन के बीच...

ये आबादी, इनका नेतृत्व करने वाले युवा नेता सरकार के नुमाइंदों यानी वरिष्ठ मंत्रियों के साथ कैसे संवाद कर सकते हैं? उन्होंने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क के उस हालिया बयान का जिक्र किया। जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत में युवाओं की अगुवाई में हो रहे आंदोलनों के बीच उनसे बातचीत करना कितना प्रभावी है। लेकिन यहां चौंकाने वाली बात ये है कि इस मुद्दे पर विशेष प्रतिवेदक ने कतई गौर नहीं फरमाया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
नई दिल्ली, रविवार 18 अक्टूबर 2026

विशेषः विजय दशमी, 20 अक्टूबर

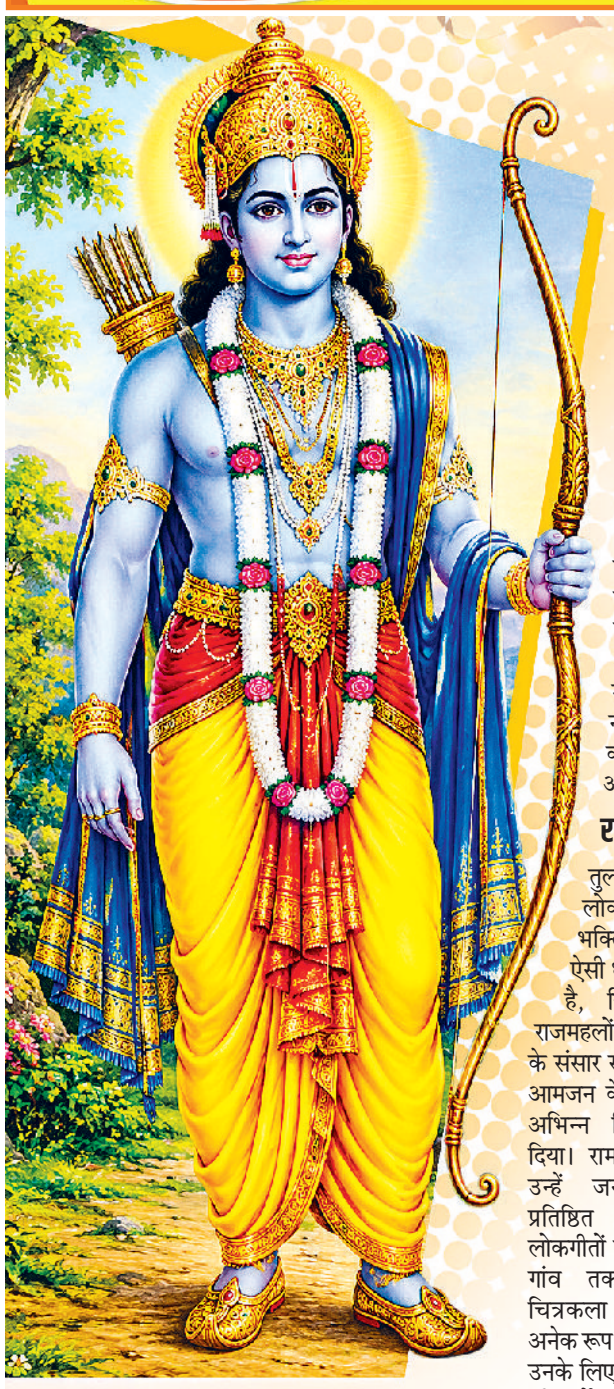

विजय दशमी का पर्व आततायी रावण पर श्रीराम की विजय के उल्लास में मनाया जाता है। लेकिन श्रीराम का विराट चरित्र केवल रावण का वध करने की वजह से ही हमारे लिए पूजनीय नहीं है। वे अगर युगों से आज भी भारतीय जनमानस में आदर्श पुरुषोत्तम के रूप में प्रतिष्ठित हैं, तो इसकी वजह है कि उन्होंने संपूर्ण मनुष्यता के लिए मर्यादा स्थापित की। इसीलिए अनेक भाषाओं, संस्कृति और सभ्यताओं में वे प्रतिष्ठित हैं।

भारत के जन-मन में युगों से विराजमान हैं श्रीराम

आवरण कथा
लोकमित्र गौतम

सदियों से विजय दशमी की रात रावण का पुतला दहन किया जाता है। आतिशबाजी थमती है। भीड़ लौट जाती है और मैदान में बच जाती है कुछ राख। लेकिन श्रीराम की कथा यहीं नहीं खत्म होती। अगले दिन भी श्रीराम मौजूद रहते हैं, अगले वर्ष भी और अगली पीढ़ी में भी। यही श्रीराम की सबसे बड़ी विशेषता है। वे किसी एक कथा के नायक नहीं हैं, समूची भारतीय सभ्यता के अविराम नायक हैं। 'अविराम' यानी जिसके प्रवाह में कोई विराम न हो। राम का यही स्वरूप उन्हें दूसरे महान चरित्रों से अलग एक विशिष्ट प्रतिष्ठा प्रदान करता है। वे किसी एक ग्रंथ में बंद नहीं हैं, किसी एक भाषा के नहीं हैं और न ही किसी एक युग भर की जरूरत हैं। वे जितने वाल्मीकि के हैं, उतने ही तुलसी के हैं। जितने संस्कृत के हैं, उतने ही अवधी के हैं। वह जितने तमिल, तेलुगू, बांग्ला, उड़िया, मराठी, मलयालम के हैं, उतने ही असंख्य लोकभाषाओं के भी हैं। वह जितने ग्रंथों में हैं, उससे कहीं ज्यादा लोकस्मृति और लोकचेतना में भी व्याप्त हैं।

आत्मसंयम की विराट चेतना

श्रीराम की पहली विराट साहित्यिक छवि हमें वाल्मीकि के रामायण में मिलती है। यहां श्रीराम का नायकत्व केवल उनके शौर्य में नहीं है, वे एक ऐसे महापुरुष के रूप में सामने आते हैं, जिसके सामने जीवन लगातार अपने कठिन से कठिन निर्णय रखता है। राजपाट छोड़ना, वन गमन, प्रिय का वियोग सहना, मित्र बनाना, युद्ध करना और विजय के बाद अयोध्या लौटना। श्रीराम की यात्रा दरअसल, बाहरी युद्ध से कहीं अधिक अंतर्संघर्ष की यात्रा है। यही कारण है कि श्रीराम के नायकत्व को आत्मसंयम की विराट चेतना माना जाता है। भारतीय सभ्यता ने उन्हें केवल पूजा नहीं, उन्हें बार-बार इसलिए पुनर्सृजित किया है कि कोई भी युग बिना श्रीराम के आदर्श नायकत्व के अधूरा है।

रामकथा का भौगोलिक विस्तार

तुलसीदास ने 'रामचरितमानस' के माध्यम से राम को लोकभाषा और भक्ति की एक ऐसी धारा में उतारा है, जिसने उन्हें राजमहलों और विद्वानों के संसार से निकालकर आमजन के जीवन का अभिन्न हिस्सा बना दिया। रामलीलाओं ने उन्हें जनमानस में प्रतिष्ठित किया, लोकगीतों ने उन्हें गांव-गांव तक पहुंचाया, चित्रकला ने उनके अनेक रूप गढ़े, मंदिरों ने उनके लिए असंख्य स्थापत्य रचे और श्रीराम की वर्षों तक चली यात्राओं ने रामकथा को भौगोलिक विस्तार प्रदान किया। अयोध्या से चित्रकूट, पंचवटी से रामेश्वरम तक फैला भूगोल आज भी एक ऐसी सांस्कृतिक स्मृति का विस्तार है, जिसमें रामकथा और उनके साक्षी रहे अनेक स्थल एक-दूसरे में घुल-मिल जाते हैं, यही राम की सभ्यतागत महाशक्ति है।







स्थापित किया मर्यादा का आदर्श

भारतीय जनमानस में श्रीराम के साथ ही श्रीकृष्ण और शिव भी युगों से आराध्य हैं। श्रीकृष्ण भारतीय चेतना में जटिल परिस्थितियों के बीच, विवेक, रणनीति और जीवन की बहुरंगी लीला के नायक हैं, जबकि शिव विराग, तप, संहार और पुनर्सृजन का प्रतिनिधित्व करते हैं। श्रीराम का विराट स्वरूप ऐसा है कि वे संसार से दूर नहीं जाते और न ही हर परिस्थिति को अपनी इच्छा के मुताबिक मोड़ते हैं। वे संसार के भीतर रहकर मर्यादा का अर्थ खोजते हैं। श्रीकृष्ण हमें बताते हैं कि जटिल संसार में धर्म को कैसे पहचाना जाए? शिव हमें चेताते हैं कि आसक्ति से परे उठना क्या होता है? लेकिन राम अपने जीवन से संदेश देते हैं कि मनुष्य होकर अपनी शक्ति, इच्छा और अधिकार को मर्यादा में कैसे रखा जाए? इसलिए श्रीराम का चरित्र भारतीय सभ्यता के लिए केवल धार्मिक आदर्श नहीं है, उनके जीवन से आदर्श सामाजिक संरचना का भी एक आधार रूप निर्मित होता है।

सामाजिक सहभागिता के पोषक

श्रीराम की कथा में एक और महत्वपूर्ण बात निहित है। उनकी विजय अकेले उनकी विजय नहीं है। राम जब वन में जाते हैं तो निषादराज उनके साथ मित्रवत खड़े दिखाई देते हैं। सुग्रीव और वानर समुदाय उनके संघर्ष में सहभागी बनते हैं। हनुमान, उनकी शक्ति का विस्तार बनते हैं, तो विभीषण शत्रु पक्ष से निकलकर उनके साथ आते हैं। कहने का मतलब रामकथा एक ऐसे नायक की कथा भी है, जो विविध समुदायों को साथ लेकर अपनी लोकयात्रा पूरी करता है। इस दृष्टि से भी श्रीराम भारतीय सभ्यता की बहुलतावादी स्मृति के नायक हैं।

प्रशस्त करते हैं आदर्श जीवन की राह

श्रीराम मर्यादित आदर्श जीवन की राह भी बताते हैं- शक्ति मिलने के बाद मनुष्य कैसा रहे? अधिकार मिलने के बाद उसका आचरण कैसा हो? निजी सुख और सार्वजनिक दायित्व में टकराव हो तो क्या चुना जाए? विजय के बाद अहंकार से कैसे बचा जाए और सबसे कठिन प्रश्न- क्या महान होना केवल दूसरों पर विजय पाना है या स्वयं पर नियंत्रण रखना भी महानता है? शायद इसी कारण श्रीराम की सबसे बड़ी विजय लंका पर विजय नहीं है, उनकी सबसे बड़ी विजय उस निरंतर मानवीय प्रयास में है, जिसमें मनुष्य शक्ति के बावजूद मर्यादा, संकट के बावजूद धैर्य और विजय के बावजूद आत्मसंयम बनाने की कोशिश करता है। *

विश्वव्यापी हैं श्रीराम

श्रीराम की कथा भारत की भौगोलिक सीमाओं तक ही नहीं सिमटती है। दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया की अनेक सांस्कृतिक परंपराओं में रामायण के अलग-अलग रूप मिलते हैं। कहीं श्रीराम आदर्श राजा हैं, कहीं राम नायक हैं, कहीं सांस्कृतिक पूर्वज और कहीं लोककथा के पात्र हैं। अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में कथा बदलती रही, पात्रों के नाम और अर्थ भी बदलते रहे, लेकिन श्रीराम की उपस्थिति निरंतर बनी रही। वास्तव में यही उनके अविराम होने का अर्थ है। श्रीराम, हर युग में एक जैसे नहीं रहे और शायद उन्हें एक जैसा रहना भी नहीं था। किसी युग ने उनमें मर्यादा देखी, किसी ने लोकमंगल, किसी ने आदर्श शासक, किसी ने त्याग, किसी ने करुणा और किसी ने मनुष्य के नैतिक संघर्ष का नायक।



दशहरे के पर्व से कई पौराणिक मान्यताएं और कथाएं जुड़ी हुई हैं। इनमें सबसे प्रमुख श्रीराम कथा, महिषासुर मर्दिनी दुर्गाजी की कथा और शमी वृक्ष शस्त्र पूजन कथा है। इन कथाओं में क्या निहितार्थ हैं और इनकी पूजन परंपरा के बारे में जानिए।

धर्म-सत्य-आत्मविजय का प्रतीक पर्व है दशहरा

निहितार्थ / वीरेंद्र बहादुर सिंह

दशहरा यानी विजय दशमी भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण पर्व है। यह दिन बुराई पर अच्छाई, अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक माना जाता है। हिंदू परंपरा में इस पर्व से भगवान श्रीराम द्वारा रावण के वध और देवी दुर्गा द्वारा महिषासुर के संहार की कथाएं जुड़ी हैं। देश के अलग-अलग क्षेत्रों में इसे अपनी-अपनी परंपराओं और मान्यताओं के अनुसार मनाया जाता है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाए जाने वाले इस पर्व का धार्मिक महत्व तो है ही, इसके साथ शस्त्र पूजन, शमी पूजन और नए कार्यों के शुभारंभ जैसी परंपराएं भी जुड़ी हुई हैं।

रावण पर श्रीराम की विजयः दशहरे की सबसे प्रसिद्ध कथा रामायण से जुड़ी है। सीता हरण के बाद श्रीराम और रावण के बीच भीषण युद्ध हुआ। अंततः श्रीराम ने रावण का वध किया। इसी स्मृति में दशहरे पर रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतलों का दहन किया जाता है। इसका संदेश केवल किसी पुतले को जलाने तक सीमित नहीं है। यह अपने भीतर मौजूद अहंकार, क्रोध, लोभ और अन्याय जैसी प्रवृत्तियों को समाप्त करने के संकल्प का भी प्रतीक माना जाता है।



महिषासुर मर्दन की कथाः विजय दशमी का संबंध देवी दुर्गा और महिषासुर की कथा से भी है। धार्मिक ग्रंथों में वर्णित मान्यता के अनुसार महिषासुर को ऐसा वरदान प्राप्त था कि कोई पुरुष उसका वध नहीं कर सकता था। वरदान के कारण उसका अहंकार बढ़ गया और उसने तीनों लोकों में उत्पात मचा दिया। देवताओं की शक्तियों के समन्वय से देवी दुर्गा का प्राकट्य हुआ। देवी ने महिषासुर से नौ दिनों तक युद्ध किया और दसवें दिन उसका वध किया। इसी कारण विजय दशमी को शक्ति और अनिष्ट पर विजय का प्रतीक माना जाता है। पश्चिम बंगाल और ओडिशा सहित कई क्षेत्रों में यह दिन विशेष उत्साह से मनाया जाता है।

श्रीराम-दुर्गा पूजनः दशहरे के दिन भगवान श्रीराम और देवी दुर्गा की पूजा करने की परंपरा है। पूजा के लिए घर के स्वच्छ स्थान को तैयार कर वहां भगवान राम अथवा देवी दुर्गा का चित्र या मूर्ति स्थापित की जाती है। स्वच्छ वस्त्र धारण कर पूजा स्थल को साफ करें और श्रद्धानुसार कलश स्थापित करें। कलश में जल, आम के पत्ते और नारियल रखने की परंपरा है। इसके बाद भगवान श्री गणेश का पूजन करें। उन्हें फूल, धूप, दीप और नैवेद्य अर्पित करें। फिर श्रीराम और देवी दुर्गा को रोली, अक्षत, पुष्प अर्पित करें। फल और मिठाई का भोग लगाएं। 'ॐ दुर्गायै नमः' या 'श्री रामाय नमः' मंत्र का जाप करें। अंत में आरती करें।

पांडवों और शमी वृक्ष की परंपराः दशहरे से महाभारत की एक घटना भी जोड़ी जाती है। मान्यता है कि पांडवों ने अपने 12 वर्ष के वनवास और एक वर्ष के अज्ञातवास के दौरान अपने शस्त्र शमी के वृक्ष पर छिपा दिए थे। अज्ञातवास पूरा होने के बाद उन्होंने विजय दशमी के दिन अपने शस्त्र वापस प्राप्त किए। इसी परंपरा के कारण दशहरे पर शस्त्रपूजन और शमी पूजन का विशेष महत्व माना जाता है। प्राचीन समय में योद्धा और सैनिक विजय दशमी पर अपने शस्त्रों की पूजा करते थे। आज इस परंपरा का विस्तार हो गया है। व्यापारी अपने प्रतिष्ठान, कारीगर अपने औजार, किसान कृषि उपकरण, चालक वाहन और दूसरे पेशे से जुड़े लोग अपने कार्य में उपयोग होने वाली वस्तुओं का पूजन करते हैं। पूजा के लिए उपकरणों को साफ करके स्वच्छ स्थान पर रखें। रोली, अक्षत और पुष्प अर्पित करें। दीप जलाकर अपने कार्य में सफलता, सुरक्षा और सद्बुद्धि की प्रार्थना करें। इस परंपरा का आधुनिक अर्थ यह भी हो सकता है कि हम उन साधनों का सम्मान करें, जिनसे हमारी आजीविका चलती है और उनका जिम्मेदारी से उपयोग करें। दशहरे की शाम श्रद्धालु शमी वृक्ष के पास जाकर जल, अक्षत और कुमकुम अर्पित करते हैं। इन धार्मिक विधियों का पालन अपनी पारिवारिक और क्षेत्रीय परंपरा के अनुसार किया जा सकता है।

दशहरे का संदेशः दशहरे का महत्व केवल रावण दहन या पूजा तक सीमित नहीं है। आज के समय में इसका सबसे उपयोगी संदेश आत्मचिंतन और आत्मसंयम से जुड़ा है। हम अपने भीतर के अहंकार को कैसे मिटा सकते हैं? क्रोध पर कितना नियंत्रण रख सकते हैं? दूसरों के अधिकार और सम्मान का कितना ध्यान रखते हैं? अपने काम में ईमानदारी और जिम्मेदारी कितनी निभाते हैं? ये प्रश्न विजय दशमी के अवसर पर स्वयं से पूछकर आत्मविवेचन करना चाहिए। रावण का पुतला जलाने के साथ यदि हम अपने भीतर की किसी एक नकारात्मक आदत को छोड़ने का संकल्प भी लें, तो पर्व का संदेश हमारे दैनिक जीवन से जुड़ सकता है। विजय दशमी का पर्व हमें याद दिलाता है कि वास्तविक विजय केवल किसी बाहरी शत्रु पर नहीं, बल्कि अपने भीतर के अहंकार, क्रोध, लोभ और अन्याय पर नियंत्रण पाने में भी है। यही दशहरे की परंपरा को वर्तमान जीवन में सार्थक बनाने का उचित मार्ग है। *



दोहे
प्रो. शरद नारायण खरे

विजया दशमी के दोहे

विजया दशमी पर्व तो, कहे यही हर बार।
नीति, सत्य, सत्कर्म से, पलता है उजियार।।
अहंकार से हो सदा, इंसां की तो हार।
विनत भाव से हो सतत, मानव का सत्कार।।
मर्यादा का आचरण, करे विजय-उद्घोष।
कितना भी सामर्थ्य पर, खोना ना तुम होश।।
लंकापति मद में भरा, करता था अभिमान।
तभी हुआ संपूर्ण कुल, का देखो अवसान।।
विजया दशमी पर्व नित, देता यह संदेश।
विनत भाव से जो रहे, उससे हार क्लेश।।
निज गरिमा को त्यागकर, रावण बना असंत।
इसीलिए असमय हुआ, उस पापी का अंत।।
पुतला रावण का नहीं, जलता पाप-अधर्म।
समझ-बूझ लें आप सब, यही पर्व का मर्म।।
विजय राम की कह रही, सम्मानित हर नार।
नारी के सम्मान से, ही सुखमय संसार।।
उजियारा सबने किया, हुई राम की जीत।
आओ हम गरिमा रखें, बनें सत्य के मीत।।
कहे दशहरा मारना, अंतर का अंधियार।
भीतर जो रावण रहे, उस पर करना वार।।
बुरे कर्म ना पोसना, वरना तय अवसान।
निरभिमान की भावना, लाती है उत्थान।।

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

यूं तो एक पुस्तक लिखकर भी कालजयी लेखक हुआ जा सकता है, तिस पर प्रकाश जी की तेरह पुस्तकें छप चुकी हैं। वह काल से परे हो चुके हैं। प्रकाश जी की विशेषता है कि वे फुटकर में नहीं लिखते। जब भी लिखते हैं, मोटा ग्रंथ ही लिखते हैं।

सम्मान की शॉलें और बेनतीजा बहसें

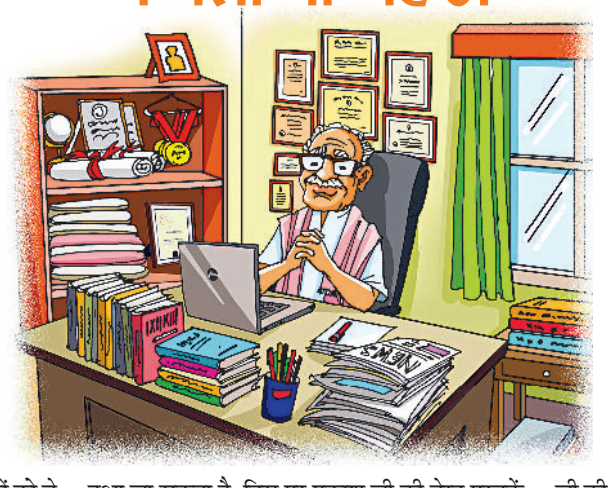

एक हैं प्रकाश जी, दूसरे हैं परीक्षित जी। एक ही शहर में रहते हैं। दोनों में कुल जमा दो बातों को छोड़कर और कुछ भी उभयनिष्ठ नहीं है। वो ये है कि दोनों स्वयं की दृष्टि में व्यंग्य के बड़े लेखक और प्राध्यापक हैं। दूसरी बात, दोनों के नाम के आगे 'डॉक्टर' और पीछे 'जी' लगा हुआ है। ये दोनों जहां पर भी आमंत्रित होते हैं, अपने सम्मान की शॉलें घर से ओढ़कर जाते हैं। प्रकाश जी कहते हैं, 'घर पर ऐसी ही पचास शॉलें रखी हुई हैं।' परीक्षित जी कहते हैं, 'अपने पास तो इतनी शॉलें हैं कि एक ठीक-ठाक दुकान खुल सकती है।'

प्रकाश जी की विशेषता है कि वे फुटकर में नहीं लिखते। जब भी लिखते हैं, मोटा ग्रंथ ही लिखते हैं। उनकी एक पुस्तक तीन-चार साल में प्रकाशित होती है। उसकी सरकारी खरीद हो जाती है। वह पुस्तक सार्वजनिक पुस्तकालयों में संरक्षित हो जाती है। इस तरह प्रकाशित बीस प्रतिशत पुस्तकें, प्रकाशक उनको रॉयल्टी के बदले सौंप देते हैं। इसका कुछ भाग पत्र-पत्रिकाओं में समीक्षा के नाम पर भेंट चढ़ जाता है। यथा आवश्यकता प्रकाश जी खुद ही समीक्षा लिखते हैं और अपने घनिष्ठ मित्रों के नाम से छपाने का जुगाड़ बिठाते हैं। बच गई बाकी पुस्तकों को वे सुपात्रों को 'सप्रेम भेंट' कर देते हैं। इस तरह वे सतत चर्चा में बने रहते हैं। आखिर मुफ्त की भेंट की चर्चा सभी करते हैं।

यूं तो एक पुस्तक लिखकर भी कालजयी लेखक हुआ जा सकता है, तिस पर प्रकाश जी की तेरह पुस्तकें छप चुकी हैं तो वे काल से परे हो चुके हैं। प्रकाश जी खुद भी मानते हैं कि इतने सृजन के पश्चात साहित्य में जिसे अमर होना कहा जाता है, वह वे हो चुके हैं। दूसरे लेखक उन्हें अमर मानें न मानें, वे इसकी परवाह नहीं करते। उनकी मान्यता है कि अंतरात्मा की आवाज ही सच्ची होती है और उनकी अंतरात्मा से सतत अमर होने की ध्वनि आती रहती है।

परीक्षित जी कुछ अलग किस्म के जीव हैं। व्यवस्थित लिखाड़ हैं। प्रकाश जी कलम से लिखते हैं तो परीक्षित जी लैपटॉप में। परीक्षित जी फुटकर में लेखन करते हैं। वे पुस्तकों को घास का गट्ठर बांधना कहते हैं। उनका दावा है कि अगर वे अपने व्यंग्य लेखों को संकलित कर छपवा दें तो बीस-बाइस गट्ठर तैयार हो सकते हैं। परीक्षित जी कम-से-कम बीस समाचार पत्रों में नियमित स्तंभ लिखते हैं। वे व्यंग्य लेखन को नित्य कर्म की तरह करते हैं। कभी-कभी तो बाथरूम में भी लैपटॉप लेकर बैठ जाते हैं। अखबारों के पाठक उनके लेखों से ज्यादा परीक्षित जी के नाम से परिचित हैं, इसलिए परीक्षित जी एक सुपरिचित लेखक कहे जाते हैं।

प्रकाश जी और परीक्षित जी के खेमे अलग-अलग हैं। शाश्वत लेखन और तात्कालिक लेखन की पारस्परिक श्रेष्ठता को लेकर दोनों के खेमे लगभग हर माह संगोष्ठियों के बंदनवार सजा देते हैं। कभी इस शहर में तो कभी उस शहर में पताकाएं फहरती रहती हैं। एक जैसी और बेनतीजा समाप्त होने वाली इन संगोष्ठियों से सिर्फ इतना होता है कि कभी प्रकाश जी की शॉलों की संख्या बढ़ जाती है तो कभी परीक्षित जी की।

बहरहाल, दोनों ही आश्वस्त हैं कि उनके चलते व्यंग्य लेखकों में राजनीति, गुटबाजी, मस्काबाजी, पुरस्कार के जोड़-तोड़ और फिजूल बहसबाजी की पुरातन परंपरा आज भी बदस्तूर जारी है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

काव्यचेतना का उद्घोष

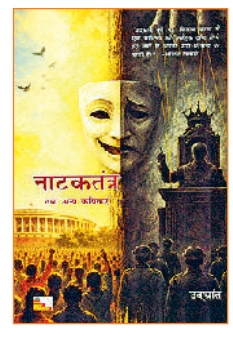

वरिष्ठ कवि उद्भ्रांत अनेक विधाओं में करीब छह दशकों से निरंतर सक्रिय हैं। काव्य सृजन के क्षेत्र में उनकी रचनाशीलता ने नए आयाम स्थापित किए हैं। लगभग पांच दशक बाद उनके चर्चित कविता संग्रह 'नाटकतंत्र तथा अन्य कविताएं' का पुनर्प्रकाशन हुआ है। इस संग्रह में कुल बारह कविताएं हैं। इनमें ग्यारह छोटी और एक बड़ी कविता शामिल है। 'कविता के विरुद्ध' कविता की पंक्तियां 'यह आग किसी को जला देती है/ और किसी को तपा देती है।' न केवल अपने रचे जाने के दौर में बल्कि आज के समय में भी कविता की सामर्थ्य और उसकी विवशता का आख्यान प्रस्तुत करती हैं। 'इनके गुस्से को शांत करें' कविता की ये पंक्तियां, 'सन्नाटे का शोर/इसलिए बढ़ रहा है/क्योंकि इनका पारा/सातवें आसमान पर चढ़ रहा है।' आज से पांच दशक पहले की सामाजिक-राजनीतिक परिस्थिति का सटीक चित्रण प्रस्तुत करती हैं। दशकों बाद भी इन कविताओं की प्रासंगिकता बनी हुई है। *

पुस्तकः नाटकतंत्र तथा अन्य कविताएं, **लेखकः** उद्भ्रांत, **मूल्यः** 225 रुपए, **प्रकाशकः** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

लघुकथा / बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

कमी पूरी हो गई

जैसे ही महेंद्र वहां पहुंचा, एक युवक ने प्रशंसात्मक भाव से कहा, 'आप जिन सधे कदमों से अंदर आए वह आपके व्यक्तित्व को बताता है। आप यहां बैठिए।' उसने बगल में खाली कुर्सी की ओर इशारा किया।

उसे आश्चर्यमिश्रित प्रसन्नता हुई और बैठते हुए उसके मुंह से निकला, 'धन्यवाद।' इस बीच एक अन्य युवक कमरे में दाखिल हुआ। वह उसके बाजू वाली कुर्सी पर आकर बैठा ही था कि उसके चेहरे पर नजर पड़ते ही बोल उठा, 'आपकी हेयरस्टाइल बहुत बढ़िया है, आपके चेहरे पर जंच रही है।'

महेंद्र फूलकर कुप्पा हो गया और बोला, 'शुक्रिया।' उसके स्वर में आत्मविश्वास झलक रहा था। इंटरव्यू प्रारंभ होने वाला था। इस बीच सामने वाली कुर्सी पर बैठा युवक कुछ देर उसे ध्यान से देखता रहा, फिर कहने लगा, 'आपके कपड़ों की फिटिंग और आपकी कलर चॉइस लाजवाब है। मैं भी कुछ इसी तरह से पसंद करता हूं।' फिर उसने पूछा, 'आप कपड़े कहां से सिलवाते हैं?'

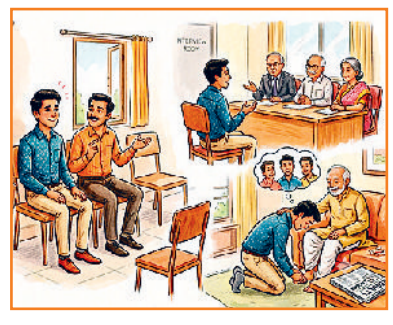

महेंद्र ने मुस्कराते हुए उसे टेलर का नाम बताया, फिर कुछ खुलकर कहा, 'तारीफ के लिए धन्यवाद। जानकर खुशी हुई कि आपकी पसंद भी मेरी तरह है।' तभी महेंद्र का नाम पुकारा गया। वह साक्षात्कार कक्ष की ओर बढ़ा तो महसूस हुआ कि उसकी चाल कुछ सधी हुई है। वह अनुमति लेकर साक्षात्कारकर्ताओं के सामने की कुर्सी पर धीरे से बैठ गया। उसके होंठों पर सहज स्मित थी। उसने पूछे गए सभी प्रश्नों के उत्तर आत्मविश्वास के साथ दिए। हालांकि इक्का-दुक्का सवालों के सटीक जवाब वह नहीं जानता था, फिर भी हड़बड़ाया या हकलाया नहीं। बाहर निकला तो सोचा कि तारीफ करने वालों का एक बार फिर आभार व्यक्त कर दूं, किंतु उनमें से कोई चेहरा नजर नहीं आया।

महेंद्र को आश्चर्य तो हुआ कि वे लोग इंटरव्यू के बिना ही कैसे चले गए, पर उसने इस बारे में ज्यादा सोचा नहीं। एक महीने बाद अंतिम परिणाम घोषित हुआ तो महेंद्र अच्छी रैंक के साथ चयनित हो गया था। उसे आठ अलग-अलग प्रयासों के बाद अंततः नवीं कोशिश में नौकरी मिल गई थी। जब वह पिता का आशीर्वाद लेने पहुंचा तो दिल में उमड़ता प्रश्न होंठों पर आ ही गया, 'पापा, पता नहीं क्यों मैं पहले इंटरव्यू के दौरान हताश हो जाता था, परंतु इस बार तो जैसे चमत्कार हो गया। मुझे थोड़ी-सी भी झिझक या भय महसूस नहीं हुआ।' पिता उसे गले लगाते हुए बोले, 'बेटा, तुम्हारी समझ और जानकारी कभी कम नहीं थी। कमी थी तो सिर्फ आत्मविश्वास की। यह कमी मेरे भेजे लोगों ने पूरी कर दी।'

सहसा महेंद्र की आंखों के सामने वे तारीफ करने वाले चेहरे उभर आए। *

मुरैना के दिव्यांग पुनर्वास केंद्र पहुंचे सीएम डॉ. मोहन यादव, बच्चों से किया संवाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनविश्वास अभियान अंतर्गत मुरैना जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र में दिव्यांगजनों के उपचार, पुनर्वास एवं समग्र विकास के लिए उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का अवलोकन किया तथा व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्र में संचालित न्यूरोलॉजिकल पुनर्वास कक्ष, बाल पुनर्वास कक्ष, शिशु एवं बाल चिकित्सा उपचार कक्ष तथा विद्युत चिकित्सा कक्ष सहित विभिन्न कक्षों का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां दिव्यांग बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही उपचार एवं चिकित्सा सुविधाओं, पुनर्वास की व्यवस्थाओं तथा उनकी प्रगति के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री के स्कूल पहुंचने पर विद्यार्थियों और अध्यापकों ने मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना, मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) डॉ. सुदाम खाड़े, संभागीय आयुक्त मनोज खत्री, कलेक्टर मुरैना लोकेश कुमार जांगिड़, पुलिस अधीक्षक मुरैना धर्मराज मीणा सहित जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

ट्राइसाइकिल व्हील चेयर समेत सहायक उपकरण वितरित, बच्चों ने हाथों से बनाई गौशाला पेंटिंग की भेंट



जनविश्वास अभियान के तहत दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र के बच्चों के बीच सीएम।

दिव्यांग बच्चों से आत्मीय संवाद कर बढ़ाया उत्साह

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्र में उपस्थित दिव्यांग बच्चों से आत्मीय संवाद किया। उनके अनुभवों एवं गतिविधियों के बारे में चर्चा की। मुख्यमंत्री को दिव्यांग बच्चों ने अपने हाथों से बनाई गई गौशाला की पेंटिंग भेंट की। एक बच्चे ने विभिन्न राष्ट्रीय प्रतीकों को सांकेतिक चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत करते हुए उनके बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बच्चों की रचनात्मकता, प्रतिभा एवं आत्मविश्वास की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बच्चों के साथ आत्मीयता से संवाद कर उनका मनोबल बढ़ाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिव्यांगजनों को विभिन्न सहायक उपकरण भी वितरित किए। इनमें ट्राइसाइकिल, व्हील चेयर, बैसाखी, छड़ी, घुटने के सहायक पट्टे, दृष्टिबाधितजनों के लिए विशेष छड़ी, कॉलर बेल्ट एवं श्रवण यंत्र शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने किया उत्कृष्ट विद्यालय मुरैना का निरीक्षण

सीएम ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत मुरैना के उत्कृष्ट विद्यालय क्र.-1 में पहुँचकर विद्यालय का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों से विज्ञान और गुरुत्वाकर्षण के संबंध में संवाद किया। इसके साथ ही विद्यालय में स्थापित प्रयोगशाला का निरीक्षण कर प्रयोगशाला के बारे में भी विद्यार्थियों से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों की कक्षा में पहुंचकर बच्चों से विज्ञान विषय के संबंध में संवाद किया। उन्होंने विद्यालय की विभिन्न कक्षाओं का भी अवलोकन किया।

खबर संक्षेप

जीएमसी में फैकल्टी सदस्यों ने दिया स्किल लैब सिमुलेशन प्रशिक्षण

भोपाल। आधुनिक चिकित्सा शिक्षा में केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में व्यावहारिक दक्षता एवं रोगी सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक कौशल विकसित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यह बात गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में मेडिकल एजुकेशन यूनिट द्वारा फैकल्टी सदस्यों के लिए स्किल लैब एवं सिमुलेशन आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीन डॉ कविता एन सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा में स्किल लैब का विशेष महत्व है। इसके माध्यम से स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थी मरीजों पर किसी प्रक्रिया को करने से पूर्व नियंत्रित एवं सुरक्षित वातावरण में बार-बार अभ्यास कर सकते हैं।

भावांतर योजना के लिए पंजीयन अवधि 24 अक्टूबर तक बढ़ाई

भोपाल। राज्य शासन ने किसानों के व्यापक हित में ई-उपार्जन पोर्टल पर सोयाबीन के पंजीयन की अवधि 24 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। भारत सरकार की भावांतर योजना में खरी 2026 में ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन की अवधि 3 से 17 अक्टूबर तक निर्धारित थी। इस संबंध में सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए गए हैं। उन्हें पंजीकृत कृषकों का सत्यापन भी इस अवधि में पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

दीपावली से पहले आयोजित होगा चंबल संभाग स्तरीय औद्योगिक सम्मेलन

औद्योगिक विकास को गति देने और निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है राज्य सरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

- चंबल एक्सप्रेस-वे के आसपास नवीन औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की संभावनाओं पर हुई चर्चा
- जनविश्वास अभियान के तहत मुख्यमंत्री ने उद्यमियों से किया संवाद

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य शासन प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने तथा निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उद्योगों की स्थापना एवं विस्तार के लिए शासन की ओर से हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि दीपावली से पहले चंबल संभाग स्तरीय औद्योगिक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

इससे क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं को विस्तार देने और नए उद्योगों की स्थापना के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को जनविश्वास अभियान के तहत मुरैना में आयोजित उद्यम संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों से संवाद कर क्षेत्र में औद्योगिक विकास, निवेश, रोजगार सृजन, निर्यात तथा उद्योगों के विस्तार से जुड़े विषयों पर चर्चा की। संवाद में 20 उद्यमी शामिल हुए। शासन से प्राप्त सहयोग, उपलब्ध सुविधाओं तथा विभिन्न विभागों के साथ समन्वय के संबंध में अपने अनुभव साझा किए।



मुरैना में उद्यम संवाद कार्यक्रम में सीएम शामिल हुए।

बायोरा एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड की पहल की भी सराहना की

मुख्यमंत्री ने मै. बायोरा एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड की पहल की भी सराहना की। यह कंपनी बायोमास पैलेट्स का निर्माण करती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की औद्योगिक इकाइयां फसल अवशेषों के बेहतर उपयोग और पराली प्रबंधन को प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। कृषि अपशिष्ट से बायोमास पैलेट्स एवं बायोचार का निर्माण कर अपशिष्ट का उपयोगी संसाधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

दीपावली तक उत्पादन प्रारंभ करने की तैयारी

उद्यम संवाद में सिनोरिया फार्मा के उद्यमी कपिल सत्यवानी ने बताया कि उनकी इकाई का भूमि-पूजन मुख्यमंत्री की ओर से वर्ष 2024 में वर्चुअली किया गया था। इकाई में चिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा संबंधी उपकरणों का निर्माण किया जाएगा। निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और दीपावली तक उत्पादन प्रारंभ करने की तैयारी है। इस इकाई में लगभग 6 करोड़ का निवेश किया है। सीएम ने इकाई की स्थापना एवं उत्पादन प्रारंभ करने की दिशा में किए गए प्रयासों के लिए उद्यमी को बधाई दी।

स्थानीय स्तर पर बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि पोरसा और सबलगढ़ सहित क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार की संभावना है। उद्योगों की स्थापना से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास का लाभ सभी क्षेत्रों तक पहुंचना चाहिए, ताकि स्थानीय युवाओं को अपने क्षेत्र में ही रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकें और समग्र क्षेत्रीय विकास को गति मिले।

प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की दिशा में प्रभावी पहल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मै. एजीआई ग्रीन पैक की ग्लास विनिर्माण इकाई की सराहना करते हुए कहा कि ग्लास उद्योग को प्रोत्साहित कर प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की दिशा में प्रभावी पहल की जा सकती है। मप्र को प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से पर्यावरण अनुकूल विकल्पों को बढ़ावा देने तथा उद्योगों में इनके उपयोग की संभावनाओं पर कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संवाद में बटेश्वर इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के संजीव कुचिया, मै. योगराज हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के पुनीत बंसल, मै. एजीआई ग्रीन पैक के पी. गिरिधर, मै. फ्यूमा लैब्स प्राइवेट लिमिटेड के शुभम सिंह, मै. अन्नपूर्णा दाल मिल के संजय शर्मा, मै. बायोरा एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के आशीष गुप्ता, मै. सिंघसा मेडीकेयर के विश्वजीत सिंह तथा मै. सिनोरिया फार्मा के कपिल सत्यवानी सहित अन्य उद्यमियों से चर्चा की।

छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम साव चोटिल: रायपुर। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव लोरमी में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम के दौरान पैर में चोट लगने से घायल हो गए हैं। उन्हें उपचार के लिए बिलासपुर स्थित सिम्स अस्पताल ले जाया गया।

GURUGRAM GLOBAL COLLEGE OF PHARMACY
5 KM MILESTONE, KHEDA KHURAMPUR, FARRUKHNAGAR, GURUGRAM-122506
Website : www.ggcp.co.in Email : ggcpgurugram@gmail.com Tel. 8053980002
(Approved by PCI, Affiliated to Pt. B.D.Sharma Uni. of Health Sc., Rohtak & HSBTE)

Admission to EWS Category & TFW Category

Applications are invited from the eligible candidates for admission against vacant seats in B.Pharmacy under **Economically Weaker Section (EWS) and Tuition Fees Waiver (TFW)** categories for the year 2026-27 as per PCI/HSTES/University guidelines.

Admission under above mentioned categories will be made strictly on the merit basis. Application form to fill the seats for above categories is available on the College website.

Last date for the submission of filled application with all required documents in the Institute is **26th October, 2026 till 1:00 PM**. Merit list will be displayed on **26th October, 2026 till 5:00 PM**.
Admission Counseling will be on **27th October, 2026** in the College campus from 10:00 AM onwards.

Chairman

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी ज्योति, पत्नीः** श्री हरीश डबास, **पताः** प्लॉट RHS प्लॉट RZ S171 ब्लॉक–S, न्यू रोशनपुरा, नजफगढ़, **नई दिल्ली Ct. Case No. 701/2020, U/s: 135 IE ACT पुलिस थानाः नजफगढ़, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **ज्योति,** मिल नही रही है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **ज्योति,** फरार हो गयी है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रही है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **ज्योति, Ct. Case No. 701/2020, U/s: 135 IE ACT पुलिस थानाः नजफगढ़, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.11.2026** को या उससे पहले हाजिर हो। **आदेशानुसार**
सुश्री. हरलीन सिंह
अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (दक्षिण–पश्चिम)
विशेष न्यायालय विद्युत, कोर्ट नं. 609
द्वारका जिला कोर्ट, नई दिल्ली

DP/14945/DW/2026
(Court Matter)

मैसर्स फोर्टेशिया रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड
रजि. कार्यालय जे-२२१, सरिता विहार, नई दिल्ली-११००७६

सार्वजनिक सूचना

मैसर्स फोर्टेशिया रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड, हरियाणा के रोहतक जिले के कलानौर तहसील के गॉव ऑवल में, 116.325 एकड़ क्षेत्र में "फोर्टेशिया इंडस्ट्रियल टाउनशिप" नामक प्रोजेक्ट विकसित कर रही है। यह प्रोजेक्ट डायरेक्टर, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, हरियाणा, चंडीगढ़ द्वारा जारी किए गए निम्नलिखित लाइसेंसों के अनुसार है लाइसेंस नंबर 86/2026 (दिनांक 07.05.2026), लाइसेंस नंबर 164/2026 (दिनांक 14.08.2026), लाइसेंस नंबर 84/2025 (दिनांक 28.05.2025) और लाइसेंस नंबर 185/2025 (दिनांक 24.09.2025)। इसके अतिरिक्त, इसमें 22.2375 एकड़ क्षेत्र के लिए जारी लाइसेंस नंबर 86/2024 (दिनांक 15.07.2024) भी शामिल है, जिसे अथॉरिटी द्वारा रजिस्ट्रेशन नंबर HRERA-PKL-ROH-653-2025 (दिनांक 09.01.2025) के तहत पंजीकृत किया गया है।
इस प्रोजेक्ट को RERA अथॉरिटी से मंजूरी मिल गई है, जिसका RERA रजिस्ट्रेशन नंबर HRERA-PKL-ROH-795-2025 (दिनांक 28.11.2025) है। यह सर्टिफिकेट वेबसाइट haryanarera.gov.in पर भी अपलोड कर दिया गया है।
कंपनी के एचडीएफसी बैंक में तीन रेरा खाते हैं,जो नीचे दिए गए हैं:
खाता संख्या 99990334445555 (70% एस्क्रो खाता)
खाता संख्या 99990334443333 (30% निःशुल्क खाता)
खाता संख्या 99990334444444 (100% मास्टर खाता)
बैंक का नाम : एचडीएफसी बैंक
बैंक ब्रांच : 21 सी, फरीदाबाद
IFSC कोड : HDFC0000615
MICR कोड : 110240106 **ब्रांच कोड : 0615**

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 18.10.2026

परियोजना प्रमुख
मैसर्स फोर्टेशिया रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **अब्दुल मुनफ चौधरी** पुत्रः फारूकी चौधरी, पताः मकान नं. सी–79, ग्राउड फ्लोर, फ्रीडम फाइटर, एन्कलेव साकेत, नई दिल्ली, **FIR No.: 620/2026, U/s: 316(2)BNS, दिनांक : 07.12.2025,** थानाः राजौरी गार्डन, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि इन्होनें किया है) और इन पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अब्दुल मुनफ चौधरी** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अब्दुल मुनफ चौधरी** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No.: 620/2026, U/s: 316(2) BNS,** थानाः राजौरी गार्डन, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्ती **अब्दुल मुनफ चौधरी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **21.11.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
शशांक नन्दन भट्ट
महानगर दण्डाधिकारी (पं.)
कमरा नं.356, तीसरी मंजिल
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/14412/WD/2026
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **ईश कुमार निझावन, निदेशक, मेसर्स आइस बर्ग ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड, सी–654, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, नई दिल्ली Ct Case No. 32/2019 U/s 138/NI Act थानाः जाफराबाद, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया हैकि उक्त अभियुक्त **ईश कुमार निझावन** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गए है कि उक्त अभियुक्त **ईश कुमार निझावन** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **Ct Case No. 32/2019 U/s 138/NI Act थानाः जाफराबाद, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **ईश कुमार निझावन** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **25.11.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री मनीषा भाऊ
जेएमएफसी, कमरा नंबर 05
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/14832/NE/2026
(Court Matter)

विक्रेता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

अवैध तरीके से तेजाब बेचने पर दुकान संचालक पर कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ बालोद

जिले में 22 वर्षीय छात्रा पर हुए तेजाब हमले के मामले में पुलिस जांच की आंच अब दुर्ग तक पहुंच गई है। पुलिस ने हमले के लिए इस्तेमाल किया गया सल्फ्यूरिक एसिड बिना वैध दस्तावेज के बेचने वाले दुकान संचालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।जांच में खुलासा हुआ कि आरोपियों ने दुर्ग स्थित एक साइंटिफिक प्रोडक्ट की दुकान से 500 एमएल सल्फ्यूरिक एसिड 250 रुपये में खरीदा था। दुकानदार बिक्री का लाइसेंस, खरीदारों का पंजीयन रजिस्टर और पहचान पत्र से जुड़े दस्तावेज पुलिस के सामने पेश नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की है।



वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका विक्रेता

जब पुलिस ने उससे एसिड बिक्री का वैध लाइसेंस, बिक्री रजिस्टर, खरीदारों के नाम, पते और मोबाइल नंबर से संबंधित दस्तावेज मांगे, तो वह कोई वैध रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने उसके खिलाफ छत्तीसगढ़ एसिड का विनियमन, प्रतिबंध, विक्रय एवं उपयोग अधिनियम, 2013 की धारा 15(1) के तहत अपराध पंजीकृत किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) शोभराज अग्रवाल ने बताया कि तेजाब की अवैध बिक्री पर पुलिस ने यह कार्रवाई की।

विभिन्न उद्योगों में कार्यरत 30 हजार लोगों की सूची तैयार

दुर्ग जिले में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई तेज

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

जिले में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए पुलिस प्रशासन ने भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) और अन्य उद्योगों में कार्यरत करीब 30 हजार ठेका श्रमिकों और कर्मचारियों की विस्तृत सूची तैयार की है। संदिग्धों का सत्यापन करने के लिए विशेष कार्यबल (एसटीएफ) की एक टीम को कोलकाता भेजा गया है। पुलिस विभाग बीएसपी और अन्य संयंत्रों में काम करने वाले संदिग्धों का पूरा ब्योरा तैयार कर रहा है, ताकि नियम के तहत आगे की विधिक कार्रवाई की जा सके। जिन बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ कोई गंभीर आपराधिक मामला दर्ज नहीं है, उनके संदर्भ में राज्य सरकार के माध्यम से प्राथमिकी वापस लेने का प्रस्ताव भेजा जाएगा। इसके बाद उन्हें वापस भेजने यानी डिपोर्ट करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) भी तैयार की गई है।

पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार और उप्र के लोग भी शामिल

इससे पहले भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यरत 1,188 श्रमिकों के दस्तावेज की सघन जांच की गई थी। इस जांच के दौरान सात बांग्लादेशी नागरिकों को पहचान छिपाकर काम करते पकड़ा गया था, जिन्हें अदालत के आदेश के बाद जेल भेज दिया गया। जांच सूची में शामिल 101 लोगों के बारे में स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी थी। इनमें से 45 व्यक्तियों का भौतिक सत्यापन कराया गया। इसके अतिरिक्त बिना मुसाफिरी दर्ज कराए रह रहे 777 लोगों को चिह्नित किया गया। इनमें से पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार और उत्तर प्रदेश के रहने वाले 160 लोगों के स्थायी पते पर संदेह पत्र (सस्पेक्ट रोल) भेजे गए हैं। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि बांग्लादेशी नागरिक भारत सीमा में प्रवेश करने के बाद सबसे पहले कोलकाता पहुंचते हैं। वहां स्थानीय संपर्कों और बिचौलियों की मदद से वे देश के अन्य राज्यों में चले जाते हैं। फर्जी दस्तावेज के सहारे अलग-अलग शहरों में रहने लगते हैं और फिर धीरे-धीरे स्थानीय स्तर पर अपने नए पहचान पत्र बनवा लेते हैं।

बना लेते हैं फर्जी दस्तावेज

दुर्ग जिले में भी ऐसे कई मामले उजागर हुए हैं, जहां फर्जी पहचान पत्र के आधार पर बांग्लादेशी नागरिक बरसों से रह रहे थे। फर्जी दस्तावेज के आधार पर रहने के मामले में पुलिस ने पन्ना बीवी को गिरफ्तार किया है। बांग्लादेश के खुलना जिले की रहने वाली पन्ना बीवी 14 वर्ष की आयु में एक दलाल के जरिये भारत आई थी। वह कोलकाता के सोनागाछी क्षेत्र में करीब पांच वर्ष तक रही और फिर दिल्ली चली गई। दिल्ली में उसने अंजलि सिंह के नाम से फर्जी आधार कार्ड बनवाया। लगभग दो वर्ष पहले वह भिलाई आ गई और नेहरू मार्ग स्थित सब्जी व्यापारी सूरज साव के मकान में किराए पर रहने लगी।

मकान मालिक पर भी कार्रवाई

फर्जी आधार कार्ड से अगस्त 2024 में शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज में इलाज कराया। भिलाई पुलिस ने पन्ना बीवी और उसे मकान किराए पर देने वाले सूरज साव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सुपेला थाना क्षेत्र की कांट्रैक्टर कॉलोनी से पुलिस ने ज्योति रसेल उर्फ शाहिदा खातून और उसके पति मोहम्मद रसेल को पकड़ा है।

शिक्षकों और अधिकारियों की मौजूदगी में किया पदभार ग्रहण

विश्वविद्यालय के विकास में सहयोग का दिया आश्वासन

बीयू के नए कुलगुरु बेदिया ने संभाला कार्यभार, नई ऊर्जा के साथ विवि को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

कहा - नवरात्रि शक्ति की प्रेरणा है, सामूहिक प्रयास से होगा शैक्षणिक उन्नयन

राजधानी स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलगुरु प्रोफेसर दीनदयाल बेदिया ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय पहुंचकर अपना कार्यभार ग्रहण किया।

इस अवसर पर कुलगुरु कार्यालय में विवि के शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यभार ग्रहण करने के बाद विवि शिक्षक संघ द्वारा नवनियुक्त कुलगुरु का स्वागत किया गया। विश्वविद्यालय के विकास एवं शैक्षणिक उन्नयन में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया गया। नवागत कुलगुरु बेदिया ने कहा कि वर्तमान में मां दुर्गा की आराधना का पावन समय चल रहा है। मां दुर्गा शक्ति की प्रतीक हैं और उनसे हमें ऊर्जा, साहस तथा सकारात्मकता की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि हम सभी को नई ऊर्जा और सकारात्मक सोच के साथ मिलकर विवि परिवार को आगे बढ़ाना है तथा बरकतउल्ला विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए सामूहिक प्रयास करने हैं। उन्होंने विवि परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी ने मुझे अपने परिवार में स्वीकार किया है, इसके लिए मैं हृदय से धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि यदि ईश्वर ने हमें कोई दायित्व और अवसर प्रदान किया है, तो यह हमारा कर्तव्य है कि हम लोगों की अपेक्षाओं पर खरे उतरें तथा उनकी समस्याओं का समाधान करने का हरसंभव प्रयास करें।



बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलगुरु प्रो. दीनदयाल बेदिया ने कार्यभार ग्रहण किया। शिक्षक संघ ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

शिक्षक संघ ने दिया सहयोग का आश्वासन

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय शिक्षक संघ की अध्यक्ष प्रोफेसर मोना पुरोहित ने शॉल एवं श्रीफल भेंट कर नवनियुक्त कुलगुरु का स्वागत किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कुलगुरु के मार्गदर्शन में विवि अकादमिक उत्कृष्टता, शोध, नवाचार तथा संस्थागत विकास के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करेगा। शिक्षक संघ की ओर से विवि के हित में हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया गया। इस अवसर पर विवि के पूर्व कुलगुरु प्रोफेसर विवेक शर्मा एवं डॉ. एस.के. खटीक ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. एसबी सिंह सहित विवि के शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भोपाल में बनेगा 8 हजार क्षमता वाला मेगा कन्वेंशन सेंटर

भोपाल। मध्यप्रदेश को अंतर्राष्ट्रीय एमआईसीई पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। मुंबई में आयोजित एमआईसीई इंडस्ट्री लीडर्स कनेक्ट कार्यक्रम में टूरिज्म बोर्ड के अपर प्रबंध संचालक डॉ. अभय बेडेकर ने बताया कि भोपाल के सतगढ़ी में 172 एकड़ में 6 से 8 हजार क्षमता वाला कन्वेंशन सेंटर प्रस्तावित है। इंदौर और खजुराहो में पहले से बड़े सेंटर संचालित हैं। पर्यटन नीति 2025 के तहत 500 क्षमता वाले प्रोजेक्ट पर 10 करोड़ तक सब्सिडी और ग्रीन इवेंट पर 1 लाख तक प्रतिपूर्ति मिलेगी। आयोजकों के लिए सिटी एमआईसीई प्रमोशन ब्यूरो से सिंगल विंडो सुविधा दी जाएगी।

एसआईआर को लेकर चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब ये भी कहा जाने लगा है कि एसआईआर व ज्ञानेश कुमार तो केवल बहाना है, असली मकसद सत्ता हथियाना है। विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर की प्रक्रिया में गड़बड़ियां हुई हैं। इन आरोपों की निष्पक्ष जांच जरूरी है। वह मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी कर रहा है। वह मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी कर रहा है। दूसरी ओर, इस विरोध के बहाने भौंडा प्रदर्शन कर खुद को चर्चा में लाने की युवाओं की कोशिश भी खतरनाक रूप धारण कर रही है। प्रदर्शन के बीच में ही कुछ स्वयंभू पत्रकार भी अपनी रोटियां सेंकते दिख रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या सिर्फ एक मोबाइल और माइक लेकर आप पत्रकार बन सकते हैं? प्रशासन के लिए ऐसे लोगों को पहचानना कठिन होता है। दिल्ली में जंतर-मंतर पर कई लोगों ने खुद को मीडिया कर्मी बताकर बदसलूकी के आरोप लगाए हैं। अब समय आ गया है कि जब पत्रकारिता से जुड़े सभी संगठनों और मीडिया घरानों को स्वयं स्पष्ट और पारदर्शी मानक तय करने होंगे। कुल मिलाकर, सरकार, प्रशासन और आंदोलनकारियों सभी पक्षों को अहंकार छोड़कर संवाद की मेज पर आना चाहिए, ताकि देश की लोकतांत्रिक मर्यादा और सामाजिक ताना-बाना अक्षुण्ण बना रहे। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

एसआईआर की आड़ में सत्ता की सियासत



विश्लेषण

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

भारतीय राजनीति में कई बार किसी आंदोलन की शुरुआत एक मुद्दे से होती है, लेकिन धीरे-धीरे उसका दायरा बढ़ने लगता है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर चल रहा विवाद भी अब इसी मोड़ पर दिखाई दे रहा है। बीते दिनों वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने यह कहकर राजनीतिक बहस को नया मोड़ दे दिया कि मौजूदा आंदोलन का मकसद केवल मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई या उनके इस्तीफे तक सीमित नहीं है। यह लड़ाई अब 'रिजीम चेंज' यानी सत्ता परिवर्तन की लड़ाई है। उन्होंने इसे लोकतंत्र में नागरिकों का अधिकार भी बताया। उनके इस बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी को विपक्ष पर हमला करने का एक नया मुद्दा मिल गया।

एसआईआर का मूल उद्देश्य मतदाता सूची को दुरुस्त करना और उसमें मौजूद गलतियों को दूर करना है। सिद्धांत रूप में किसी भी लोकतंत्र में मतदाता सूची का सही होना जरूरी है। इसमें ऐसे लोगों के नाम होने चाहिए जो मतदान के पात्र हैं। जिन लोगों की मृत्यु हो चुकी है या जो निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मतदाता नहीं रह गए हैं, उनके नामों की समीक्षा भी जरूरी है। लेकिन इस प्रक्रिया का दूसरा पहलू भी है। यदि किसी वास्तविक मतदाता का नाम गलत तरीके से सूची से हट जाता है, तो वह अपने सबसे महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित हो सकता है।

इसलिए मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए। किसी का नाम हटाने से पहले उचित जांच होनी चाहिए और प्रभावित व्यक्ति को अपनी बात रखने का अवसर मिलना चाहिए। विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर की प्रक्रिया में गड़बड़ियां हुई हैं। इन आरोपों की निष्पक्ष जांच जरूरी है। हालांकि, आरोप लगना और आरोप साबित होना दो अलग-अलग बातें हैं। विपक्ष चाहता है कि चुनाव आयोग अपने फैसलों और कामकाज को लेकर जवाब दे। वह मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी कर रहा है।

वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने यह कहकर राजनीतिक बहस को नया मोड़ दे दिया कि मौजूदा आंदोलन का मकसद केवल मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई या उनके इस्तीफे तक सीमित नहीं है। यह लड़ाई अब 'रिजीम चेंज' यानी सत्ता परिवर्तन की लड़ाई है। उनके इस बयान के बाद बीजेपी को विपक्ष पर हमला करने का एक नया मुद्दा मिल गया।
एसआईआर का मूल उद्देश्य मतदाता सूची को दुरुस्त करना और उसमें मौजूद गलतियों को दूर करना है। सिद्धांत रूप में किसी भी लोकतंत्र में मतदाता सूची का सही होना जरूरी है। इसमें ऐसे लोगों के नाम होने चाहिए जो मतदान के पात्र हैं। जिन लोगों की मृत्यु हो चुकी है या जो निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मतदाता नहीं रह गए हैं, उनके नामों की समीक्षा भी जरूरी है।



राजनीतिक लड़ाई की परत

इस विवाद को सीधे सरकार बदलने की लड़ाई बताया जाने लगता है, तो यह समझना जरूरी हो जाता है कि आंदोलन का राजनीतिक लक्ष्य कितना व्यापक हो चुका है। प्रशांत भूषण के बयान का राजनीतिक महत्व इसी बात में है कि उन्होंने सत्ता परिवर्तन की मांग को छिपाने के बजाय सार्वजनिक रूप से उसका बचाव किया। उनके मुताबिक, लोकतंत्र में सरकार बदलने की मांग करना कोई अपराध नहीं है। इस तर्क में अपने आप में कुछ गलत नहीं है।

यहां एक बुनियादी अंतर समझना होगा। चुनाव के जरिए सरकार बदलने की मांग करना और किसी सरकार को सत्ता से हटाने के लिए आंदोलन चलाना अपने आप में असंवैधानिक नहीं है। असली सवाल आंदोलन के तरीकों, उसके तथ्यों और उसकी मांगों की वैधता का है। प्रशांत भूषण के बयान से इतना जरूर स्पष्ट होता है कि आंदोलन के कुछ प्रमुख चेहरे अब इसे केवल चुनाव आयोग के कामकाज से जुड़ा मामला नहीं मान रहे। वे इसे केंद्र की सरकार के खिलाफ व्यापक राजनीतिक संघर्ष के रूप में देख रहे हैं। विपक्ष की रणनीति को समझने में मदद जरूर मिलती है।

आरोपों की जांच होनी चाहिए

मतदाता सूची का विवाद अब राजनीतिक सत्ता और सरकार की वैधता पर चल रही बड़ी बहस का हिस्सा बन गया है। चुनाव आयोग के हर फैसले को राजनीतिक साजिश बताना भी उचित नहीं है। किसी निर्णय से असहमति होने पर उसके खिलाफ कानूनी और संवैधानिक रास्ते खुले हैं। आरोपों की जांच होनी चाहिए और जहां गलती साबित हो, वहां सुधार भी होना चाहिए। ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष का अभियान इसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। क्या शिकायतें दस्तावेजों और तथ्यों से साबित होती हैं? क्या संबंधित अधिकारियों ने नियमों का पालन किया? क्या प्रभावित मतदाताओं को न्याय पाने का पर्याप्त अवसर मिला? इन सवालों के जवाब किसी राजनीतिक नारे से नहीं, बल्कि स्वतंत्र जांच और न्यायिक समीक्षा से मिलने चाहिए। गौरतलब है कि 15 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर से जुड़े कुछ फैसलों को चुनौती देने वाली विपक्षी नेताओं की याचिका पर चुनाव आयोग और संबंधित पदाधिकारियों से जवाब मांगा। यह न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा है। अदालत में याचिका स्वीकार किए जाने या नोटिस जारी होने का अर्थ यह नहीं है कि आरोप साबित हो गए हैं।

रणनीति स्पष्ट करने की चुनौती

इससे यह जरूर स्पष्ट होता है कि विवाद के कानूनी पहलुओं की जांच का रास्ता खुला है। विपक्ष के सामने अब अपनी रणनीति स्पष्ट करने की चुनौती है। यदि उसका मुख्य आरोप मतदाता सूची में गड़बड़ियों का है, तो उसे ठोस उदाहरण, दस्तावेज और प्रभावित मतदाताओं के प्रमाण सामने रखने चाहिए। यदि वह सरकार बदलना चाहता है, तो यह उसका राजनीतिक अधिकार है। लेकिन इन दोनों बातों को एक ही मान लेना उचित नहीं होगा। किसी सरकार का विरोध करना और चुनाव प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी की जांच मांगना अलग-अलग उद्देश्य हो सकते हैं। भाजपा को भी केवल 'सत्ता हथियाने' का आरोप लगाकर मूल सवालों से बचना नहीं चाहिए। यदि एसआईआर की प्रक्रिया पूरी तरह सही है, तो सरकार और चुनाव आयोग को तथ्यों के आधार पर अपना पक्ष रखना चाहिए। जवाब देने से ही संस्थाओं पर भरोसा मजबूत होगा। इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि जनता को केवल राजनीतिक आरोपों के आधार पर अपना फैसला करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप गंभीर है।

सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य भी नारों में शामिल

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाने के लिए भी ठोस आधार होना चाहिए। खैर, अब यह कहना कठिन है कि आंदोलन केवल ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक सीमित है। सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य भी इसके प्रमुख राजनीतिक नारों में शामिल हो चुका है। एक बात साफ है कि किसी लोकतंत्र में सत्ता बदलने का सबसे मजबूत और स्वीकार्य रास्ता चुनाव ही है। विपक्ष को लगता है कि मौजूदा सरकार को हटाना जरूरी है, तो उसे जनता के बीच जाना चाहिए, अपने तर्क रखने चाहिए और समर्थन जुटाना चाहिए। सरकार को भी अपने कामकाज और चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर उठने वाले सवालों का जवाब देना चाहिए।

अब इस विवाद को केवल प्रशांत भूषण के बयान या ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। यह चुनाव आयोग पर भरोसे, मतदाता के अधिकार और विपक्ष की राजनीतिक रणनीति-तीनों की परीक्षा है। एसआईआर और ज्ञानेश कुमार को लेकर चल रहे विवाद के पीछे सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य मौजूद है, यह बात साफ है। लेकिन सत्ता परिवर्तन की इच्छा को अपने आप में गलत ठहराना भी लोकतांत्रिक सोच नहीं होगी। पर सत्ता परिवर्तन तो चुनाव के माध्यम से ही होगा। ये बात विपक्ष को समझनी होगी। लोकतंत्र में सत्ता की लड़ाई आखिरकार जनता की अदालत में ही तय होनी चाहिए।

लोकतंत्र का मंच या लाइक्स पाने का प्रपंच



प्रदर्शन

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

आज का दौर सोशल मीडिया का है, जहां 'अटेंशन इकॉनमी' यानी आपका ध्यान खींचने की अर्थव्यवस्था का बोलबाला है। इस डिजिटल युग में यह कहावत आम है कि 'जो दिखता है, वही बिकता है'। हाल के दिनों में, एसआईआर यानी स्पेशल इंटेसिव रिवीजन के विरोध की आड़ में देश के विभिन्न हिस्सों में जिस प्रकार के भौंडे, उग्र और सनसनीखेज प्रदर्शन देखने को मिले हैं, उन्होंने चिंतकों, समाजशास्त्रियों और नीति-निर्माताओं को गहरी चिंता में डाल दिया है। जब युवा पीढ़ी अपने किसी असंतोष को व्यक्त करने के लिए शालीन लोकतांत्रिक तरीकों को छोड़कर तमाशेबाजी, उपद्रव और रातों-रात सोशल मीडिया पर 'वायरल' होने की सनक का सहारा लेती है, तो यह न केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बल्कि खुद उन युवाओं और देश के भविष्य के लिए एक गंभीर खतरा बन जाता है। आज की युवा पीढ़ी में 'वायरल' होने की भूख है और वह रील्स संस्कृति के मकड़जाल में बुरी तरह उलझती जा रही है। आज के युवा एक ऐसे इंफॉर्मेशन सिस्टम में बड़े हो रहे हैं जहां हर पल खुद को साबित करने और लाइक्स, शेयर्स एवं व्यूज बटोरने का दबाव है। पारंपरिक रूप से विरोध प्रदर्शन वैचारिक स्पष्टता, लंबे संघर्ष, और लोकतांत्रिक बहसों पर आधारित होते थे। इसके विपरीत, आज के भौंडे प्रदर्शनों का मुख्य उद्देश्य वैचारिक विरोध जताना नहीं बल्कि किसी भी तरह कैमरे की नजर में आना और सोशल मीडिया के एल्गोरिदम में ट्रेंड करना होता है। युवा तत्काल संतुष्टि यानी इंस्टेंट ग्रेटिफिकेशन के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। जब प्रदर्शनों में शालीनता के स्थान पर अमर्यादित नारेबाजी, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना और सोशल मीडिया पर सनसनीखेज रील्स बनाने को प्राथमिकता दी जाती है, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि विरोध का वास्तविक मुद्दा पीछे छूट चुका है और व्यक्तिगत ख्याति या अराजकता का आनंद आगे आ गया है। एल्गोरिदम का मनोविज्ञान यह है कि यहां 'सनसनी' और 'उग्रता' ही बिकती है। इंस्टाग्राम, यूट्यूब (शॉर्ट्स), एक्स (ट्विटर) और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म्स के एल्गोरिदम का मुख्य उद्देश्य यूजर को अधिक से अधिक समय तक ऐप पर रोके रखना है ताकि विज्ञापन से राजस्व कमाया जा सके। डेटा विज्ञान यह साबित करता है कि मानव मस्तिष्क तटस्थ या न्यूट्रल कंटेंट की तुलना में अत्यधिक उत्तेजक, क्रोधित करने वाली या सनसनीखेज सामग्री पर तेजी से प्रतिक्रिया देता है। जब कोई युवा किसी सामान्य, शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की तस्वीर डालता है तो उसे सीमित 'व्यूज' मिलते हैं। यदि वह कोई उग्र नारेबाजी, पुलिस के साथ तीखी नोकझोंक, या कोई भौंडा स्टंट करता हुआ वीडियो पोस्ट करता है, तो एल्गोरिदम उसे तेजी से 'बूस्ट' कर देता है। रातों-रात मिलने वाले हजारों लाइक्स और कमेंट्स युवा मस्तिष्क में डोपामाइन (खुशी और उत्साह देने वाला हॉर्मोन) का तेज संचार करते हैं, जिसके कारण उसे इस प्रकार की हरकतों को दोहराने यानी 'वायरलिटी' की लत लग जाती है। डिजिटल युग में युवाओं के बीच 'इंस्टेंट फेम' और 'क्लाउट चेसिंग' यानी हर कीमत पर ऑनलाइन चर्चा में बने रहने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। आधुनिक जीवनशैली में कई युवा खुद को उपेक्षित या गुमनाम महसूस करते हैं। ऐसे में सोशल मीडिया उन्हें एक ऐसा मंच देता है जहां वे खुद को 'हीरो' या किसी बड़े आंदोलन का नायक साबित कर सकते हैं। युवा भूल जाते हैं कि वे जिस मुद्दे के लिए सड़क पर उतरे हैं, उसकी गंभीरता क्या है; उनका पूरा ध्यान इस बात पर होता है कि उनका कैमरा किस एंगल से सबसे नाटकीय दिख रहा है। वहीं सोशल मीडिया के एल्गोरिदम उपयोगकर्ताओं को ऐसी सामग्री से लगातार घेरते रहते हैं जो उनकी पहले से बनी सोच या गुस्से को सही ठहराती है। जब एक युवा लगातार अपनी फीड में उग्र और भड़काऊ वीडियो देखता है तो उसका मस्तिष्क यह मानने लगता है कि चरम कदम उठाना ही एकमात्र और सही रास्ता है। भारत का संविधान अपने नागरिकों को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का मौलिक अधिकार देता है। परंतु जब इस अधिकार का दुरुपयोग कर इसे उपद्रव और तमाशे में बदला जाता है तो इसके दूरगामी परिणाम होते हैं। लोकतंत्र में असहमति का स्वागत है परंतु असहमति जब अनुशासनहीनता और अराजकता का रूप ले ले तो वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं बल्कि सामाजिक व्यवस्था पर सीधा प्रहार बन जाती है। उग्र प्रदर्शनों में युवा अकसर व्यक्तिगत विवेक खो बैठते हैं और भीड़ का हिस्सा बनकर ऐसा कुछ कर बैठते हैं जो वे सामान्य स्थिति में कभी नहीं करते। यह प्रवृत्ति समाज में कानून के शासन को कमजोर करती है। आज की युवा पीढ़ी में 'शॉर्टकट' की मानसिकता घर कर गई है। विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने वाले युवा अकसर इस बात से अनजान होते हैं कि वे अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं। इस बढ़ती प्रवृत्ति के पीछे केवल युवा अकेले जिम्मेदार नहीं है बल्कि समकालीन समाज और मीडिया का परिवेश भी समान रूप से उत्तरदायी है। कई बार मीडिया उपद्रवी तत्वों को जरूरत से ज्यादा सनसनीखेज कवरेज देते हैं। दूसरी ओर परिवारों और शिक्षण संस्थानों में वैचारिक परिपक्वता, सहनशीलता और लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाद में कमी आई है। युवाओं को यह सिखाने की आवश्यकता है कि ऊर्जा का सकारात्मक दोहन किस प्रकार किया जाए।

आज की युवा पीढ़ी में 'वायरल' होने की भूख है और वह रील्स संस्कृति के मकड़जाल में बुरी तरह उलझती जा रही है। आज के युवा एक ऐसे इंफॉर्मेशन सिस्टम में बड़े हो रहे हैं जहां हर पल खुद को साबित करने और लाइक्स, शेयर्स एवं व्यूज बटोरने का दबाव है।

अहंकार छोड़कर संवाद की मेज पर आएं



एसआईआर विवाद

विनीत पाण्डेय

वरिष्ठ पत्रकार

एसआईआर विवाद हाल के दिनों में भारतीय राजनीतिक, सामाजिक और कानूनी विमर्श का एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण तथा संवेदनशील विषय बनकर उभरा है। किसी भी जीवंत और परिपक्व लोकतंत्र में सरकार की नीतियों से असंतोष जताना, सवाल उठाना, शांतिपूर्ण ढंग से विरोध दर्ज कराना और अपनी मांगों के समर्थन में आंदोलन करना नागरिकों का एक मौलिक और संवैधानिक अधिकार है।

जब कोई आंदोलन किसी व्यापक और जटिल विवाद का रूप ले लेता है, तो उस आंदोलन के पीछे के उद्देश्यों, उसमें शामिल घटकों और उस पर शासन व न्यायप्रणाली की प्रतिक्रियाओं का निष्पक्ष, सूक्ष्म और गंभीर विश्लेषण करना अनिवार्य हो जाता है। हालिया प्रदर्शनों के संदर्भ में लगातार इस तरह के आरोप लग रहे हैं कि सत्ताधारी दल या कुछ खास स्वार्थी समूहों से जुड़े लोग जानबूझकर इन प्रदर्शनों में घुसपैठ करते हैं। वहीं दूसरी ओर, कुछ प्रदर्शनकारी या आंदोलन के आयोजक एक विशेष प्रकार की रणनीति या टूलकिट तैयार करते हैं। इसके तहत समर्थकों को खास तरह की वेशभूषा या धार्मिक व सांस्कृतिक प्रतीकों जैसे लाल गमछा पहनना, सिर पर टीका लगाना या विशेष वस्त्र धारण करने का प्रयोग करके प्रदर्शन में शामिल होने का निर्देश दिया जाता है। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य यह बताया जाता है कि यदि कोई अप्रिय घटना घटे या पुलिस द्वारा कार्रवाई की जाए, तो इन प्रतीकों के आधार पर सहानुभूति बटोरी जा सके। लेकिन इन तमाम राजनीतिक दावों, रणनीतियों और आरोपों से परे इस बुनियादी पहलू पर ध्यान देना बेहद जरूरी है कि विरोध प्रदर्शनों में आने वाले लोग शायद स्वतः स्फूर्त तरीके से सड़कों पर उतर रहे हों। हमारे देश का एक बड़ा वर्ग ऐसा हो सकता है जो किसी राजनीतिक दल के बहकावे, उकसावे या टूलकिट का हिस्सा बने बिना, केवल अपने नागरिक कर्तव्यों और लोकतांत्रिक निष्ठा के कारण बाहर आ रहा हो। जब आम नागरिकों को यह आभास होता है कि उनकी बात नहीं सुनी जा रही है, उनकी चिंताओं की उपेक्षा की जा रही है या देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक मूल्यों के साथ कोई समझौता किया जा रहा है, तो वे स्वतः ही एकजुट होकर अपनी आवाज उठाने लगते हैं। यह स्वतःस्फूर्त भागीदारी नागरिकों की राजनीतिक जागरूकता और लोकतंत्र में उनके गहरे विश्वास का प्रमाण है। इसलिए, प्रदर्शनकारियों के हर समूह को किसी न किसी राजनीतिक दल का मोहरा मान लेना या उनकी निष्ठा पर सवाल उठाना किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं कहा जा सकता। इसके बावजूद, आंदोलन चाहे कितना भी बड़ा या स्वतःस्फूर्त क्यों न हो, एक बात हमेशा सर्वोपरि रहनी चाहिए कि जो कुछ भी हो रहा है, वह पूरी तरह से कानून-सम्मत और संविधान के दायरे में ही होना चाहिए। कई बार देखा गया है कि जनता के वास्तविक आक्रोश और असंतोष का इस्तेमाल कुछ महत्वाकांक्षी लोग अपने निजी फायदे के लिए करते हैं। यदि कोई आंदोलन किसी संकीर्ण स्वार्थ के तहत संचालित हो रहा है, तो वह अंततः समाज में विभाजन और अस्थिरता ही पैदा करता है। वर्तमान डिजिटल और सोशल मीडिया के दौर में किसी भी आंदोलन के दौरान उग्रता या हिंसा के छोटे-छोटे वीडियो क्लिप्स तेजी से वायरल हो जाते हैं। इन वीडियो के आधार पर अक्सर तुरंत यह धारणा बना ली जाती है कि पूरा का पूरा आंदोलन ही हिंसक और उग्र है। परंतु हमारी न्याय प्रणाली और विधि व्यवस्था इस बात पर विशेष जोर देती है कि जब तक ठोस और प्रामाणिक साक्ष्य न मिल जाएं, तब तक केवल सोशल मीडिया पर तैर रहे किसी वीडियो या अधूरी क्लिप को अंतिम सत्य मानकर किसी अंतिम नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता। इसके साथ ही, लोकतंत्र में यदि किसी मुद्दे, नीति या कानून के विरोध में लोग सड़कों पर आएंगे, तो उस नीति या कानून के समर्थन में भी कुछ लोग जरूर खड़े होंगे। लोकतंत्र विचारों की विविधता का नाम है, जहां समर्थन और विरोध दोनों के लिए समान स्थान होता है। लेकिन विरोध या समर्थन का अधिकार किसी को भी हिंसा करने या कानून हाथ में लेने की छूट नहीं देता। सरकार, प्रशासन और आंदोलनकारियों सभी पक्षों को अहंकार छोड़कर संवाद की मेज पर आना चाहिए, ताकि देश की लोकतांत्रिक मर्यादा और सामाजिक ताना-बाना अक्षुण्ण बना रहे।



प्रदर्शनकारियों के हर समूह को किसी न किसी राजनीतिक दल का मोहरा मान लेना या उनकी निष्ठा पर सवाल उठाना किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं कहा जा सकता। इसके बावजूद, एक बात हमेशा सर्वोपरि रहनी चाहिए कि जो कुछ भी हो रहा है, वह पूरी तरह से कानून-सम्मत और संविधान के दायरे में ही होना चाहिए।

पत्रकारिता की प्रतिष्ठा पर गहराता संकट



चौथा स्तंभ

चरण जीत

स्वतंत्र स्तंभकार

किसी भी देश के लोकतंत्र की मजबूती के लिए मुख्यतः चार स्तम्भों की चर्चा की जाती है। लोकतंत्र के चार स्तम्भों के रूप में प्रायः विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया का उल्लेख किया जाता है। वैसे तो सभी स्तम्भ महत्पूर्ण हैं, लेकिन मीडिया को इसलिए सबसे मत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि प्रेस की स्वतंत्रता के अभाव में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सत्ता के अनुचित दबाव का खतरा बढ़ जाता है। जिस देश का मीडिया स्वतंत्र नहीं होता, वहां सरकारें अपनी मनमानी करती हैं। इसी बिंदु पर एक दूसरा प्रश्न उठता है। क्या मीडिया की स्वतंत्रता के साथ कुछ क़ानूनी और नैतिक जिम्मेदारियां भी नहीं जुड़ी होनी चाहिए? यदि पत्रकारिता के नाम पर कुछ लोग पेशेवर मर्यादाओं का उल्लंघन करने लगें तो पुरे मीडिया संस्थान और पत्रकारिता के पेशे की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगते हैं।

हाल के दिनों में देश के अलग-अलग हिस्सों में, खासकर दिल्ली के जंतर मंतर पर होने वाले आन्दोलनों से कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिनमें पत्रकारिता का दावा करने वाले लोगों का व्यवहार सवालों के घेरे में है। जुलाई में होने वाले नीट आंदोलन से लेकर एसआईआर विवाद में कुछ ऐसे लोग सामने आए हैं, जो स्वयं को पत्रकार बताते हैं लेकिन वो पत्रकारों की अपेक्षा किसी राजनीतिक दल के कार्यकर्ताओं जैसे अधिक प्रतीत होते हैं। हाथ में मोबाइल और कॉलर पर एक माइक लगा कर घूमते युवक-युवतियां जिस तरह से प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिसकर्मियों के सामने अकड़कर खड़े होते हैं, वह व्यवहार कई बार विवाद का कारण बनता है। अनावश्यक और असंगत प्रश्न करते हैं। जवाब न मिलने या फटकार दिए जाने पर स्वयं को पीड़ित बताने लगते हैं। ऐसी घटनाओं से पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं और पूरे समुदाय की छवि धूमिल होती है। डिजिटल क्रांति के इस दौर में आम नागरिकों तक पहुंचने वाले संचार माध्यम अनियंत्रित हो जाएं, सही और सटीक तथ्य पहुंचाने की बजाय भ्रामक सूचनाएं फैलाने लगें तो लोकतांत्रिक व्यवस्था और मीडिया की जवाबदेही पर गंभीर सवाल उठेंगे। क्योंकि अधूरी या भ्रामक जानकारी समाज तनाव, भ्रम और टकराव पैदा कर सकती है। नागरिक पत्रकारिता की अवधारणा इस विचार के साथ विकसित हुई कि देश के दूर-दराज इलाकों में मौजूद समस्याएं सरकार और प्रशासन तक पहुंच सकें। जिन स्थानों पर मुख्यधारा के पत्रकार नहीं पहुंच पाते, वहां की ज़मीनी सच्चाई भी सनसनीखेज थंबनेल के साथ वीडियो अपलोड करते हैं। हाथ में मोबाइल और माइक पकड़े हुए कोई व्यक्ति वास्तव में पेशेवर पत्रकार है या किसी जिम्मेदार मीडिया संस्थान का प्रतिनिधि है या स्वतंत्र कॉन्टेंट क्रिएटर है, यह स्पष्ट होना चाहिए। उसकी भूमिका और संबद्धता के बारे में पारदर्शिता होनी चाहिए। एसआईआर विवाद के बाद समूचे मीडिया जगत के सामने यह चुनौती है कि पत्रकारिता की शाख कैसे बचाई जाए? अब समय आ गया है कि जब पत्रकारिता से जुड़े सभी संगठनों और मीडिया घरानों को स्वयं स्पष्ट और पारदर्शी मानक तय करने होंगे। स्वयं ही आत्म-नियमन और आत्म-सुधार की पहल करनी होगी। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के लागू नियमों और सम्बन्धित आचार संहिताओं का पालन सुनिश्चित करते हुए या स्पष्ट होना चाहिए कि व्यक्ति किसी मीडिया संस्थान से जुड़ा है या स्वतंत्र रूप से सामग्री तैयार करता है। अन्यथा निश्चित मर्यादाओं के अभाव में यह अनुमान लगाना कठिन होगा कि अनियंत्रित और गैर-जिम्मेदाराना सूचना प्रसार से कब गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए आत्म-सुधार और जवाबदेही की प्रक्रिया निरंतर चलती रहनी चाहिए।



एसआईआर विवाद के बाद समूचे मीडिया जगत के सामने यह चुनौती है कि पत्रकारिता की शाख कैसे बचाई जाए? अब समय आ गया है कि जब पत्रकारिता से जुड़े सभी संगठनों और मीडिया घरानों को स्वयं स्पष्ट और पारदर्शी मानक तय करने होंगे। स्वयं ही आत्म-नियमन और आत्म-सुधार की पहल करनी होगी।

देश के सामने आनी चाहिए। लेकिन पत्रकारिता के इस पेशे की अपनी मर्यादाएं, नैतिक मानक, और जिम्मेदारियां भी हैं। इसीलिए एक पत्रकार के लिए औपचारिक प्रशिक्षण, सम्पादकीय निगरानी तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। इसके विपरीत आज डिजिटल माध्यमों के कारण कोई भी व्यक्ति फ़ोन और माइक की मदद से समाचार संबंधी सामग्री तैयार कर सकता है। अधिक से अधिक व्यूज़ पाने की कोशिश में इनमें से कुछ लोग न केबल अनावश्यक विवाद खड़ा करते हैं, बल्कि एक

गांधीनगर में प्लास्टिक फैक्टरी में भीषण

8 घंटे बाद भी काबू पाने की कोशिश जारी, सेना भी जुटी



एजेंसी ▶▶ गांधीनगर

गुजरात के गांधीनगर जिले के कलोल तालुका में शनिवार सुबह एक प्लास्टिक बनाने वाली फैक्टरी में भीषण आग लग गई। आग बुझाने का अभियान आठ घंटे से अधिक समय तक जारी रहा, लेकिन आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका था। अधिकारियों के मुताबिक, इस घटना में अब तक किसी के घायल होने या जान जाने की सूचना नहीं है। कलोल के प्रभारी अग्निशमन अधिकारी असलम चौहान ने बताया कि आग सुबह करीब 11 बजे मोटी भोयण गांव स्थित सिंघल इंडस्ट्रीज में लगी। आग की सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया।

कई जगहों से पहुंचीं दमकल की टीमें

आग पर काबू पाने के लिए कड़ी, अहमदाबाद, गांधीनगर, कलोल और मानसा से दमकलकर्मियों और अग्निशमन वाहनों को बुलाया गया। इस अभियान में भारतीय वायुसेना के जवान भी शामिल हुए। इसके बावजूद आग बुझाने में काफी मुश्किलें आईं। अधिकारियों के अनुसार, फैक्टरी में बड़ी मात्रा में पॉलिमर और सॉल्वेंट जैसे रसायन रखे हुए थे। इन ज्वलनशील पदार्थों की मौजूदगी के कारण आग बुझाने का काम चुनौतीपूर्ण हो गया।

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट हो सकती है। वास्तविक कारण की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। कलोल के पुलिस उपाधीक्षक आर. एम. सरोडे ने बताया कि अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। फैक्टरी को कितना नुकसान हुआ, जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल, दमकलकर्मी और अन्य बचाव दल आग पर पूरी तरह काबू पाने में जुटे हैं।

'खेत बचाओ अभियान' की तैयारियों की समीक्षा की, 22 अक्टूबर से 30 नवंबर तक चलेगा अभियान

अभियान की सफलता के लिए राज्य और जिला स्तर पर नियुक्त किए जाएं नोडल अधिकारीः शिवराज

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को आगामी 'खेत बचाओ अभियान' की तैयारियों को लेकर विभिन्न राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ वर्चुअल बैठक की। यह अभियान 22 अक्टूबर से 30 नवंबर, 2026 तक आयोजित किया जाएगा। बैठक में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, गुजरात, उत्तराखंड, राजस्थान, असम, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, बिहार और महाराष्ट्र के कृषि मंत्रियों ने भाग लिया।

बैठक में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव अतिश चंद्रा तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट भी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान अभियान के उद्देश्यों, प्रमुख गतिविधियों, कार्यान्वयन की रणनीति और जनभागीदारी से जुड़े लक्ष्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। अभियान का उद्देश्य किसानों के बीच उन्नत कृषि पद्धतियों, संसाधनों के कुशल उपयोग, टिकाऊ खेती तथा केंद्र सरकार की विभिन्न किसान-केंद्रित योजनाओं के संबंध में व्यापक जागरूकता पैदा करना है।

बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने सभी राज्यों से अभियान को सफल बनाने के लिए सक्रिय भागीदारी, प्रभावी समन्वय और जमीनी स्तर पर व्यापक जनसंपर्क सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अभियान को पूरी गंभीरता के साथ लागू किया जाना चाहिए, ताकि इसकी गतिविधियों से किसानों को वास्तविक लाभ मिल सके।

चौहान ने कहा कि राज्य अपनी सुविधानुसार और स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अभियान की गतिविधियों की तिथियां निर्धारित कर सकते हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अभियान की शुरुआत प्रभावी ढंग से होनी चाहिए और इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी की जानी चाहिए।

चौहान ने राज्यों से किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और जिला प्रशासन की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का किया आह्वान



उन्होंने जिला कलेक्टरों को भी अभियान के सुचारु आयोजन और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक निर्देश देने का आह्वान किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अभियान के बेहतर संचालन, निगरानी और समयबद्ध कार्यान्वयन के लिए राज्य तथा जिला स्तर पर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की जानी चाहिए।

चौहान ने स्पष्ट किया कि यह अभियान केवल औपचारिकता बनकर नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे पूरी गंभीरता, प्रतिबद्धता और परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण के साथ लागू किया जाना चाहिए।

उन्होंने अभियान में अधिक से अधिक किसानों और अन्य हितधारकों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि जो लोग प्रत्यक्ष रूप से कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकते, उन्हें प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से अभियान से जोड़ने के प्रयास किए जाने चाहिए, ताकि इसकी पहुंच अधिक से अधिक किसानों तक सुनिश्चित हो सके।

टिकाऊ कृषि और किसान-केंद्रित पहलों पर रहेगा विशेष जोर

अभियान के अंतर्गत कृषि उत्पादकता बढ़ाने, टिकाऊ कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करने तथा किसानों को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उठाने के लिए जागरूक करने से संबंधित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। अभियान के प्रमुख विषयों में फसल अवशेष प्रबंधन, एकीकृत कीट प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य में सुधार, जलवायु-अनुकूल कृषि तथा तिलहन एवं दलहन फसलों को बढ़ावा देना शामिल हैं। इसके साथ ही प्राकृतिक खेती, एकीकृत कृषि प्रणाली, कृषि यंत्रीकरण और पुनर्योजी कृषि पद्धतियों को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

कांग्रेस को मिली रामलीला मैदान में प्रदर्शन की परमिशन

दीपावली से पहले भरेगी हुंकार,1 नवंबर को करेगी विरोध प्रदर्शन



जंतर-मंतर को अधिकृत प्रोटेस्ट साइट से हटाए जाने के बाद रामलीला मैदान अब नया आंदोलन स्थल बनने जा रहा है। केंद्र सरकार ने रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और सीबीडी मैदान को प्रोटेस्ट साइट के लिए अधिकृत किया है। अब दिवाली से पहले कांग्रेस रामलीला मैदान में बड़ा प्रदर्शन करने जा रही है। दरअसल कांग्रेस को रामलीला मैदान में प्रदर्शन की परमिशन मिल गई है। दिल्ली सेंट्रल पुलिस के डीसीपी रोहित राजबीर सिंह ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि अब रामलीला मैदान, सीबीडी ग्राउंड और बुराड़ी ग्राउंड को प्रदर्शन स्थलों के रूप में तय किया गया है। इसी सिलसिले में कांग्रेस ने जगह की उपलब्धता जानने के लिए एमसीडी से संपर्क किया है। एमसीडी ने बताया कि यह जगह 25 अक्टूबर से 3 नवंबर तक उपलब्ध रहेगी।

कांग्रेस को एनओसी मिला एमसीडी जाएंगे

डीसीपी ने बताया कि उनसे बातचीत करने और सुरक्षा इंतजामों को समझने के बाद हमने कांग्रेस को 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' देने का फैसला किया। हमने आज यह सर्टिफिकेट जारी कर दिया है। अब वे इसे लेकर एमसीडी के पास जाएंगे, जो इस जमीन की मालिक एजेंसी है और फिर तैयारियां शुरू करेंगे।

खबर संक्षेप

शिमला जिले में 4.1 तीव्रता का भूकंप

शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में शनिवार तड़के 4.1 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के



झटके राज्य की राजधानी शिमला से लगभग 130 किलोमीटर दूर रामपुर क्षेत्र में महसूस किए गए। तड़के करीब 4. 36 बजे पर कुछ सेकंड तक भूकंप के झटके महसूस किए गए। विभाग ने बताया कि भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में था।

कर्नाटक महिला कांग्रेस अध्यक्ष का इस्तीफा

बेंगलुरु। कर्नाटक प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सौम्या रेड्डी ने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने



महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा को पत्र लिखकर इस्तीफा स्वीकार करने का अनुरोध किया। 20 अगस्त को पत्र में सौम्या ने कहा कि उन्होंने यह जिम्मेदारी 2 साल के लिए स्वीकार की थी। कार्यकाल को सम्मान बताया।

ओडिशा छात्रसंघ चुनाव में भी एबीवीपी का डंका

भुवनेश्वर। ओडिशा में 8साल बाद हुए छात्र संघ चुनावों में एबीवीपी ने कई प्रमुख पदों पर बड़ी संख्या में



जीत दर्ज की है। राज्य के 346 कॉलेजों में अध्यक्ष पद पर 208, उपाध्यक्ष पद पर 214, महासचिव पद पर 221 और सहायक महासचिव पद पर 199 एबीवीपी उम्मीदवार जीते हैं। इस जीत के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एबीवीपी को बधाई दी है।

दिग्गज संगीतकार देवा का 75 की उम्र में निधन

चेन्नई। थेनिसाई थेन्द्रल' के नाम से मशहूर दिग्गज तमिल संगीतकार देवा अब इस दुनिया में नहीं रहे।



शनिवारको चेन्नई में देवा का 75 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्हें सुबह करीब 8:30 बजे सूर्या अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां निधन हो गया। मुख्यमंत्री विजय सहित कई कलाकारों ने देवा के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

सीजेआई ने बेंगलुरु में कॉन्वोकेशन में स्टूडेंट को किया संबोधित

अनिश्चितता के बीच बाहरी ताकतों की वजह से लगा यह 'मौका' शायद न आए

संस्थान में उथल पुथल चल रही थी

सीजेआई सूर्यकांत की यह टिप्पणी हाल के हफ्तों में संस्थान के आस-पास चल रही उथल-पुथल के बीच आई है। लेकिन, ऊहापोह के बावजूद 34वां सालाना कॉन्वोकेशन तय समय पर हुआ।



एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

सीजेआई और नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू) के चांसलर, जस्टिस सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि कुछ बाहरी ताकतों की वजह से अनजाने और दुर्भाग्यपूर्ण हालात ने 34वें सालाना कॉन्वोकेशन को लेकर अनिश्चितता पैदा कर दी थी। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ समय के लिए ऐसा लगा कि यह मौका शायद वैसा न हो जैसा हमने उम्मीद की थी। बेंगलुरु में कॉन्वोकेशन में ग्रेजुएट हो रहे स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए सीजेआई ने कहा कि कुछ बाहरी ताकतों की वजह से कुछ अनचाही और दुर्भाग्यपूर्ण हालात अपने साथ अनिश्चितता की भावना लेकर आए और कुछ समय के लिए ऐसा लगा कि यह मौका शायद वैसा न हो जैसा हमने उम्मीद की थी। सीजेआई की यह टिप्पणी हाल के हफ्तों में संस्थान के आस-पास चल रही उथल-पुथल के बीच आई है। अनिश्चितता के बावजूद 34वां सालाना कॉन्वोकेशन तय समय पर हुआ। फैकल्टी मेंबर्स, जाने-माने लोगों और ग्रेजुएट्स के परिवारों की मौजूदगी में डिग्री दी।

फैकल्टी मेंबर्स और ग्रेजुएट्स के परिवारों की मौजूदगी में डिग्री दी



कार्यक्रम के पहले राज्यपाल और मुख्यमंत्री के साथ सीजेआई

आपके फैसले न्याय के बड़े ढांचे में योगदान देंगे

उन्होंने कहा कि कानून, जैसा कि आप जल्द ही अपने जीते-जागते रूप में देखेंगे, रुका हुआ नहीं है। यह सांस लेता है, और इसे मानने वालों के दिमाग और कामों से विकसित होता है। आप जिन मामलों में बहस करते हैं, जो कॉन्ट्रैक्ट आप बनाते हैं, जो सलाह आप देते हैं और जो फैसले आप लिखते हैं, वे सभी हमारे देश में न्याय के बड़े ढांचे में योगदान देंगे।

लॉ के छात्रों से सीजेआई ने कहा

कानूनी पेशा कमजोर दिल वालों के लिए नहीं, समाज के लिए भी काम करें

सीजेआई ने छात्रों से न्याय कायम रखने, स्वतंत्रता की रक्षा करने और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि कानूनी पेशे में साहस, ईमानदारी और उन लोगों की बात सुनने की क्षमता जरूरी है, जिनकी आवाज अक्सर अनसुनी रह जाती है। सीजेआई ने कहा कि कानूनी शिक्षा केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसका उद्देश्य छात्रों को अलग-अलग विचारों और नजरियों को समझने तथा समाज की सेवा करने के लिए तैयार करना भी है।

न्याय के लिए साहस और संवेदनशीलता जरूरी

कानूनी पेशे की जिम्मेदारियों पर जोर देते हुए सीजेआई ने कहा कि इसके लिए कानूनों और अदालती फैसलों की जानकारी होना ही पर्याप्त नहीं है। न्याय के पक्ष में खड़े होने का साहस और उन लोगों की चिंताओं को समझने की विनम्रता भी जरूरी है, जिनकी बातों पर ध्यान नहीं होता।

दिल्ली हाईकोर्ट के पास सड़कों की खराब हालत पर भड़के सुप्रीम कोर्ट के जज

तो हम धरने पर बैठ जाएंगे, जब तक काम नहीं होगा...

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली हाई कोर्ट के पास सड़क सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं को लेकर केंद्र सरकार पर तंज कसा। कोर्ट ने अधिकारियों की फटकार लगाई। अल्टीमेटम दिया। कोर्ट ने कहा कि अगर 25 नवंबर तक ठोस कदम नहीं उठाए गए तो हम खुद हाई कोर्ट के मुख्य गेट के पास धरने पर बैठ जाएंगे।

काम पूरा होने तक धरने पर बैठेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों की फटकार लगाते हुए कहा कि अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो हम दोनों (जेबी पारदीवाला और केवी विनोद चंद्रन) दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य गेट पर बैठ जाएंगे और तब तक घर नहीं जाएंगे, जब तक आप काम पूरा नहीं कर लेते । यह भी पक्का है हम आपकों भी घर नहीं जाने देंगे।

किरेन रिजिजू ने की तारीफ

ओवैसी ने साफ कर दिया 'भारत-विरोधी गिरोह कौन?



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में बयान देते हुए एलन मस्क को लेकर एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने टिप्पणी की। इस पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने ओवैसी की तारीफ करते हुए कहा कि ओवैसी भारत के राष्ट्रीय हित से जुड़े मुद्दों पर समझदारी बातें करते हैं, हालांकि हम उनकी कट्टर मुस्लिम-केंद्रित नीतियों का विरोध करते हैं। अगर विपक्ष के कुछ नेता हमारी बात नहीं सुनना चाहते तो उन्हें ओवैसी से सीखना चाहिए।

देश और संवैधानिक पद का अपमान बर्दाश्त नहीं: ओवैसी



ओवैसी ने मस्क के बयान पर कहा कि कोई गोरा हमें हुक्म नहीं दे सकता। नरेंद्र मोदी से मेरी 100 मतभेद हो सकती हैं, लेकिन मैं देश और संवैधानिक पद का अपमान बर्दाश्त नहीं करूंगा। हमें दुनिया में सबसे सस्ता डेटा मिल रहा है। जब मस्क ने सवाल उठाया, तो ओवैसी ने किसी विदेशी व्यवसायी को देश में शर्तें तय करने देने के बीच का फर्क समझा दिया। ओवैसी का यह रुख राहुल गांधी के रुख से एकदम अलग था।

एसआईआर पर स्टालिन का कांग्रेस पर हमला

बिहार विवाद और सोरेन के अलग होने की दिलाई याद

चेन्नई। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री और डीएमके के प्रमुख एमके स्टालिन ने एसआईआर के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों का खुलकर समर्थन



किया है। हालांकि, उन्होंने न केवल चुनाव आयोग को आड़े हाथों लिया, बल्कि कांग्रेस पर भी जोरदार राजनीतिक हमला बोला है। डीएमके ने एसआईआर मुद्दे पर कांग्रेस के रवैए को दोहरा करार दिया है और विपक्षी गठबंधन के अंदर मौजूद खींचतान को एक बार फिर बाहर ला दिया है। चेन्नई में आयोजित डीएमके संसदीय दल की बैठक की अध्यक्षता करते हुए स्टालिन ने पार्टी के रुख को स्पष्ट किया। इस बैठक में 4 प्रमुख प्रस्ताव पारित किए।

48 लाख का एक्सपायर्ड खाद्य समान जब्त, 10 पर मामला दर्ज

ठाणे । महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने एक्सपायर हो चुके खाद्य उत्पादों की बिक्री के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान 48 लाख रमूल्य का खाद्य स्टॉक जब्त किया है। पुलिस ने रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, रिलायंस रिटेल, ब्लिंकइट और जोमैटो के हाइपरप्योर के अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। ठाणे के शांति नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर में 10 लोगों के नाम शामिल हैं। इनमें रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, रिलायंस रिटेल, ब्लिंकइट और जोमैटो हाइपरप्योर से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी, डिस्पोजल एजेंसी चलाने वाले और स्थानीय सप्लायर शामिल हैं। 'खाद्य सुरक्षा के तहत कार्रवाई की है।

बुनियादी ढांचे के साथ सांस्कृतिक विरासत, शहीद परिवारों और जनकल्याण से जुड़े निर्णयों का ब्यौरा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सरकार के लगातार तीसरे कार्यकाल के दो वर्ष पूरे होने पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बुनियादी ढांचे, औद्योगिक निवेश, पेयजल और परिवहन से जुड़े कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने औद्योगिक नीतियों के लक्ष्य बताते हुए सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तथा शहीद परिवारों के कल्याण के लिए किए गए निर्णयों का भी उल्लेख किया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हांसी को प्रदेश का 23वां जिला बनाया गया है। प्रादेशिक सड़क उत्थान परियोजना के तहत 4 हजार 827 करोड़ रुपए की लागत से 9 हजार

5 वर्षों में 5 लाख करोड़ रुपए निवेश और 10 लाख रोजगार अवसरों का लक्ष्य

सड़क, पेयजल, उद्योग और निवेश से हरियाणा के विकास को गति देने पर दिया जोरः सीएम नायब

410 किलोमीटर लंबी 4 हजार 227 सड़कों की मरम्मत की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 1 हजार 70 करोड़ रुपये की लागत से रेवाड़ी बाइपास और 170 करोड़ रुपए की लागत से पिंजौर बाइपास का निर्माण कराया है। सरकार ने विधानसभा चुनाव-2024 के दौरान अपने घोषणापत्र में प्रदेश में 10 नए आईएमटी स्थापित करने का संकल्प लिया था। ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में 102 करोड़ रुपए की लागत से 40 नहर आधारित और आठ नलकूप आधारित जलघर स्थापित किए गए। इसी प्रकार, 184 करोड़ रुपए की लागत से 537 नलकूप और 188 बूस्टिंग स्टेशन स्थापित किए गए।

उन्होंने कहा कि घरों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के लिए 1 हजार 167 करोड़ रुपए की लागत से 6 हजार 718 किलोमीटर लंबी पाइपलाइनें बिछाई गई। सरकार ने गांवों के विकास में पंचायतों को मजबूत किया है। विभिन्न योजनाओं और वित्त आयोगों के तहत पंचायती राज संस्थाओं के विकास कार्यों के लिए 3 हजार 919 करोड़ रुपए दिए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ने 71 शहरों में 849 नए सेक्टर विकसित करने के लिए 1 लाख 67 हजार एकड़ भूमि की खरीद प्रक्रिया शुरू की है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि एक जून 2026 को मेक इन हरियाणा औद्योगिक नीति-2026 सहित 10 सेक्टोरल नीतियां लागू की गईं। इनके तहत अगले पांच वर्षों में 5 लाख करोड़ रुपए निवेश और 10 लाख रोजगार अवसर सृजित करने का लक्ष्य है। नीति लॉन्च कार्यक्रम में 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपए के निवेश के 123 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हुए। मुंबई निवेश रोड शो में भी 66 हजार 821 करोड़ रुपए के निवेश से संबंधित 17 समझौते किए गए।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सितंबर, 2025 से लागू केंद्रीय जीएसटी सुधारों से प्रदेशवासियों को 2 हजार 652 करोड़ रुपए का लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम में स्टार्टअप जी.-एस-टी सुविधा प्रकोष्ठ और पंचकूला में एमएस एमई जीएसटी प्रकोष्ठ शुरू किया गया है। प्रदेश के 27 कर-जिलों, 5 रेंज कार्यालयों और मुख्यालय में सुविधा केंद्र स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मंडियों के दुकानदारों और बूथ आवंटियों के लंबित मामलों के समाधान के लिए 'विवादों का समाधान' योजना लागू की गई।

उन्होंने कहा कि गीता के संदेश के प्रसार व कुरुक्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन केंद्र बनाने के लिए हरियाणा अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती मेला प्राधिकरण गठित किया है। प्रधानमंत्री जी ने कुरुक्षेत्र में भगवान श्रीकृष्ण जी के पवित्र शंख 'पांचजन्य' के प्रतिरूप का लोकार्पण किया।

बैंक एफडी से आगे निकल सकते हैं ये म्यूचुअल फंड?

■ ज्यादा रिटर्न की संभावना के साथ बाजार जोखिम भी, निवेश से पहले समझें कौन-सा विकल्प आपके लिए बेहतर



बिजनेस डेस्क

बैंक की सावधि जमा यानी एफडी को सुरक्षित निवेश का भरोसेमंद विकल्प माना जाता है। इसमें ब्याज दर पहले से तय रहती है और निर्धारित अवधि पूरी होने पर मिलने वाली रकम का अनुमान लगाया जा सकता है। लेकिन जो निवेशक थोड़ा जोखिम उठाकर बेहतर रिटर्न की संभावना तलाशना चाहते हैं, उनके सामने म्यूचुअल फंड भी एक विकल्प हो सकते हैं। भारतीय स्टेट बैंक म्यूचुअल फंड की कुछ योजनाएं अपेक्षाकृत कम अवधि या सीमित जोखिम वाले निवेश के उद्देश्य से बनाई गई हैं। हालांकि, इन्हें बैंक एफडी जितना सुरक्षित मानना सही नहीं है। म्यूचुअल फंड में रिटर्न की गारंटी नहीं होती और बाजार की परिस्थितियों के कारण निवेश की रकम घट भी सकती है।

1. एसबीआई सेविंग्स फंड

जिन निवेशकों को अपनी रकम कुछ महीनों के लिए निवेश करनी है, वे एसबीआई सेविंग्स फंड पर विचार कर सकते हैं। यह योजना मुख्य रूप से मनी मार्केट और अन्य अल्पकालिक ऋण साधनों में निवेश करती है। इसका उद्देश्य कम अवधि के लिए रकम का प्रबंधन करना होता है। हालांकि, इसका रिटर्न ब्याज दरों और पोर्टफोलियो में शामिल प्रतिभूतियों के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। यदि किसी निश्चित तारीख पर पूरी रकम की जरूरत है, तो निवेश से पहले निकासी की शर्तें और जोखिम जरूर समझें।

2. एसबीआई लो ड्यूरेशन फंड

यह फंड उन निवेशकों के लिए एक विकल्प हो सकता है, जिन्हें कुछ समय तक रकम की जरूरत नहीं है और वे ऋण आधारित निवेश चाहते हैं। इसमें ब्याज दरों में बदलाव तथा बॉन्ड जारी करने वाली कंपनियों की भुगतान क्षमता से जुड़ा जोखिम रहता है। निवेश करने से पहले फंड की क्रेडिट गुणवत्ता, पोर्टफोलियो की अवधि और खर्च का आकलन करना जरूरी है। कम अवधि का फंड होने का अर्थ यह नहीं है कि इसमें नुकसान की आशंका नहीं है।

3. एसबीआई बैंकिंग एंड पीएसयू फंड

इस श्रेणी के फंड मुख्य रूप से बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और वित्तीय संस्थानों की ऋण प्रतिभूतियों में निवेश करते हैं। इन संस्थानों की साख अच्छी हो सकती है, लेकिन निवेश पूरी तरह जोखिम मुक्त नहीं होता। ब्याज दरों में बदलाव से बॉन्ड की कीमत प्रभावित हो सकती है। इसलिए निवेश की अवधि और जोखिम सहने की क्षमता के अनुसार ही फैसला लें।

4. एसबीआई आर्बिट्राज फंड

जो निवेशक सीधे शेयरों में पैसा लगाने से बचना चाहते हैं, वे आर्बिट्राज फंड की कार्यप्रणाली समझ सकते हैं। ऐसे फंड नकदी और वायदा बाजार में एक ही शेयर की कीमतों के अंतर से लाभ कमाने की कोशिश करते हैं। इनका जोखिम सामान्य इक्विटी फंड से अलग होता है, लेकिन रिटर्न निश्चित नहीं होता। निवेश से पहले खर्च, कर नियम और संभावित रिटर्न को समझना जरूरी है।

5. एसबीआई कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड

इस श्रेणी के फंड का बड़ा हिस्सा ऋण साधनों में और कुछ हिस्सा शेयरों में लगाया जाता है। इससे निवेशक को दोनों परिसंपत्ति श्रेणियों में भागीदारी मिलती है, लेकिन ब्याज दरों और शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का असर भी पड़ सकता है। इसे चुनने से पहले निवेश अवधि और जोखिम क्षमता का आकलन करें।

एफडी या म्यूचुअल फंड, क्या चुनें?

यदि आपको निश्चित ब्याज दर और तय अवधि में रकम की जरूरत है, तो बैंक एफडी आपकी जरूरत के अधिक अनुकूल हो सकती है। पात्र बैंक जमा पर डीआईसीजीसी के नियमों के तहत एक जमाकर्ता को एक बैंक में समान अधिकार और क्षमता में रखे मूलधन तथा ब्याज को मिलाकर अधिकतम पांच लाख रुपये तक जमा बीमा सुरक्षा मिलती है। दूसरी ओर, म्यूचुअल फंड में बेहतर रिटर्न की संभावना के साथ नुकसान का जोखिम भी रहता है।

त्योहार पर ऑफर देखकर न ललचाएं वरना बढ़ सकता है ईएमआई का बोझ

नो-कॉस्ट ईएमआई में ब्याज नहीं देने का दावा कर रहे बैंक

लेकिन छूट छोड़ने और अतिरिक्त शुल्क चुकाने से महंगी पड़ सकती है खरीदारी

मोबाइल, टीवी, फ्रिज से लेकर लैपटॉप तक हर सामान पर छूट और आसान किस्तों का लालच

बिजनेस डेस्क

त्योहारी सीजन में ऑनलाइन और ऑफलाइन बाजार आकर्षक ऑफरों से भरे हैं। मोबाइल, टीवी, फ्रिज से लेकर लैपटॉप तक, हर सामान पर छूट और आसान किस्तों का लालच दिया जा रहा है। इनमें नो-कॉस्ट ईएमआई का ऑफर खास तौर पर ग्राहकों को आकर्षित करता है। एकमुश्त रकम खर्च किए बिना सामान घर लाने और ब्याज नहीं देने का दावा पहली नजर में फायदे का सौदा लगता है। लेकिन सावधान! केवल कम मासिक किस्त देखकर खरीदारी का फैसला करना जेब पर भारी पड़ सकता है। कई बार नो-कॉस्ट ईएमआई के चक्कर में ग्राहक को नकद खरीदारी पर मिलने वाली छूट छोड़नी पड़ती है या प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्क चुकाने पड़ते हैं। ऐसे में त्योहार की खरीदारी से पहले ऑफर की चमक के बजाय उसकी वास्तविक लागत समझना जरूरी है।

नो-कॉस्ट ईएमआई का गणित?

नो-कॉस्ट ईएमआई में ग्राहक सामान की कीमत एक साथ चुकाने के बजाय तय अवधि में मासिक किस्तों के जरिए भुगतान करता है। सामान्य ईएमआई में मूल रकम के साथ ब्याज भी देना होता है, जबकि नो-कॉस्ट ईएमआई में ब्याज का खर्च किसी दूसरे तरीके से समायोजित किया जाता है। कई ऑफरों में बैंक या वित्तीय संस्थान के ब्याज की भरपाई विक्रेता या कंपनी की ओर से की जाती है। कुछ मामलों में इसके बदले ग्राहक को नकद खरीदारी पर मिलने वाली छूट नहीं मिलती। यानी ब्याज शून्य होने का दावा जरूरी नहीं कि खरीदारी को सबसे सस्ता बना दे। मान लीजिए, किसी मोबाइल की कीमत 30,000 रुपये है और नकद भुगतान पर 3,000 रुपये की छूट मिल रही है। ऐसे में मोबाइल 27,000 रुपये में खरीदा जा सकता है। वहीं, नो-कॉस्ट ईएमआई में यदि ग्राहक को यह छूट नहीं मिलती और उसे 30,000 रुपये किस्तों में चुकाने पड़ते हैं, तो बिना ब्याज के भुगतान करने के बावजूद वह 3,000 रुपये अधिक खर्च करेगा। इसके अलावा प्रोसेसिंग फीस या अन्य लागू शुल्क भी कुल लागत बढ़ा सकते हैं। इसलिए फैसला केवल ईएमआई की रकम देखकर नहीं, बल्कि दोनों विकल्पों की कुल कीमत की तुलना करके करना चाहिए।



खरीदारी से पहले इन बातों पर दें ध्यान

- **नकद कीमत से तुलना करें:** पता करें कि बिना ईएमआई के सामान कितने में मिल रहा है और किस्तों में लेने पर कुल भुगतान कितना होगा।
- **छूट का हिसाब लगाएं:** जांचें कि नो-कॉस्ट ईएमआई चुनने पर तत्काल छूट, कैशबैक या बैंक ऑफर का लाभ तो नहीं छूट रहा।
- **अतिरिक्त शुल्क देखें:** प्रोसेसिंग फीस, उस पर लागू कर और अन्य शुल्क जोड़कर वास्तविक लागत निकालें।
- **किस्त चुकाने की क्षमता परखें:** पहले से चल रहे कर्ज और ईएमआई के साथ नई किस्त जोड़कर देखें कि मासिक बजट पर कितना असर पड़ेगा।
- **देर से भुगतान की शर्तें पढ़ें:** किस्त चूकने पर लगने वाले शुल्क, ब्याज और अन्य नियमों की जानकारी पहले ही लें।
- **जरूरत को प्राथमिकता दें:** केवल त्योहार की छूट या सीमित समय के ऑफर के दबाव में गैरजरूरी सामान न खरीदें।

बचत को किस्तों से बचाएं

- त्योहारी खरीदारी के लिए सबसे बेहतर रणनीति बजट तय करके चलना है। पहले जरूरी सामान की सूची बनाएं, फिर अलग-अलग विक्रेताओं की कीमतों और भुगतान विकल्पों की तुलना करें। यदि एकमुश्त भुगतान के बाद आपातकालीन बचत प्रभावित होती है, तो उचित शर्तों वाली ईएमआई पर विचार किया जा सकता है। लेकिन इसके लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आने वाले महीनों की आय से किस्तें आसानी से चुकाई जा सकें।
- नो-कॉस्ट ईएमआई का असली फायदा तभी है, जब वह नकदी का बेहतर प्रबंधन करे, न कि भविष्य की आय पर अनावश्यक बोझ डाले। त्योहार की खुशियां कुछ दिनों की होती हैं, लेकिन ईएमआई कई महीनों तक चल सकती है। इसलिए ऑफर देखकर नहीं, जरूरत, कुल लागत और अपनी भुगतान क्षमता देखकर खरीदारी करें।

कब फायदेमंद यह विकल्प

- नो-कॉस्ट ईएमआई हर स्थिति में नुकसान का सौदा नहीं है। यदि किसी जरूरी उपकरण की तत्काल आवश्यकता है और एकमुश्त भुगतान करने से घर का बजट बिगड़ सकता है, तो किस्तों में भुगतान उपयोगी विकल्प बन सकता है। इससे बचत की पूरी रकम एक साथ खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ती और उपलब्ध नकदी का इस्तेमाल दूसरी जरूरी जरूरतों के लिए किया जा सकता है। बशर्ते किस्तों पर खरीदारी की कुल लागत नकद कीमत के मुकाबले उचित हो और मासिक किस्त आसानी से चुकाई जा सके।
- हालांकि, केवल इसलिए महंगा मोबाइल, बड़ा टीवी या नया लैपटॉप खरीदना उचित नहीं है कि उसकी किस्त कम दिखाई दे रही है। यदि सामान की जरूरत नहीं है या मौजूदा उपकरण ठीक काम कर रहा है, तो केवल ऑफर के आकर्षण में खरीदारी करना खर्च बढ़ाने जैसा है।

घर का बजट न बिगड़ने दें

त्योहार की खरीदारी का असली फायदा तभी है, जब उससे घर का बजट न बिगड़े। नो-कॉस्ट ईएमआई का इस्तेमाल वित्तीय सुविधा के रूप में करें, अतिरिक्त खर्च करने के बहाने के तौर पर नहीं। खरीदारी से पहले यह तय करना जरूरी है कि सामान अभी लेना कितना आवश्यक है और उसके लिए भविष्य की कितनी आय खर्च करनी पड़ेगी। यदि किस्त चुकाने के बाद बचत, जरूरी खर्चों या आपातकालीन जरूरतों के लिए पर्याप्त पैसा नहीं बचेगा, तो खरीदारी टालना बेहतर है।एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि कई छोटी-छोटी ईएमआई मिलकर महीने के बजट पर बड़ा दबाव बना सकती हैं। इसलिए हर नई किस्त को अलग-अलग देखने के बजाय अपनी कुल मासिक देनदारी का हिसाब लगाएं। क्रेडिट कार्ड से जुड़ी ईएमआई में भुगतान की शर्तें और बकाया राशि पर लगने वाले शुल्क भी समझें। केवल विज्ञापन में दिख रही किस्त की रकम के आधार पर निर्णय न लें। आर्थिक समझदारी का अर्थ हर सुविधा से दूर रहना नहीं, बल्कि सुविधा का सही समय पर इस्तेमाल करना है। यदि नो-कॉस्ट ईएमआई से नकदी बचती है और कुल लागत भी उचित रहती है, तो इसका लाभ उठाया जा सकता है। लेकिन त्योहार का उत्साह क्षणिक है, जबकि भुगतान की जिम्मेदारी लंबे समय तक रहती है। खरीदारी ऐसी करें, जिसका आनंद बाद में आर्थिक चिंता में न बदले।



एसआईपी पर भरोसा बरकरार

सितंबर में रिकॉर्ड 32,490 करोड़ का निवेश, इक्विटी फंड में भी निवेश बढ़ा

तैयारी
बिजनेस डेस्क

स्मॉलकैप और मिडकैप फंड में सबसे ज्यादा पैसा आया; बाजार की चाल से ज्यादा निवेश की अवधि और जोखिम क्षमता पर ध्यान देना जरूरी

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और निवेश को लेकर अनिश्चितताओं के बीच म्यूचुअल फंड में नियमित निवेश करने वाले निवेशकों का भरोसा कायम है। सितंबर 2026 में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश बढ़कर रिकॉर्ड 32,490 करोड़ रुपये पहुंच गया। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में एसआईपी के जरिए 32,297 करोड़ रुपये का निवेश आया था। वहीं, इक्विटी म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश भी अगस्त के 29,329 करोड़ रुपये से बढ़कर सितंबर में 38,307 करोड़ रुपये हो गया। यह करीब 30.6 प्रतिशत की मासिक वृद्धि है। आंकड़े बताते हैं कि निवेशक बाजार में पैसा लगाने के लिए नियमित निवेश का रास्ता अपना रहे हैं। हालांकि, निवेश प्रवाह बढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि बाजार में तेजी निश्चित है या हर श्रेणी का फंड बेहतर रिटर्न देगा।

फ्लेक्सीकैप फंड में शुद्ध निवेश 32.5 प्रतिशत बढ़कर 6,702 करोड़ पहुंचा

निवेश लगातार बढ़ रहा

एसआईपी निवेश का सबसे बड़ा फायदा नियमितता है। इसमें निवेशक हर महीने एक तय रकम म्यूचुअल फंड में लगाते हैं। इससे बाजार की चाल देखकर बार-बार निवेश का फैसला करने की जरूरत कम होती है। सितंबर में एसआईपी निवेश पिछले साल के इसी महीने के 29,361 करोड़ रुपये के मुकाबले करीब 11 प्रतिशत बढ़ा है। यह वृद्धि बताती है कि अधिक निवेशक नियमित निवेश की आदत बनाए हुए हैं। एसआईपी के जरिए निवेश करने पर बाजार नीचे होने पर समान रकम से अधिक और बाजार ऊपर होने पर अपेक्षाकृत कम यूनिट खरीदी जाती हैं। इसे रुपये की औसत लागत का लाभ कहा जाता है। हालांकि, इससे नुकसान की आशंका समाप्त नहीं होती और न ही मुनाफे की गारंटी मिलती है।

ये फंड चमके

सितंबर में स्मॉलकैप फंड निवेशकों की पहली पसंद रहे। इस श्रेणी में शुद्ध निवेश अगस्त के 7,973 करोड़ रुपये से बढ़कर 9,039 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, मिडकैप फंड में निवेश 6,989 करोड़ रुपये से बढ़कर 7,835 करोड़ रुपये पहुंच गया। दोनों श्रेणियों में निवेश बढ़ना बताता है कि निवेशकों की दिलचस्पी अपेक्षाकृत अधिक उतार-चढ़ाव वाली कंपनियों में बनी हुई है। स्मॉलकैप और मिडकैप कंपनियों में भविष्य में तेजी से बढ़ने की संभावना हो सकती है, लेकिन इनके शेयरों में गिरावट का जोखिम भी अधिक रहता है। बाजार में कमजोरी आने पर इन फंडों के मूल्य में तेज गिरावट संभव है। इसलिए केवल अधिक निवेश आने के आंकड़े देखकर इनमें पैसा लगाना उचित नहीं है। निवेशक को अपनी जोखिम सहने की क्षमता, वित्तीय लक्ष्य और निवेश की अवधि को ध्यान में रखना चाहिए।

फ्लेक्सीकैप व लार्जकैप में भी सुधार

फ्लेक्सीकैप फंड में सितंबर के दौरान शुद्ध निवेश 32.5 प्रतिशत बढ़कर 6,702 करोड़ रुपये पहुंच गया। अगस्त में यह आंकड़ा 5,059 करोड़ रुपये था। फ्लेक्सीकैप फंड के प्रबंधक बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। इस वजह से इनका निवेश दायरा व्यापक होता है, हालांकि इनसे भी बाजार संबंधी जोखिम जुड़े रहते हैं। लार्जकैप फंड में भी निवेशकों की वापसी देखने को मिली। अगस्त में इन फंडों से 1,147 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई थी, जबकि सितंबर में 859 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया। लार्जकैप फंड मुख्य रूप से बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश करते हैं। इन्हें स्मॉलकैप फंडों की तुलना में अपेक्षाकृत कम जोखिम वाला माना जा सकता है, लेकिन बाजार गिरने पर इनमें भी नुकसान हो सकता है।

कुल संपत्ति में गिरावट

इक्विटी फंड में निवेश बढ़ने के बावजूद म्यूचुअल फंड उद्योग की कुल प्रबंधनाधीन संपत्ति सितंबर में घटकर 82.64 लाख करोड़ रुपये रह गई। अगस्त में यह 87.08 लाख करोड़ रुपये थी। इस तरह एक महीने में करीब 4.44 लाख करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। इसका एक बड़ा कारण डेट म्यूचुअल फंड में भारी शुद्ध निकासी रही। सितंबर में डेट फंड से 1.83 लाख करोड़ रुपये निकाले गए, जबकि अगस्त में इनमें 8,127 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया था। इसके अलावा, बाजार के मूल्यांकन में बदलाव भी कुल संपत्ति के आंकड़े को प्रभावित कर सकता है। इसलिए म्यूचुअल फंड की कुल संपत्ति में गिरावट को केवल इक्विटी निवेशकों के भरोसे में कमी के रूप में देखना सही नहीं होगा।

जोखिम का आकलन जरूरी

सितंबर के आंकड़े नियमित निवेश के प्रति निवेशकों की बढ़ती रुचि दिखाते हैं, लेकिन निवेश का फैसला केवल लोकप्रियता के आधार पर नहीं होना चाहिए। सबसे पहले आपातकालीन जरूरतों के लिए पर्याप्त बचत रखें और महंगे कर्ज को प्राथमिकता से चुकाने की योजना बनाएं। इसके बाद अपने वित्तीय लक्ष्य के अनुसार निवेश की अवधि तय करें। लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन फंड की श्रेणी चुनते समय जोखिम क्षमता का ध्यान रखना जरूरी है।

बाजार में उतार-चढ़ाव : ऐसे में बाजार की चाल का अनुमान लगाने के बजाय निवेश की रणनीति बनाएं

एकमुश्त रकम लगाने से बचें, 5 से 10 लाख रुपये निवेश करने से पहले तय करें लक्ष्य, समयावधि और जोखिम उठाने की क्षमता

बिजनेस डेस्क। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच निवेशकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह तय करना है कि पैसा कब और कहां लगाया जाए। जिन लोगों के पास 5 से 10 लाख रुपये की एकमुश्त राशि है, वे अक्सर बाजार में गिरावट का इंतजार करते हैं या तेजी देखकर पूरी रकम निवेश कर देते हैं। दोनों ही स्थितियों में जल्दबाजी नुकसान का कारण बन सकती है। विशेषज्ञों की सलाह है कि बाजार की अगली चाल का अनुमान लगाने के बजाय निवेश की अवधि, जोखिम उठाने की क्षमता और विविधीकरण पर ध्यान देना चाहिए। पूरी रकम एक ही दिन लगाने के बजाय चरणबद्ध निवेश करना जोखिम संभालने में मदद कर सकता है। हालांकि, इससे नुकसान की आशंका पूरी तरह समाप्त नहीं होती। जानकारों का कहना है कि हालिया गिरावट के बाद लार्जकैप शेयरों का मूल्यांकन अपेक्षाकृत आकर्षक नजर आ रहा है। 12 अक्टूबर के आंकड़ों के मुताबिक, निफ्टी-50 का पिछला 12 महीने का मूल्य-आय अनुपात 19.1 गुना था, जबकि निफ्टी मिडकैप-150 का 28.1 गुना और निफ्टी स्मॉलकैप-250 का 34.4 गुना था।



स्मॉलकैप में जोखिम को न भूलें : लंबी अवधि के निवेशकों के लिए स्मॉलकैप कंपनियों में विकास की संभावनाएं हो सकती हैं। लेकिन इन शेयरों में उतार-चढ़ाव अधिक होता है और गिरावट के दौरान नुकसान बड़ा हो सकता है। इसलिए स्मॉलकैप में निवेश तभी उचित है, जब निवेशक कम से कम पांच वर्ष तक पैसा लगाए रखने की स्थिति में हों और बाजार की गिरावट के दौरान घबराकर निवेश निकालने से बच सकें।

विविधीकरण से संभालें जोखिम : फ्लेक्सीकैप फंड बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। मल्टीकैप फंडों में इन तीनों श्रेणियों में कम से कम 25-25 प्रतिशत निवेश करना अनिवार्य है। वहीं, मल्टी-एसेट फंड इक्विटी, ऋण आधारित साधनों और सोने जैसी अलग-अलग परिसंपत्तियों में निवेश करते हैं। इससे किसी एक श्रेणी पर निर्भरता कम हो सकती है। हालांकि, हर फंड का जोखिम अलग होता है।

40:60 की रणनीति अपना सकते हैं : यदि आपके पास 10 लाख रुपये हैं, तो एक विकल्प के तहत 4 लाख रुपये शुरुआती चरण में और शेष 6 लाख रुपये अगले तीन से छह महीने में किस्तों में निवेश किए जा सकते हैं। पांच लाख रुपये की राशि के लिए यही अनुपात 2 लाख और 3 लाख रुपये होगा। इससे पूरी रकम बाजार के किसी एक स्तर पर लगाने का जोखिम कम हो सकता है। यह अनुपात हर निवेशक के लिए उपयुक्त हो, ऐसा जरूरी नहीं है; इसे लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुसार तय करना चाहिए।

निवेश से पहले लागत, गुणवत्ता और ग्राहकों की जरूरत का करें आकलन

दिवाली से पहले शुरू करें ये कारोबार, कम पूंजी में कमाई का मौका

आइडिया
बिजनेस डेस्क

तोरण-सजावट, मिठाई, उपहारों की टोकरी और चॉकलेट की त्योहारों में बढ़ती मांग का उठाएं लाभ



त्योहारों का मौसम छोटे कारोबारियों और अपना काम शुरू करने की योजना बना रहे लोगों के लिए अतिरिक्त कमाई का अवसर लेकर आता है। दिवाली पर घरों की सजावट से लेकर मिठाई, उपहार और चॉकलेट तक की खरीदारी बढ़ जाती है। इस साल 8 नवंबर को दिवाली मनाई जाएगी। ऐसे में तैयारी के लिए सीमित समय बचा है। इच्छुक लोग अपनी पूंजी और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार छोटा कारोबार शुरू कर सकते हैं। कुछ काम घर से भी किए जा सकते हैं, जिससे दुकान का किराया बच सकता है। हालांकि, केवल त्योहार में मांग बढ़ने के अनुमान के आधार पर निवेश करना सही नहीं है। पहले स्थानीय बाजार, संभावित ग्राहकों, सामान की लागत और बिक्री की योजना समझना जरूरी है।

तोरण और सजावटी सामान का कारोबार

दिवाली पर घरों और दुकानों को सजाने के लिए तोरण, बंदनवार, कृत्रिम फूल, रंगोली सामग्री, दीये, लाइटें और सजावटी वस्तुओं की खरीदारी होती है। कम पूंजी में इस कारोबार की शुरुआत सीमित उत्पादों से की जा सकती है। स्थानीय थोक बाजार से सामान खरीदकर घर, छोटी दुकान या इंटरनेट के माध्यम से बिक्री का विकल्प अपनाया जा सकता है। इस कारोबार में अलग-अलग बजट के उत्पाद रखना उपयोगी है। पारंपरिक सजावट के साथ आधुनिक डिजाइन और दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले उत्पाद भी ग्राहकों को आकर्षित कर सकते हैं। दिवाली के बाद क्रिसमस और नए साल की सजावट से संबंधित सामान बेचने की योजना भी बनाई जा सकती है। हालांकि, बचा हुआ मौसमी स्टॉक अगली बिक्री तक पूंजी फंसा सकता है, इसलिए जरूरत से ज्यादा सामान खरीदने से बचें।

मिठाई का काम

दिवाली पर मिठाइयों की मांग बढ़ने से यह कारोबार कमाई का अवसर दे सकता है। जिन लोगों को मिठाई बनाने का अनुभव है, वे सीमित मात्रा से शुरुआत कर सकते हैं। अन्य लोग किसी भरोसेमंद निर्माता से सामान लेकर बिक्री का विकल्प तलाश सकते हैं। पारंपरिक मिठाइयों के साथ छोटे पैक और उपहार पैक भी रखे जा सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक ग्राहकों के लिए कम चीनी या बिना अतिरिक्त चीनी वाले उत्पादों की मांग का आकलन किया जा सकता है। हालांकि, ऐसे उत्पादों पर स्पष्ट सामग्री और पोषण संबंधी जानकारी देना जरूरी है। मिठाई जल्दी खराब हो सकती है, इसलिए ताजगी, भंडारण, स्वच्छता और समय पर आपूर्ति का ध्यान रखें। खाद्य कारोबार शुरू करने से पहले लागू खाद्य सुरक्षा नियमों और एफएसएसएआई पंजीकरण या लाइसेंस की जरूरत की जानकारी अवश्य लें।

उपहारों की टोकरी बनाकर बेचें

दिवाली पर परिवारों, मित्रों और कारोबारी सहयोगियों को उपहार देने की परंपरा है। इसका लाभ उठाकर सूखे मेवे, सजावटी सामान, उपयोगी घरेलू वस्तुओं और अन्य उत्पादों की आकर्षक उपहार टोकरी तैयार की जा सकती है। ग्राहक के बजट के अनुसार छोटे, मध्यम और प्रीमियम पैक बनाए जा सकते हैं। इस कारोबार की खासियत यह है कि शुरुआत में बहुत अधिक स्टॉक रखना जरूरी नहीं। पहले नमूने तैयार करके ग्राहकों से ऑर्डर लिए जा सकते हैं। स्थानीय दुकानों, कार्यालयों और परिचित कारोबारियों से संपर्क करना भी उपयोगी हो सकता है। पैकिंग, उत्पादों की गुणवत्ता और समय पर आपूर्ति पर विशेष ध्यान दें। हर टोकरी की लागत में सामान, पैकिंग, परिवहन और अपने श्रम को शामिल करके ही कीमत तय करें।

घर से चॉकलेट बनाकर बेचें

हस्तनिर्मित चॉकलेट, उपहार पैक और आकर्षक पैकेजिंग वाले उत्पाद त्योहारों पर उपहार के विकल्प बन सकते हैं। चॉकलेट बनाने का कौशल रखने वाले लोग छोटे बैच से शुरुआत कर सकते हैं। स्थानीय ग्राहकों, परिचितों और इंटरनेट आधारित माध्यमों से ऑर्डर जुटाए जा सकते हैं। इस कारोबार में कच्चे माल की गुणवत्ता, स्वाद, पैकिंग और भंडारण महत्वपूर्ण हैं। गर्म मौसम या अनुचित भंडारण से चॉकलेट की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। इसलिए उत्पादन क्षमता के अनुसार ही ऑर्डर लें और समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करें। बड़े निवेश से पहले कुछ नमूने बनाकर ग्राहकों की प्रतिक्रिया लेना बेहतर होगा।

निवेश से पहले बनाएं खर्च का हिसाब

इन चारों कारोबारों में शुरुआती लागत उत्पादों की संख्या, गुणवत्ता, उपकरण, पैकिंग और बिक्री के माध्यम पर निर्भर करेगी। शुरुआत छोटी रखकर मांग के अनुसार विस्तार करना जोखिम सीमित कर सकता है। संभावित बिक्री को निश्चित मुनाफा न मानें। सामान की लागत के साथ परिवहन, बिजली, पैकिंग, खराब होने वाले उत्पाद और बिना बिके स्टॉक का खर्च भी जोड़ें। त्योहारों में कारोबार का अवसर जरूर है, लेकिन कमाई की गारंटी नहीं। ग्राहकों की जरूरत समझकर, गुणवत्ता बनाए रखकर और पूंजी का हिसाब रखते हुए शुरुआत की जाए तो छोटा मौसमी कारोबार आगे चलकर नियमित आय का जरिया भी बन सकता है।



फोकिना ने किया बड़ा उलटफेर, विश्व के नंबर 2 ज्वेरेव को हराकर फाइनल में एंट्री

एजेंसी ▶▶| शंघाई

शंघाई मास्टर्स के सेमीफाइनल में एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना ने विश्व के नंबर 2 खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर बड़ा उलटफेर किया है। यह स्पेनिश खिलाड़ी के करियर की सबसे बड़ी जीतों में से एक है।

डेविडोविच फोकिना ने अपने करियर में दूसरी बार जर्मन खिलाड़ी ज्वेरेव को हराया। शंघाई के स्टेडियम कोर्ट पर खेले गए इस कड़े सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने ज्वेरेव को 5-7, 6-4, 6-3 से मात दी। यह मैच दो घंटे छह मिनट तक चला। विश्व के नंबर 26 रैंकिंग वाले खिलाड़ी डेविडोविच फोकिना पहला सेट हार गए थे, जो काफी कड़ा मुकाबला रहा। इसके बाद उन्होंने अपना खेल बेहतर किया, बेसलाइन पर शानदार प्रदर्शन दिखाया और दूसरे सेट के 10वें गेम में टॉप सीड ज्वेरेव की सर्विस तोड़ दी। उन्होंने 46 मिनट में दूसरा सेट अपने नाम कर लिया।

फोकिना ने ज्वेरेव को 2 घंटे 6 मिनट में दी मात



ज्वेरेव ने किया डबल फॉल्ट

तीसरे सेट की शुरुआत में ज्वेरेव ने डबल फॉल्ट किया, जिससे डेविडोविच फोकिना को बड़ा फायदा मिला। इस मौके का फायदा उठाते हुए उन्होंने अपनी लय बनाए रखी और पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने संयम बनाए रखते हुए अपनी सर्विस पर तीसरा सेट जीता और अपने करियर के दूसरे एटीपी मास्टर्स 1000 के फाइनल में जगह बनाई।

फोकिना ने बचाए रखी अपनी सर्विस

तीसरे सेट में जब स्कोर 5-2 था और ज्वेरेव सर्विस कर रहे थे, तब डेविडोविच फोकिना के पास दो मैच प्वाइंट थे, लेकिन वे उन्हें भुना नहीं पाए। जर्मन खिलाड़ी ने हार नहीं मानी और एक और गेम के लिए संघर्ष किया। हालांकि, यह संघर्ष ज्यादा देर तक नहीं चला, क्योंकि डेविडोविच फोकिना ने अपनी सर्विस बचाए रखी और सेट के साथ-साथ मैच भी जीत लिया।

मैंने बस खेल का आनंद लिया : डेविडोविच

डेविडोविच फोकिना ने कहा, नतीजा क्या होगा, इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं बस हर एक गेंद पर ध्यान दे रहा था। मुझे पता था कि अगर मैं पूरे मैच में डटा रहा, तो मुझे कम से कम एक मौका जरूर मिलेगा, और मुझे वह मौका दूसरे सेट में मिला। फिर तीसरे सेट में मुझे लगता है कि मैं शारीरिक रूप से बेहतर था। तीसरे सेट की शुरुआत में मिली ब्रेक (सर्विस तोड़ना) से मुझे काफी ताकत मिली। मैंने सिर्फ खेलने पर ध्यान दिया, नतीजे की परवाह नहीं की, बस खेल का आनंद लिया। फोकिना ने कहा, अंत में जब आप बाहर होते हैं तो चीजें आसान नहीं होतीं। आपके पास सोचने के लिए बहुत समय होता है। यहां होना और इस खेल को खेलना हमारे लिए बहुत सौभाग्य की बात है। इस समय ने मुझे यह सोचने का काफी मौका दिया कि मैं अपने भविष्य में क्या करना चाहता हूं। फाइनल में डेविडोविच फोकिना का मुकाबला राफेल जोदार या डेनिल मेदवेदेव में से किसी एक से होगा।

खबर संक्षेप



हांगकांग सिक्सेस के कप्तान बने कृणाल

हांगकांग। तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को न्यूजीलैंड दौरे के लिए राष्ट्रीय टीम में वापस बुलाए जाने के भारतीय हरफनमौला कृणाल पंड्या को हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट के लिए सात सदस्यीय भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कुलवंत खेजरोलिया टूर्नामेंट के लिए टीम में भुवनेश्वर की जगह लेंगे। हांगकांग सिक्सेस का आयोजन 30 अक्टूबर से एक नवंबर तक होगा। कृणाल पहले से ही टीम का हिस्सा थे। भारतीय टीम के अन्य सदस्यों में शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नीतीश राणा, राहुल त्रिपाठी और टी. नटराजन शामिल हैं।

बांग्लादेश को झटका, लिटन दास त्रिकोणीय सीरीज से बाहर

अबू धाबी। बांग्लादेश के वनडे कप्तान लिटन दास, अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के साथ खेली जा रही त्रिकोणीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। हिप जॉइंट में चोट के कारण लिटन दास को सीरीज शुरू होने से ठीक पहले ही टीम से बाहर होना पड़ा है। उनकी गैर-मौजूदगी में तौहीद हृदोय टीम की कमान संभाल रहे हैं। लिटन दास को इस साल की शुरुआत में मेहदी हसन मिराज की जगह बांग्लादेश की वनडे टीम का पूर्णकालिक कप्तान बनाया गया था। यह फैसला टीम प्रबंधन ने अगले वर्ष होने वाले आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप की तैयारियों को मद्देनजर रखते हुए लिया था, ताकि टीम एक स्थिर नेतृत्व के साथ अपने अभियान को मजबूत कर सके। त्रिकोणीय सीरीज के पहले मैच में बांग्लादेश का सामना जिम्बाब्वे से हो रहा है, जिसमें जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला लिया है।

एआईटीए रोस्टर में बोपन्ना को नहीं मिली जगह

नई दिल्ली। दुनिया के पूर्व नंबर एक युगल खिलाड़ी रोहन बोपन्ना को एआईटीए उत्कृष्ट योग्यता वाले खिलाड़ी (एसओएम) की सूची में जगह नहीं मिली है क्योंकि राष्ट्रीय खेल प्रशासन नियमों 2026 के तहत खेल से संन्यास को कम से कम एक वर्ष पूरा होने की शर्त वह पूरी नहीं करते। 46 वर्ष के बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस से एक नवंबर 2025 को संन्यास लिया था। एआईटीए ने जब 16 अक्टूबर 2026 को एसओएम रोस्टर जारी किया, जो उसमें बोपन्ना संन्यास को एक साल पूरा होने की अवधि से कुछ दिन से चूक गए।

महिला टी-20 : भारत और जिम्बाब्वे के बीच मैच शाम 7 बजे से

जिम्बाब्वे के खिलाफ लय तलाशने उतरेगा भारतीय शीर्ष क्रम, दूसरा मुकाबला आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पहले मैच में असफल रहे भारतीय शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रविवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अधिक आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी करने की कोशिश करेंगे। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की नाकामी के कारण भारतीय टीम पहले मैच में एक समय संकट में दिख रही थी। भारतीय बल्लेबाजों ने जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण को सहजता से लिया, जिससे वह संकट में पड़ गए। जिम्बाब्वे की तरफ से ऑफ स्पिनर न्याशा ग्वांजुरा ने पावरप्ले में तीन विकेट लिए। भारत के चोटी के बल्लेबाज अब दूसरे मैच में इसकी भरपाई करने की कोशिश करेंगे।



हम आक्रामक खेल खेलना चाहते हैं : दीप्ति

दीप्ति में एक बार फिर से दिखाया कि वह भारत के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। इस ऑलराउंडर ने कहा कि कुछ ऐसे मौके भी आएंगे जब विपक्षी टीम हावी रहेगी। दीप्ति ने कहा, 'निश्चित रूप से हम आक्रामक खेल खेलना चाहते हैं और यही बात हमारे दिमाग में थी।' उन्होंने कहा, 'मैच में कभी-कभी ऐसा होता है। आप जो चाहते हैं भगवान हमेशा आपको वही नहीं देता है। लेकिन हम हमेशा सीखते हैं। मुझे यकीन है कि आज जो हुआ वह अगले मैच में नहीं होगा।' दीप्ति ने कहा, 'निक्की ने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की। ऐसा लग ही नहीं रहा था कि वह अपना पहला मैच खेल रही है। एक युवा खिलाड़ी का यह आत्मविश्वास सराहनीय है। मुझे विश्वास है कि इस मैच से उसे काफी आत्मविश्वास मिलेगा।'

नेतृत्व करने उत्सुक होंगी मंधाना

मंधाना का यह पूर्णकालिक कप्तान के रूप में पहला मैच था, जिसमें बल्लेबाज के रूप में वह नाकाम रही और अब वह आगे बढ़कर नेतृत्व करने के लिए उत्सुक होंगी। भारत के लिए बल्लेबाजी में सकारात्मक पहलू निक्की प्रसाद का शानदार प्रदर्शन रहा। उन्होंने दबाव में भी संयम और स्ट्रोकप्ले का शानदार नमूना पेश किया।'

स्पिन के खिलाफ भारत की कमजोरी उजागर

भारतीय गेंदबाजों ने जिम्बाब्वे को 5 विकेट पर 114 रन ही बनाने दिया। उसकी टीम सलामी बल्लेबाज केलिस नधलोवु और शार्ने मेयर्स से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगी, जिन्होंने पहले मैच में बल्लेबाजी में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। जिम्बाब्वे को यह भी उम्मीद होगी कि ग्वांजुरा अपने प्रभावशाली प्रदर्शन को बरकरार रखने में कामयाब होगी। उन्होंने पावरप्ले के दौरान स्पिन के खिलाफ भारत की कमजोरी को उजागर किया था।

टीमें इस प्रकार

भारत : स्मृति मंधाना (कप्तान), हरमनप्रीत कौर, शेफाली वर्मा, निक्की प्रसाद, अनुष्का शर्मा, ऋचा घोष, कमलिनी, दीप्ति शर्मा, प्रेमा रावत, श्रीचरणी, नंदनी शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, जिन्तिमणि कलिता, मिन्नू मणि।

जिम्बाब्वे : जोसेफिन नकोमो (कप्तान), बिलव्ड बिज्रा, चिपो मुगेरी-तिरिपानो, केलिस नधलोवु, मिशेल मावुंगा, न्याशा ग्वांजुरा, नोम्पिलो सिबांडा, लोरिन फिरी, चिएजा दुरुरु, मोडेस्टर मुपाचिक्वा, तेंदाएई मायकुशा।

मैच का समय : शाम 7 बजे

भारत-वेस्टइंडीज टी-20 शृंखला 2-2 से बराबर

बारिश ने छीना निर्णायक मुकाबला



होप प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए

4 साल बाद घर पर सीरीज नहीं जीत सकी टीम इंडिया

भाषा ▶▶| बेंगलुरु

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांचवां और निर्णायक टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला शनिवार को यहां बारिश के कारण रद्द हो गया, जिससे पांच मैचों की शृंखला 2-2 से बराबर रही। बारिश के कारण मुकाबला दो घंटे 15 मिनट की देरी से शुरू हुआ और इसे नौ-नौ ओवर का कर दिया गया। भारतीय पारी के दौरान आठवें ओवर में एक बार फिर बारिश ने खेल रोक दिया। इसके बाद कुछ देर की इंतजार के बाद अंपायरों ने मुकाबला रद करने का फैसला किया। मैच रद होने से पहले ईशान किशन और नमन धीर ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए भारत को 7.4 ओवर में पांच विकेट पर 118 रन के मजबूत स्कोर तक पहुंचा दिया था। किशन ने महज 10 गेंदों में 30 रन ठोके, जबकि धीर ने सिर्फ छह गेंदों में नाबाद 24 रन बनाए। लगातार बारिश के कारण मुकाबला रात 9.15 बजे शुरू हो सका। शाम करीब चार बजे शुरू हुई बारिश के चलते मैच में काफी देरी हुई और इसे रात 10.03 बजे बारिश ने फिर खेल रोक दिया। इसके बाद वेस्टइंडीज को पांच ओवर में लक्ष्य का पीछा करने का मौका देने के लिए रात 10.21 बजे तक का कटऑफ समय तय किया गया था, लेकिन बारिश नहीं थमी और रात 10.18 बजे ही मुकाबला रद्द घोषित कर दिया गया। पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए। अभिषेक शर्मा ने कीमो पॉल की गेंद पर छक्का लगाकर पारी का आगाज किया, लेकिन पॉल ने जल्द ही उन्हें पवेलियन भेज दिया। अभिषेक का फ्लिक शॉट सर्कल के किनारे खड़े शमर जोसेफ के हाथों में समा गया। इसके बाद किशन ने वेस्टइंडीज के गेंदबाजों पर जमकर हमला बोला। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने रोमारियो शेफर्ड के पारी के दूसरे ओवर में 24 रन बटोरकर कैरेबियाई गेंदबाजी की लय बिगाड़ दी। किशन ने इस ओवर में दो छक्के और दो चौके लगाए।

अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप

अमृता ने जीता चांदी भारत को मिले दो पदक



एजेंसी ▶▶| लास वेगास

भारतीय पहलवान अमृता पुजारी को अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के महिला 72 किग्रा वर्ग के फाइनल में यूक्रेन की इरीना जाब्लोत्स्का के खिलाफ चित होने के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इसके साथ ही भारतीय महिला पहलवानों का अभियान दो पदकों के साथ समाप्त हो गया। अमृता मुकाबले में 0-6 से पीछे चल रही थीं, तभी जाब्लोत्स्का ने उन्हें चित कर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। भारत की स्वीटी के पास एक और पदक जीतने का मौका था, लेकिन वह 53 किग्रा वर्ग के कांस्य पदक के मुकाबले में यूक्रेन की अनास्तासिया पोल्स्का से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 0-11 से हार गईं।

वैष्णवी रेपचेज में नहीं उठा सकीं फायदा

स्वीटी ने रेपचेज दौर में चीन की शियाओतोंग जेंग को 11-10 से हराकर कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाई थी। वैष्णवी पाटिल भी रेपचेज में मिले मौके का फायदा नहीं उठा सकीं। उन्हें जापान की हारुका कोबारू के खिलाफ 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले कोमल ने महिला 59 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता था।

पुरुष पहलवानों का प्रदर्शन निराशाजनक

भारतीय पुरुष फ्रीस्टाइल पहलवानों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। शुक्रवार को मुकाबले में उतरे पांचों भारतीय पहलवान पदक की दौड़ तक नहीं पहुंच सके। वैभव पाटिल को 61 किग्रा वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में रोमानिया के गैब्रियल व्हिसेनहंट के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 0-11 से हार का सामना करना पड़ा तो वहीं 74 किग्रा वर्ग में आदर्श पाटिल को अंतिम-16 के मुकाबले में जापान के तोकी ओगावाल ने 6-4 से हराकर प्रतियोगिता से बाहर कर दिया। अमित का अभियान 86 किग्रा वर्ग में अंतिम-16 में समाप्त हो गया।

जयवर्धने ने छोड़ा मुंबई इंडियंस का साथ

मुंबई। श्रीलंका के दिग्गज खिलाड़ी महेला जयवर्धने ने मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। फ्रेंचाइजी ने शनिवार को इसकी पुष्टि की। जयवर्धने जब पहली बार मुंबई के मुख्य कोच बने थे तब उनकी टीम ने तीन खिताब जीते थे। उन्होंने इसके बाद 2025 के सत्र से पहले फिर से मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाली। इससे पहले उन्होंने 2017 से 2022 तक मुंबई को कोचिंग दी थी।' मुंबई इंडियंस की मालिक नीता अंबानी ने कहा, 'महेला ने वर्षों से मुंबई इंडियंस में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनका शांतचित्त रहकर नेतृत्व करना, ईमानदारी और खेल के प्रति गहरा लगाव हमारे लिए बहुत मायने रखता है। मैं मुंबई इंडियंस के परिवार की तरफ से महेला का उनके वर्षों के अमूल्य योगदान और अटूट प्रतिबद्धता के लिए आभार व्यक्त करती हूं।'



हरियाणा की बेटियों का दबदबा, प्रिया को रिकॉर्ड तोड़ गोल्ड, खुशबू ने जीता ब्रॉन्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राजस्थान के जयपुर स्थित सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित इंडियन ओपन अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हरियाणा की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य का नाम रोशन किया है। पूरे देश के 122 सदस्यीय सबसे बड़े दल में से हरियाणा की दो होनहार थ्रोअर्स ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन कर प्रदेश की झोली में दो पदक डाले। एथलेटिक्स हरियाणा के महासचिव प्रदीप मलिक ने बताया कि महिला वर्ग के डिस्कस थ्रो इवेंट में भिवानी की प्रिया ने इतिहास रच दिया। प्रिया ने 53.07 मीटर दूर थ्रो फेंककर नया मीट रिकॉर्ड बनाया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने राजस्थान की निकिता (51.92 मीटर) और दिल्ली की अनीशा (51.11 मीटर) को पीछे छोड़ते हुए यह स्वर्णिम सफलता हासिल की। वहीं, महिला शॉट-पुट प्रतियोगिता में हरियाणा की खुशबू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में बीएसएफ की मुनीश (14.27 मीटर) पहले और यूपी की झलक चाहल (14.14 मीटर) दूसरे स्थान पर रहीं।



इस उपलब्धि पर एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की ग्रीवेंस कमेटी के सदस्य राजकुमार मितान और एथलेटिक्स हरियाणा के अध्यक्ष दिलबाग सिंह ने सभी पदक विजेताओं को मेडल प्रदान कर बधाई दी। फरीदाबाद खेल मीडिया प्रभारी सत्यवीर धनखड ने भी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

6 भारतीय खिलाड़ियों ने बनाई कट में जगह

40 लाख डॉलर की गोल्फ प्रतियोगिता में भारत का दबदबा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

स्पेन के यूजीनियो चाकारा ने डीपी वर्ल्ड इंडिया गोल्फ चैंपियनशिप में खराब मौसम के कारण समाप्त हुए दूसरे दौर के बाद एक शॉट की बढ़त बना ली है, जबकि 6 भारतीय खिलाड़ियों ने कट में जगह बनाई। भारत के ओम प्रकाश चौहान, युवराज संधू, अनिर्बान लाहिड़ी, शिव कपूर, करणदीप कोचर और सप्तक तलवार इस 40 लाख अमेरिकी डॉलर इनामी प्रतियोगिता में कट में जगह बनाने में सफल रहे। चाकारा ने दूसरे दौर में तीन अंडर 67 का स्कोर बनाकर कुल 10 अंडर 134 का स्कोर हासिल किया। स्कॉटलैंड के स्कॉट जैमीसन ने भी 67 का स्कोर बनाया और उनका कुल स्कोर नौ अंडर 135 हो गया है। पांच खिलाड़ी आठ अंडर 136 के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर है।



मैकलॉय संयुक्त 12वें स्थान पर

उत्तरी आयरलैंड के रॉरी मैकलॉय छह अंडर 138 के स्कोर के साथ संयुक्त 12वें स्थान पर हैं। उनके अलावा आयरलैंड के शेन लोरी (75-65), आरोन राय (69-74), जस्टिन रोज (72-72) और पैट्रिक रीड (75-69) ने भी कट में जगह बनाई। डैनी विलेट अस्वस्थ होने के कारण टूर्नामेंट से हट गए, जबकि रयान फॉक्स (76-70) कट में जगह नहीं बना पाए।

सबसे आगे चौहान

भारतीय खिलाड़ियों में चौहान (68-72) सबसे आगे हैं। वह चार अंडर 140 के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 29वें स्थान पर चल रहे हैं। उनके बाद संधू (75-68) और लाहिड़ी (70-73) का नंबर आता है, जो एक अंडर 143 के स्कोर के साथ संयुक्त 53वें स्थान पर हैं। कट हासिल करने वाले अन्य भारतीय खिलाड़ी कपूर (72-72), कोचर (72-72) और तलवार (71-73) हैं। यह तीनों 144 के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 63वें स्थान पर हैं। इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले सात मेजर चैंपियन रहे खिलाड़ियों में से पांच ने कट में जगह बनाई।



कट से चूके अहलावत और शुभंकर

भारत के जो खिलाड़ी कट में जगह नहीं बना पाए उनमें सचिन बैसोया (74-71), राशिद खान (77-69), वीर अहलावत (74-72), शुभंकर शर्मा (76-72), अजितेश संधू (74-78), कार्तिक सिंह (76-76) और शौर्य भट्टाचार्य (78-74) शामिल हैं।

हरिभूमि क्लासीफाइड विज्ञापन

ज्योतिष

दुआ भी तकदीर बदल देती है
तांत्रिक मास्टर किंग का एलान
भटको चाहे जिधर काम होगा इधर
2 घंटे में समाधान
प्रेम विवाह, सौतन-दुश्मन से छुटकारा, पति-पत्नी में अनबन, प्यार में धोखा, रूठे को मनाना, नौकरी, कारोबार में बाधा आदि।
स्पेशलिस्ट वशीकरण, मूठकरनी
मियां मलिक जी
9711428545
सारे इल्मों के माहिर

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाइड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109



कठिन समस्याएं अब न होंगी

क्यूंकि सच्ची सहेली में हैं 67 खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करे।

24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in



Clinically Tested*

67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

INDIA'S MOST TRUSTED BRAND

Helps in:

कठिन दर्द | चिड़चिड़ापन | थकान | कमजोरी | कमर कटना | इम्यूनिटी

सच्ची सहेली®

2022 में जो.बाइडन की सरकार ने की थी शुरुआत, ट्रंप प्रशासन ने फैसले पर स्थायी रूप से चलाई कैंची

खत्म किया 540 दिनों का स्वचालित वर्क परमिट विस्तार, बढ़ेंगी एच1बी वीजा धारकों की मुश्किलें!

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

दुनिया में एच1बी वीजा के तहत अमेरिका जाकर उच्च-शिक्षा से लेकर रोजगार पाने वालों में भारत के लोग शीर्ष पर काबिज हैं। हर साल लगभग 71% भारतीयों को यह वीजा मिलता है। लेकिन भविष्य में इसकी राह बिल्कुल भी आसान नजर नहीं आ रही है। क्योंकि अमेरिका दो तरह से इस मामले में सख्ती को बढ़ाने में लगा हुआ है। जिसमें एक ओर उसने बीते वक्त में वीजा जारी करने के नियमों को पहले के मुकाबले और अधिक कड़ा बना दिया है। तो दूसरे में अब ट्रंप प्रशासन के तहत आने वाले अमेरिकी नागरिकता-आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) ने बीते 14 अक्टूबर से एच1बी वीजा को लेकर रोजगार प्राधिकरण दस्तावेज (ईएडी) और वर्क परमिट के नवीनीकरण से मिलने वाले 540 दिनों के ऑटोमैटिक वर्क परमिट विस्तार के नियम को ही स्थायी रूप से समाप्त कर दिया है। इस बाबत बदलाव को अमेरिकी सरकार ने पिछले साल 30 अक्टूबर को अंतरिम नियम के तहत अंतिम रूप दिया था। जबकि पूर्व में यह व्यवस्था बेरोकटोक चल रही थी। ज्ञात हो कि अमेरिका के इस निर्णय से एच1बी वीजा की सभी श्रेणियों (छात्रों, कुशल कर्मियों, शिक्षा-अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में शामिल लाभार्थी) के एक साथ प्रभावित होने की संभावना कम ही नजर आ रही है।

वीजा नवीनीकरण पर पड़ेगा असर

इस बदलाव से मुख्यतः एच1बी वीजा धारकों तथा उनके एच-4 जीवनसाथियों सहित कई विदेशी कर्मचारियों के लिए समस्या विकराल हो गई है। जिनके पास अमेरिका में काम करने की अनुमति तो है। लेकिन अभी तक उनके वीजा का नवीनीकरण नहीं हुआ है और संबंधित फाइल विभाग के पास लंबित पड़ी हुई है। वहीं, यहां ये भी बता दें कि इस फैसले की जद में वो वीजा आवेदक ही आएंगे। जिन्होंने पिछले साल 25 अक्टूबर 2025 को या उसके बाद वर्क परमिट, वीजा नवीनीकरण के लिए आवेदन किया था। जबकि इसके पूर्व में किए गए आवेदनों के मामले में फिलहाल किसी तरह की कोई परेशानी न होने के संकेत मिल रहे हैं।

बैकलॉग खत्म करना चाहते थे बाइडन

अमेरिका की पूर्व जो.बाइडन सरकार ने साल 2022 में वर्क परमिट विस्तार का यह निर्णय लिया था। जिसके पीछे सोच इस मामले में तेजी से बढ़ते बैकलॉग को खत्म करना और अमेरिका में अपने रोजगार को बनाए रखने की इच्छा वाले लोगों को राहत प्रदान करना था। 2024 में इसे अस्थायी रूप से आगे बढ़ा दिया गया था। फिर संबंधित साल के अंत तक इस बाबत लिए गए फैसले को अनिश्चितकाल के लिए आगे बढ़ा दिया गया। जिसे ट्रंप सरकार ने अब पूरी तरह से पलट दिया है।

इमिग्रेशन प्रक्रिया को दुरुस्त करने की मंशा

अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि इस बदलाव के मार्फत वह और कुछ नहीं बल्कि अपने देश की इमिग्रेशन प्रक्रिया को पहले से अधिक चाक-चौबंद बनाना चाहता है। जिसमें वर्क परमिट या वीजा देने से पहले आवेदकों की पात्रता, सुरक्षा और पृष्ठभूमि की 360 डिग्री जांच को अनिवार्य किया गया है।

जहर उगलने वाले ये हाशिए के नेता, सिर्फ शोर मचा रहेः कंवल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन को लेकर अमेरिका के 6 सांसदों की ओर से विदेश मंत्री मार्को रुबियो को लिखी गई चिट्ठी पर भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस पहल को महज शोर-शराबा बताते हुए कहा कि इससे भारत में अमेरिका के प्रति नकारात्मक धारणा बनेगी। सिब्बल ने अमेरिकी सांसदों की आलोचना करते हुए कहा कि इस याचिका का कोई खास महत्व नहीं है।

- अमेरिकी सांसदों पर भड़के पूर्व विदेश सचिव

6 अमेरिकी सांसदों ने मार्को रुबियो को लिखी चिट्ठी

अमेरिका के 6 सांसदों ने भारत में चल रहे विरोध प्रदर्शन का समर्थन करते हुए मानवाधिकारों को लेकर चिंता जताई है। इस संबंध में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को चिट्ठी लिखी गई है। इस पर प्रमिला जयपाल, जेम्स पी. मैकगवर्न, जीसस जी. चुई गार्सिया, रशीदा तलीब, एलेनोर होम्स नॉर्टन और इल्हान उमर ने हस्ताक्षर किए हैं। सांसदों ने अपनी चिट्ठी में भारत में विरोध प्रदर्शन और मानवाधिकारों से जुड़े मुद्दों पर चिंता जाहिर की है।



Dr. Juneja's

Dr. Ortho® ORTHOPAEDIC MATTRESS

Spinal Support For Pain-Free Sleep

Consumer Offer

डा. ऑर्थो मैट्रेस खरीदें और Original Bill दिविसा हर्बल्ज़ प्राइवेट लिमिटेड के मो. नंबर: 8264822252 पर शेयर करें, और पाएं Worth ₹ 1,000/- का डा. ऑर्थो फ्री गिफ्ट हैम्पर



Orthopaedic Support Promotes Proper Spinal Alignment

Pain Relief Helps Reduce Back & Body Pain

Breathable Comfort Better Airflow For Comfortable Sleep

Durable & Reliable Built For Long-lasting Performance

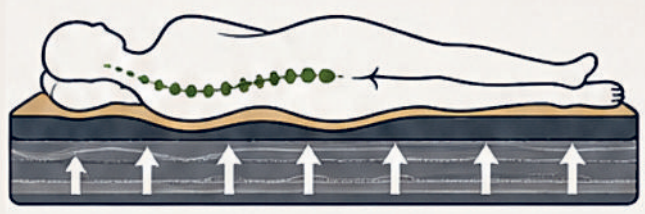

Dr. Ortho Orthopaedic Mattresses are designed to give your body the perfect support and comfort it needs for a deep, pain-free sleep

Contact For Dealership: 85588 07777 • dealership@divisa.in



Ex-showroom price of TVS XL100 Heavy Duty Kick-start variant in Delhi. Price is subject to change without prior notice. ^ Finance at the sole discretion of the financier. T&C apply.

FOR ALL INSTITUTIONAL/BULK REQUIREMENTS PLEASE MAIL corporate.customersupport@tvsmotor.com EAST DELHI: BINSAR TVS: दुर्गापुरी - 9821271880 खजूरी-9821258420, सोनिया विहार-9821260573 मंडोली एक्स. 9821260735 शेरपुर चौक 8527348216 जीरो पुस्ता, शास्त्री पार्क-9821267418 Bajwa TVS: कृष्णा नगर-8527320253 गीता कॉलोनी-8527320841 S. D. TVS: दिलशाद गार्डन-9821272498 मेन पुस्ता रोड, गांधी नगर- 9821268264 G. K. TVS: लक्ष्मी नगर- 9821271831 मयूर विहार फेज-3-6366448953 मधु विहार- 9821259935 न्यू अशोक नगर- 6366448954 NORTH DELHI: MOISSANITE: आजादपुर - 7600260222 MCR TVS: सरस्वती विहार-9821266109 मंगोलपुरी-9821275868 रानीबाग-9821274695 नरेला 9821275636 किरारी 9821274603 बवाना-9821276084 करावला- 9821276104 Sabharwal TVS: रिठाला- 9821259732 बुध विहार - 9821259748 Skyline TVS: जहांगीर पूरी - 9218039220 Balaji TVS: समयपुर बादली - 9312001120 बुराड़ी - 9218024668 SOUTH DELHI: OM TVS, लाजपत नगर - 9821272463 ओखला इंडस्ट्रियल एरिया फेज-9821261765 बदरपुर, जैतपुर-9821263038 पुलप्रहलादपुर - 9821264982 शाइन बाग-9821266451 Ahinsha TVS: खानपुर 9821271221 अधचीनी: 9821268018 आया नगर-9821267931 छतरपुर - 9821268194 महिपालपुर - 9821269602 मैन रेलवे रोड - 9311299301 RIDE TVS: बीकाजी कामा प्लेस 01141706608/9582890607 KK TVS: कापसहेड़ा - 9821261661 CENTRAL DELHI: Balaji TVS: शास्त्री नगर 9821271672 रोशनारा रोड - 9870326061 शहजादा बाग- 6366448959 Sabharwal TVS: करोल बाग-9821258099 तिलक नगर - 08527129911 YM TVS: दरियागंज- 9999388189 YM TVS: माल्का गंज- 9319391003 WEST DELHI: Dynamic TVS: द्वारका-9821271426 पालम 9870327342 रामफल चौक- Sec-7: 9870327413 उत्तम नगरः-9870327453 KK TVS: नागलोई - 9821271618 विकास नगरः रान्होला 9821258480 टिकरी कलां -9821259539 चंचल पार्क- 6366448946 AKHAND TVS: नजफगढ़-8506999402 Sabharwal TVS: पीरागढ़ी - 9821271826 रामारोड- 9870328586 राजा गार्डन 9821259328, YM TVS: डाबरी मोड़ - 7303114666 Gurugram: Choudhary TVS, ओल्ड दिल्ली रोड,8929592511. Simran TVS, Opp. मारुती उद्योग लिमिटेड, ओल्ड दिल्ली रोड, 8743818888. Simran TVS, सेक्टर 10A, खांडसा रोड, 8743042042. B.D. TVS, सेक्टर 66, सोहना रोड, बादशाहपुर 9717061545, 9958059545. BD TVS इस्लामपुर 9958059545. Ahinsha TVS, मैन रेलवे रोड, 9311299301. Ahinhsa TVS हयातपुर, 9355036372, 9319965702. Sri Bhagwan TVS, बसाई रोड, 8652876426, Sri Baghwan TVS, वज़ीराबाद, 9821269360, 8929612365. FARIDABAD : Uttam TVS, नियर DPS स्कूल, ओल्ड फरीदाबाद 9560086699. Shivram TVS, नीलम बता रोड, 8928858523. Shivram TVS, सेहतपुर 9910111109. Royal TVS-NIT-5, 9870192424, 9355111370. बल्लभगढ़: Royal TVS, सेक्टर 5, 9870192424, 9899242536.

Benefits up to ₹5 500** ** T&C apply as per Flipkart.

dentsu/har del/08/26